भोपाल
शुक्रवार, 29 मई 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष -13
वर्ष : 13, अंक : 57
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 43
न्यून. 29

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

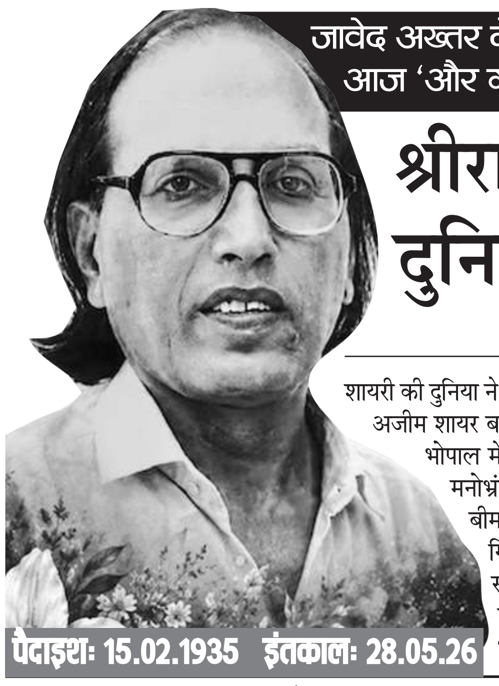

मशहूर शायर बशीर बद्र नहीं रहे, 91 की उम्र में भोपाल में निधन

श्रीराम की अयोध्या में जन्मे.. और अलीगढ़ से पढ़े, और सारी दुनिया को बताया-हम भी दरिया हैं,हमें अपना हुनर मालूम है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शायरी की दुनिया ने गुरुवार को अपना एक और सितारा खो दिया। अजीम शायर बशीर बद्र नहीं रहे। 91 बरस की उम्र में उन्होंने भोपाल में आखिरी सांस ली। वे पिछले कुछ समय से मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से जूझ रहे थे। डिमेंशिया कोई बीमारी नहीं है, बल्कि मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में गिरावट आने से जुड़े लक्षणों (सिंड्रोम) का एक समूह है। इसमें याददाश्त का कमजोर होना, सोचने-समझने की क्षमता, ध्यान केंद्रित करने, भाषा और निर्णय लेने ▶▶ शेष पेज 6 पर

- ▶▶ साहित्य और शायरी जगत में शोक की लहर, सीएम डॉ. यादव ने भी जताया दुख
- ▶▶ बशीर साहब पिछले कुछ समय से डिमेंशिया से जूझ रहे थे

सीएम ने जताई संवेदना

रचनाओं से मानवता के साथ जीने का संदेश दिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी डॉ. बशीर बद्र के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 'पद्म श्री' से सम्मानित, प्रसिद्ध शायर डॉ. बशीर बद्र के निधन पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के ▶▶ शेष पेज 6 पर

उन्होंने जुल्फी से कहा था

'दुश्मनी जमकर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों'

भारत-पाकिस्तान बंटवारे के दौर पर बशीर बद्र ने कई ऐसी गजलें और शेर लिखे, जो आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं। कहा जाता है कि शिमला समझौते के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार ▶▶ शेष पेज 6 पर

बद्र साहब ने उर्दू ग़ज़ल को आम आदमी की ज़िंदगी और अहसास से जोड़ा

उर्दू अदब के एक खूबसूरत दौर का यूं समाप्त हो जाना

डॉ. बशीर बद्र साहब का निधन केवल एक बड़े शायर का बिछड़ना नहीं, बल्कि उर्दू अदब के एक ख़ूबसूरत और रौशन दौर का समाप्त हो जाना है। उन्होंने ग़ज़ल को नई ज़बान, नई संवेदनाएं और नई इमेजरी दी। उनकी शायरी में सादगी भी थी, गहराई भी, दर्द भी था और इंसानी रिश्तों की गर्माहट भी। यही वजह है कि वे सिर्फ़ उर्दू तक सीमित नहीं रहे, बल्कि हिंदी पाठकों और आम लोगों के दिलों तक भी पहुंचे। मुझे यह सौभाग्य मिला कि मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की सचिव के रूप में उनके साथ काम करने और उन्हें बहुत क़रीब से जानने का अवसर मिला। वे अकादमी के अध्यक्ष थे। अध्यक्ष और इतने बड़े शायर होने के बावजूद उनमें कोई बनावट, कोई औपचारिकता या दंभ नहीं था। वे बेहद सादा, आत्मीय ▶▶ शेष पेज 6 पर

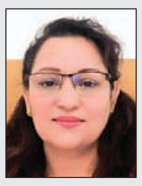
डॉ. नुसरत मेहदी
निदेशक
मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी

विशेष सामग्री पेज 2 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
आरआर जीटी
शाम 7.30 बजे से

सीबीएसई के नए मार्किंग सिस्टम पर बढ़ा बवाल तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने मानी गड़बड़ी

जिम्मेदारी ली, कहा- पुनर्मूल्यांकन में हर विद्यार्थी को मिलेगा 'इंसाफ'

प्रधान ने बताया कि 40 करोड़ पेज की चेकिंग हुई है, इसमें 17 लाख में से 4 लाख स्टूडेंट्स लौटकर आए हैं, जिनकी 11 लाख कॉपियां आई हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीबीएसई 12वीं की परीक्षा देने वाले देश भर के लाखों छात्रों के गुस्से और सोशल मीडिया पर मचे हाहाकार के बाद आखिरकार केंद्र सरकार ने इस मामले पर बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) यानी डिजिटल चेकिंग प्रणाली में हुई गंभीर विसंगतियों और तकनीकी गड़बड़ियों को खुले तौर पर स्वीकार कर लिया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस पूरे डिजिटल सिस्टम में जो भी कमियां रही हैं, उसकी जिम्मेदारी वे खुद लेते हैं और देश के किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि 40 करोड़ पेज की चेकिंग हुई है, इसमें 17 लाख में से 4 लाख स्टूडेंट्स लौटकर आए हैं, जिनकी 11 लाख कॉपियां आई हैं। हम लोगों ने गुरुवार को बैठकर इस पर चर्चा की, सीबीएसई ने कई अच्छी एजेंसियों को भी इसमें शामिल किया है। इसमें भारत सरकार की टेक्नोलॉजी को सर्टिफाई करने वाली एजेंसी भी काम पर लगी हैं। शिक्षा मंत्री ने ▶▶ शेष पेज 6 पर

ये भी बोले जिम्मेदार अफसरों को छोड़ूंगा नहीं

धर्मेंद्र प्रधान

- *छात्र मांग रहे फिजिकल चेकिंग, शिक्षा मंत्री बोले- दुनियाभर में हो रहा ओएसएम का इस्तेमाल*
- *हम किसी भी एक छात्र की शंका, चिंता या सवाल को बिना सुलझाए नहीं छोड़ेंगे*

ओएसएम को लेकर क्यों हो रहा विवाद?

सीबीएसई के ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम को लेकर 12वीं के रिजल्ट के बाद से ही सवाल उठने लगे हैं। पहले छात्रों ने कम नंबर मिलने का आरोप लगाया, इसके बाद जब स्कैन कॉपी डाउनलोड हुईं तो खराब स्कैनिंग का मुद्दा सामने आया। इसके ठीक बाद कई ऐसे छात्र भी सामने आए, जिन्होंने बताया कि उन्हें किसी और की कॉपी जोड़ दी गई है। कुछ छात्रों की आंसर शीट से पन्ने गायब मिले। ऐसे में छात्रों और पेरेंट्स का गुस्सा और ज्यादा बढ़ गया और अब इस सिस्टम को ही हटाने की मांग हो रही है।

सरकार और बोर्ड समस्या सुलझाने में जुटे

कॉपियों की अदला-बदली और गायब पन्नों के आरोपों पर उन्होंने साफ कहा कि यह पहली बार है जब सीबीएसई ने देश में इस तरह का बड़ा डिजिटल सिस्टम लागू किया है। कुछ विसंगतियां हमारे संज्ञान में आई हैं। इन सभी कमियों को जल्द से जल्द सुधारा जाएगा। सरकार और बोर्ड के तमाम अधिकारी इस वक्त सिर्फ इसी समस्या को सुलझाने में जुटे हैं।

राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं को लेकर लॉजिस्टिक सहयोग देंगी सेनाएं!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक विवाद के मामले पर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई। जिसमें यह तय किया गया है कि अब इस महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर एक प्रकार से पूरी कमान पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारियों के हाथ में रहेगी। वह पेपर सेटिंग के बाद प्रिंटिंग, ट्रांसपोर्टेशन से लेकर छात्रों के हाथ में अंतिम रूप से पेपर पहुंचने तक की समूची प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी बनाए रखेंगे। साथ ही बैठक में अलग-अलग समय पर देशभर में ▶▶ शेष पेज 6 पर

इस्तीफा सौंपते हुए

कर्नाटक में 3 साल बाद सत्ता परिवर्तन

सिद्धारमैया ने दिया इस्तीफा, डीके ने छुए पैर, वही होंगे अब नए बॉस

- **सिद्धारमैया बोले-** पार्टी हाईकमान ने जो कहा वो मैंने किया
- लेकिन, इस्तीफा देने की एवज में मैं राज्यसभा नहीं जाऊंगा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने लोकभवन जाकर अपना इस्तीफा सौंपा। कर्नाटक के राज्यपाल के विशेष सचिव, प्रभु शंकर ने कहा कि मैंने सिद्धारमैया का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा प्राप्त किया है। लेकिन वापस आने के बाद राज्यपाल ही इसे स्वीकार करेंगे। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मध्य प्रदेश के नागदा स्थित अपने गृह नगर गए हुए हैं। इससे पहले, सिद्धारमैया ने अपने आवास पर जलपान के दौरान हुई बैठक में ▶▶ शेष पेज 6 पर

आशीर्वाद लेते डीके

7 करोड़ कन्नडिगा मेरे भगवान सोनिया-राहुल का धन्यवाद

सिद्धारमैया ने जनता का आभार जताते हुए कहा कि 7 करोड़ कन्नडिगा ने मुझे मौका दिया, वही मेरे भगवान हैं। उन्हें पार्टी नेतृत्व- सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का पूरा समर्थन मिला और इसके लिए वह आभारी हैं। ▶▶ पढ़ें पेज 11 भी

खबर संक्षेप

सीयूईटी यूजी परीक्षा का रिवाइज्ड शेड्यूल जारी

नई दिल्ली। एनटीए ने सीयूईटी यूजी परीक्षा का रिवाइज्ड शेड्यूल जारी कर दिया है। बकरीद के चलते 28 मई को स्थगित हुई यह परीक्षा अब दो चरणों 31 मई और 6 व 7 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। एनटीए ने 31 मई को होने वाले एग्जाम के लिए एडमिट कार्ड वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

लिफ्ट के बहाने हनी ट्रैप चार आरोपी गिरफ्तार

भिंड। जिले में हनी ट्रैप गिरोह का पर्दाफाश करते हुए देहात थाना पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पीड़ित किसान की शिकायत पर की गई है। किसान से एक महिला ने पैर दर्द का बहाना बनाकर लिफ्ट ली। फिर रेप केस में फंसाने की धमकी देने लगे।

गाय का कटा सिर मिलने से बवाल, किया चक्काजाम

रतलाम। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र में गाय का कटा सिर और अवशेष मिलने से भारी तनाव फैल गया। घटना की खबर फैलते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए। प्रदर्शनकाकरियों ने गो-अवशेषों को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया।

चुनावी तैयारियों के बीच भाजपा का बड़ा दांव

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और त्रिपुरा के नए प्रदेश अध्यक्षों का हुआ ऐलान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए गुरुवार को चार राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों को बदलने का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और त्रिपुरा में नए संगठन प्रमुखों की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। दिल्ली की कमान वीरेंद्र सचदेवा की जगह पूर्वी दिल्ली से सांसद और केंद्रीय राज्य ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ हर्ष को दिल्ली हरियाणा में अर्चना को जिम्मा

पुलिस की बड़ी लापरवाही

जली लाश को माना 'शिवानी' बेगुनाह पिता-भाई को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बुरहानपुर

जिले से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां जिस युवती की हत्या के आरोप में पिता और भाई जेल में सजा काट रहे हैं, वह अचानक जिंदा लौट आई। खकनार थाने पहुंची युवती ने पुलिस से कहा कि साहब! मैं जिंदा हूं, मेरे पिता और भाई को छोड़ दीजिए। इस नाटकीय मोड़ के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। दरअसल, खकनार क्षेत्र की रहने वाली शिवानी ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ युवती थाने में बोली-साहब मैं जिंदा हूं

बकरीद पर मप्र से उठी अनोखी मांग

मुस्लिम समाज बोला - गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल/इंदौर

प्रदेश में गुरुवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार अकीदत, भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाया गया। इस मौके पर इंदौर, उज्जैन, खंडवा और धार समेत मालवा-निमाड़ अंचल के कई शहरों में मुस्लिम समाज ने सामूहिक नमाज अदा कर देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। इस बार बकरीद के अवसर पर सूबे के कई शहरों से आपसी ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ नमाजियों ने हाथ उठाकर किया समर्थन

सादगी भरे अंदाज में सीएम पहुंचे उज्जैन

सीएम की यह पहल ईंधन बचत और अनावश्यक खर्चों में कमी की दिशा में एक सकारात्मक संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव काफिला छोड़ टूरिस्ट बस में हुए सवार

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सादगी, मितव्ययिता और सुशासन के मंत्र को आत्मसात करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में एक नई कार्य संस्कृति स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रशासनिक खर्चों में संयम और संसाधनों के संतुलित उपयोग को लगातार प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ▶▶ शेष पेज 6 पर

प्रदेश में भीषण गर्मी, 10 जिले 45 डिग्री पार

लेकिन... दमोह, सागर में तो बारिश के साथ ओले भी गिरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में गुरुवार को भी भीषण गर्मी का दौर रहा। 10 जिलों में पारा 45 डिग्री पार रहा, जबकि सबसे गर्म रहे खजुराहो में पारा 46.5 डिग्री दर्ज हुआ है। नौगांव, राजगढ़, दमोह, मंडला, सागर, सतना, टीकमगढ़, मलाजखंड, दतिया में 45 से 46 डिग्री तक रहा। यहां तीव्र लू चली। गुना, ग्वालियर, श्योपुर, छिंदवाड़ा, जबलपुर, रीवा, उमरिया, रायसेन आदि जिलों में पारा 44 से 45 डिग्री के बीच रहा है। भोपाल में दशमलव 2 डिग्री बढ़कर 43.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक है। यह सीजन में ▶▶ शेष पेज 6 पर

- ▶▶ भोपाल में पारा 43.8 डिग्री
- ▶▶ प्री-मानसून कल से शुरू होगा

भोपाल की बड़ी झील का दृश्य

आज यहां लू और भीषण गर्मी

मौसम केंद्र ने शुक्रवार को सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में लू का रेड अलर्ट जारी किया है। दतिया, भिंड, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, उमरिया, कटनी, मैहर, छिंदवाड़ा, गुना, दमोह, सागर में रात गर्म रहेगी। जबलपुर, मंडला, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, शाजापुर, आगर, मंदसौर ▶▶ शेष पेज 6 पर

ट्विशा डेथ केसः एक दिन पहले ही हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत खारिज की थी

गिरिबाला का एम्स में मेडिकल कराया गया फिर हुई पूछताछ

सीबीआई ने लंबी पूछताछ के बाद सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह को किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ट्विशा डेथ केस में सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को भोपाल पुलिस ने गुरुवार को 7 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई के अधिकारी गुरुवार सुबह साढ़े 10 बजे गिरिबाला के कटारा हिल्स स्थित घर पहुंचे थे। शाम 5 बजकर 10 मिनट पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। इससे पहले बुधवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गिरिबाला की अग्रिम ▶▶ शेष पेज 6 पर

इसी कार से गिरिबाला को ले जाया गया

- *पूर्व जज को मैनिट के कैंप फिर एम्स में मेडिकल कराने के बाद सीबीआई दफ्तर में रखा गया*
- *शुक्रवार को समर्थ और गिरिबाला को एक साथ किया जाएगा पेश*

हाई इंटेंसिटी कैमरे से रिकॉर्डिंग की

इससे पहले जांच के दौरान सीबीआई ने गिरिबाला सिंह के घर में हाई इंटेंसिटी 3डी कैमरा लगाकर पूरे परिसर की 360 डिग्री रिकॉर्डिंग की। आसपास की लोकेशन भी स्कैन की गई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटनास्थल किसी पड़ोसी मकान की छत या बालकनी से दिखाई देता है या नहीं?

फूंक-फूंक कर कदम रख रही है सीबीआई

गिरिबाला सिंह सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं, इसलिए सीबीआई ने भी फूंक-फंककर कदम रख रही है। पूरी कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी गिरिबाला को है, इसलिए सीबीआई ने उनके बयान और मुख्य आरोपी ट्विशा शर्मा के पति समर्थ सिंह के बयानों में विरोधाभासी पाए जाने और एम्स भोपाल की मेडिकल रिपोर्ट में मौत से पहले ट्विशा शर्मा के शरीर पर चोट के निशान को प्रताड़ना सिद्ध होने के ▶▶ शेष पेज 6 पर
▶▶ पढ़ें पेज 03 भी

मुसाफिर हैं हम भी, मुसाफिर हो तुम भी
किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी

स्मृति शेष
डॉ. बशीर बद्र

अल्फाजों का वो 'उजाला' हमेशा रहेगा

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए... अपने इन अल्फाजों से करोड़ों दिलों को रोशनी देने वाले महान शायर डॉ.बशीर बद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। मगर उनकी शायरी, उनकी संवेदनाएं और मोहब्बत से भरे लफ्ज हमेशा अदब की दुनिया में गूंजते रहेंगे। उन्होंने केवल गजलें नहीं लिखीं, बल्कि जिंदगी के एहसासों को इतनी सादगी और खूबसूरती से बयान किया कि हर शेर लोगों के दिलों का हिस्सा बन गया। डॉ.बशीर बद्र का जाना उर्दू अदब के उस सुनहरे दौर के खत्म होने जैसा है, जिसकी महक आने वाली पीढ़िया भी महसूस रहेंगी। अब स्मृति शेष.....

पहली मुलाकात में जाना कि क्यों थे बशीर साहब हर दिल अजीज

वहीं बशीर बद्र के निधन पर भावुक शब्दों में जाने-माने अभिनेता रजा मुराद ने कहा कि दिल्ली में मैंने एक शो 'महफिल' किया था, जिसे शोएब इलियासी ने तैयार किया था। उस कार्यक्रम में मैंने बशीर बद्र साहब की शायरी और उनकी कलम को भी अपनी आवाज दी थी। वहीं पहली बार उनसे मुलाकात हुई और उसी क्षण मैंने महसूस किया कि वे केवल बड़े शायर ही नहीं, बल्कि बेहद जिंदादिल और हर दिल अजीज इंसान भी हैं। उनकी शख्सियत की सबसे खूबसूरत बात यह थी कि वे हमेशा मुस्कुराते रहते थे और अपनी हर बात का जवाब भी शेरो-शायरी में ही देते थे। उनकी मौजूदगी किसी महफिल को रौनक से भर देती थी। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष भोपाल की आबो हवा में बिताना पसंद किया, क्योंकि इस शहर की खुली हवा, यहां की तहजीब और सुकून उन्हें दिल से पसंद था। ईद जैसे मुबारक दिन उनका इस दुनिया से रुख्सत होना ऐसा लगता है, मानो अल्लाह ने उन्हें सीधे अपनी रहमत में बुला लिया हो। आज भले ही बशीर बद्र साहब हमारे बीच मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनकी शायरी, उनके अल्फाज और उनकी सोच हमेशा जिंदा रहेगी। वे अपने आप में एक चलता-फिरता विश्वविद्यालय थे। उर्दू अदब को समझने और सीखने वाला हर नौजवान आने वाले समय में उनकी शायरी से रोशनी हासिल करता रहेगा।

ईद पर उनका जाना, मानो अल्लाह का उन्हें सीधे अपनी रहमत में बुलाना है

बशीर बद्र साहब पर पीएचडी करने वाले अंजुम ने खोले अठन्नी-चवन्नी वाले राज

बातचीत ⏭ मधुरिमा राजपाल

प्रसिद्ध शायर अंजुम बाराबंकवी ने डॉ. बद्र को याद करते हुए भावुक अंदाज में कहा, साल 1994 में मैंने बशीर बद्र साहब पर पी.एचडी. की थी। मेरा शोध विषय था 'बशीर बद्र : लाइफ एंड वर्क', लेकिन सच कहूं तो वह केवल एक शोध नहीं था, बल्कि उनके साथ बिताए गए 40-45 वर्षों की यादों का सफर था। हमारा रिश्ता उस्ताद और शागिर्द से कहीं बढ़कर पिता और बेटे जैसा हो गया था। हमने साथ में सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक की यात्राएं कीं। दिलचस्प बात यह थी कि हर यात्रा से लौटने के बाद वे मुझसे एक-एक पैसे का हिसाब मांगते थे। फिर बैठकर आधा-आधा खर्च बांटते और उस पर लंबी बहस भी करते। यह बहस हजारों रुपयों की नहीं, बल्कि 25 और 50 रुपयों यानी अठन्नी चवन्नी तक की होती थी। उनकी यही सादगी और जीवन के प्रति अनुशासन मुझे हमेशा प्रभावित करता था। वे अक्सर कहते थे कि उनकी आखिरी तनख्वाह मात्र 165 रुपए महीना थी, इसलिए पैसे की कीमत वह भली-भांति समझते थे।

मेरे घर पर 'कहां हो? लौटकर मुझसे मिलना' की पर्ची चिपका जाते थे

उन्होंने एक और याद साझा करते हुए बताया कि जब मैंने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में उनके नाम पर पीएचडी के लिए आवेदन किया, तब कई लोग उन पर शोध करना चाहते थे। लेकिन बशीर बद्र साहब ने स्वयं कुलपति से कहा था मेरे ऊपर पीएचडी अंजुम ही करेगा, क्योंकि वह एक अच्छा शायर है। यह मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था....। अंजुम बताते हैं कि वे अक्सर उसी फिजां में रहते थे, जहां बशीर बद्र साहब का घर था। अविवाहित होने के कारण वह सुबह-सुबह टहलने निकल जाते या कहीं चले जाते थे। ऐसे में बशीर साहब उनके घर के बाहर एक छोटी-सी पर्ची चिपका जाते, जिस पर लिखा होता — 'कहां हो? लौटकर मुझसे मिलना'। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी पीएचडी थीसिस में उन पर्चियों को भी शामिल किया है। वे सिर्फ कागज के टुकड़े नहीं, बल्कि मेरे जीवन की अनमोल यादें हैं, जिन्हें मैं कभी नहीं भूल सकता।

कई पुरस्कारों से नवाजे गए

पद्मश्री (1999)

साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा गया।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

इसी वर्ष उनके प्रसिद्ध उर्दू काव्य संग्रह आस (69 ग़ज़लों का संग्रह) के लिए उन्हें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रांतीय उर्दू अकादमी पुरस्कार

उन्हें साहित्य सेवा के लिए उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा चार बार और बिहार उर्दू अकादमी द्वारा एक बार सम्मानित किया गया।

मीर अकादमी पुरस्कार

अदबी दुनिया में उनके खास योगदान के लिए उन्हें मीर अकादमी अवार्ड भी प्रदान किया।

जितना उनसे सीखने को मिला, उतना शायद किसी किताब से भी नहीं

वहीं प्रसिद्ध शायरा अंजुम रहबर ने बशीर बद्र को याद करते हुए भावुक स्वर में कहा, यह बात 1977 की है, जब मेरा उनसे जुड़ाव शुरू हुआ। मैं उनसे काफी जूनियर थी, लेकिन उनसे जितना सीखने को मिला, उतना शायद किसी किताब से भी नहीं मिल सकता था। वे ऐसे गजलगो और ऐसे शायर थे, जिनकी शायरी के अंदाज को शब्दों में बयां करना बेहद मुश्किल है। मैंने उनके साथ करीब 150 मुशायरों में हिस्सा लिया होगा। वे जितने शानदार शायर थे, उतने ही बेहतरीन संचालक भी थे। हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं पर उनकी पकड़ अद्भुत थी। मंच पर उनकी मौजूदगी ही मुशायरे को एक अलग ऊंचाई दे देती थी।

फोन कर पूछते तुम भी जा रही हो

जब भी हम भोपाल से बाहर किसी मुशायरे के लिए जाते, तो वे हमेशा मुझे फोन करके पूछते तुम भी जा रही हो या नहीं? उनका यही अपनापन और दिल को छू लेने वाला अंदाज लोगों के दिलों में उतर जाता था। मैं उन्हे यूनिवर्सिटी मानती रही हूं।

'और बद्र, कैसे हो?'

बशीर साहब के मुंह से यह सुनना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था

प्रसिद्ध शायर व रंगकर्मी बद्र बस्ती ने बशीर बद्र के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि शायरी के इस दौर का एक महान शायर हमारे बीच से चला गया। बशीर बद्र साहब जितने उम्दा शायर थे, उतने ही हर दिल अजीज इंसान भी थे। जब वे उर्दू अकादमी के चेयरमेन थे, उस समय मैं वहां उर्दू पढ़ता था। इतने बड़े पद पर होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने ओहदे का बड़प्पन महसूस नहीं होने दिया। वे मुझे अपने पास बिठाते, घंटों शेरो-शायरी पर बातें करते और बड़ी आत्मीयता से समझाते कि किसी शेर या मुशायरे में कहां नुक्ताचीनी करनी चाहिए। उनकी सबसे खास बात यह थी कि वे बेहद बेतकल्लुफ इंसान थे। बातचीत में हंसी-मजाक, अपनापन और गर्मजोशी हमेशा बनी रहती थी। कभी सड़क पर या किसी शादी-ब्याह में भी मुलाकात हो जाती, तो खुद मुस्कुराकर कहते-'और बद्र, कैसे हो?' उनके मुंह से यह सुनना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था।

उनका जाना शायरी के एक सुनहरे दौर का अंत होना

उन्होंने कहा, बशीर बद्र साहब का जाना ऐसा लगता है, मानो शायरी के एक सुनहरे दौर का अंत हो गया हो। उनकी शायरी सीधे दिल की गहराइयों तक उतर जाती थी। आज भी बहुत लोग शेर कहते हैं, लेकिन जिस सादगी, एहसास और रूहानियत से वे अल्फाज को जिंदगी देते थे, वैसी शायरी कर पाना बेहद मुश्किल है।

जाने-माने शायर व साहित्यकार मनीष श्रीवास्तव 'बादल' ने कहा

आज से ठीक सात साल पहले यानी 28 मई को ही हुई थी उनसे पहली मुलाकात

देश-विदेश में जब भी गजल की बात होगी, बशीर बद्र साहब नाम बहुत ही अदब से लिया जाएगा। उनके शेर जहां पार्लियामेंट में गूंजते थे तो वहीं हर मंच पर संचालक द्वारा पढ़े जाते थे। मैं बचपन से उनके शेरों को पढ़ता आया हूं, जीता आया हूं। क्या पता था कि नौकरी भोपाल लेकर आ जाएगी और बशीर बद्र साहब के साथ, उनके घर में बैठने का अवसर दे देगी। परन्तु उनकी डिमेंशिया बीमारी के कारण वर्षों तक बिस्तर पर पड़े रहना मुझे अंदर तक झकझोर दिया। उनसे मेरी पहली मुलाकात आज ही के दिन (28 मई) को साल 2019 में हुई थी, और उनसे मुलाकात का वो संस्मरण मैंने घर आकर फेसबुक पर पोस्ट किया, आज ही फेसबुक ने मुझे उनसे मुलाकात का वो फोटो और पोस्ट साझा की। उस वक्त मैं अपने एक मित्र अकबर के साथ ईदगाह हिल्स स्थित उनके घर पर गया। बशीर साहब की पत्नी राहत बद्र और बेटे ने जिस आत्मीयता से स्वागत किया, वह हमेशा स्मृतियों में रहेगा। बशीर साहब के बगल में बिस्तर पर बैठना रोमांचित कर रहा था। परन्तु दुःख इस बात का था कि एक आला दर्जे के शायर जिनकी गजलों और शेरों की दीवानी ये सारी दुनिया है, वे इस हालत में हैं कि कुछ भी, किसी को भी ठीक से पहचान भी नहीं पा रहे हैं। मैंने उनसे बहुत बात करने की कोशिश की पर वे कुछ समझ नहीं पा रहे थे और कुछ समझा भी नहीं पा रहे थे। मैं मन ही मन बहुत रोया।

एक घंटा उनके साथ बिताकर, उनके चरण स्पर्श कर वापस आ गया

इससे पहले कि आंसुओं का सैलाब फूट पड़े मैं फोन आने का बहाना बनाकर कमरे से बाहर निकल गया। थोड़ी देर बार अंदर आया तो वे सो चुके थे। करीब एक घंटा उनके साथ बिताने के बाद हम उनके चरण स्पर्श कर प्रभु से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हुए वापस आ गए। लगता है वो आज हमसे यह कहते हुए विदा हो गए कि जिन्दगी की शाम हो गई, 'मुसाफिर हो तुम भी, मुसाफिर हैं हम भी, किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी'। अलविदा, बशीर साहब....।

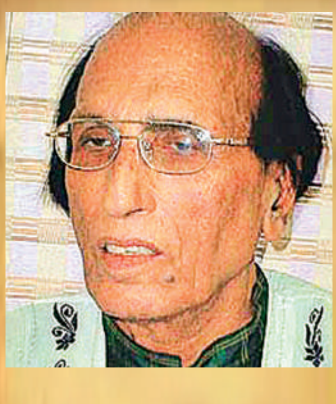

हर एक जुबां पर है बद्र साहब की ये शायरियां

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे
जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिंदा न हों

कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी
यूँ कोई बेवफ़ा नहीं होता

ज़िंदगी तू ने मुझे क़ब्र से कम दी है ज़मीं
पाँव फैलाऊँ तो दीवार में सर लगता है

कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से
ये नए मिज़ाज का शहर है ज़रा फ़ासले से मिला करो

यहाँ लिबास की क़ीमत है आदमी की नहीं
मुझे गिलास बड़े दे, पर शराब कम कर दे

मोहब्बतों में दिखावे की दोस्ती न मिला
अगर गले नहीं मिलता तो हाथ भी न मिला

सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा
इतना मत चाहो उसे वो बेवफ़ा हो जाएगा

लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में
तुम तरस नहीं खाते बस्तियाँ जलाने में

घरों पे नाम थे नामों के साथ ओहदे थे
बहुत तलाश किया कोई आदमी न मिला

कभी कभी तो छलक पड़ती हैं यूँही आँखें
उदास होने का कोई सबब नहीं होता

इसी शहर में कई साल से मिरे कुछ क़रीबी अज़ीज़ हैं
उन्हें मेरी कोई ख़बर नहीं मुझे उन का कोई पता नहीं

अजीब शख़्स है नाराज़ हो के हँसता है
मैं चाहता हूँ ख़फ़ा हो तो वो ख़फ़ा ही लगे

जी बहुत चाहता है सच बोलें
क्या करें हौसला नहीं होता

याददाश्त धुंधली हुई थी पर शायरी रूह में थी

जिंदगी के आखिरी दौर में बशीर बद्र साहब 'अल्जाइमर' (भूलने की बीमारी) के शिकार हो गए थे। वह लोगों के नाम, चेहरे और यहाँ तक कि अपनी निजी जिंदगी की कई बातें भूलने लगे थे। लेकिन उनके करीबियों और पत्नी राहत बद्र के मुताबिक, इस बीमारी के बावजूद जब भी उनके सामने उनके शेरों की कोई एक लाइन बोलता था, तो वह मुस्कुराकर उसकी दूसरी लाइन पूरी कर देते थे। याददाश्त भले ही धुंधली हो गई थी, लेकिन शायरी उनकी रूह में रची-बसी थी।

मुशायरों में भी उनकी गरिमामयी मौजूदगी बनी रहती थी

वे शुभ सूचना देने वाले पूर्णिमा के चांद की तरह...एक नाजुक लफ्ज शायर

राकेश अचल
वरिष्ठ पत्रकार

पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र साहब के न रहने की खबर ठीक वैसी ही लगी, जैसे नौतपा की भीषण गर्मी में कोई बूढ़ा बरगद जड़ों समेत उखड़ गया हो। दुनिया में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो अपने नाम को पूरी तरह सार्थक कर पाते हैं, डॉ. बशीर बद्र ऐसे ही विरले इंसान थे। वे शुभ सूचना देने वाले पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह थे। यदि मैंने डॉ. बशीर बद्र को सुना न होता, तो यह पूरी तरह मुमकिन है कि मैं न तो एक बेहतर पत्रकार बन पाता और न ही एक अच्छा कवि।

बशीर साहब से मेरी मोहब्बत की एक वजह तो उनकी लाजवाब शायरी थी, और दूसरी वजह उनका जन्म 15 फरवरी 1935 को होना था। वे मेरे प्रिय कवि प्रो. प्रकाश दीक्षित से ठीक 11 दिन पहले पैदा हुए थे। प्रकाश जी अपने हर जन्मदिन पर बशीर साहब का जिक्र बेहद आदर के साथ करते थे। मुझे ठीक-ठीक तो याद नहीं कि मैंने बशीर साहब को पहली बार कब सुना था, लेकिन संभवतः यह 1974 की बात रही होगी।

वे ग्वालियर व्यापार मेले के मुशायरों में नियमित रूप से आते थे, और इसके अलावा अन्य मुशायरों में भी उनकी गरिमामयी मौजूदगी बनी रहती थी। उन्हें सुनने वाले श्रोता भी बेहद खास थे। वे रुमानियत से भरे हुए, नौजवान और जिंदगी में संघर्ष करने वाले लोग थे। बशीर साहब शायद अपनी शायरी भी उन्हीं के लिए लिखते थे।

बशीर बद्र साहब की शायरी में मोहब्बत थी, तिश्नगी (प्यास) थी, समझाइश थी और एक चेतावनी भी थी, लेकिन उनकी शायरी का एक भी शब्द ऐसा नहीं होता था जो किसी आम आदमी की समझ में न आए। वे आधुनिक (जदीद) शायरी भी करते रहे और पारंपरिक (रिवायती) शायरी भी, लेकिन उन्हें असली पहचान उनकी प्रगतिशील शायरी ने दिलाई।

बशीर साहब के शेर भी मीर और गालिब की तरह समय के साथ मुहावरे बन गए और आम बोलचाल की कहावतों में इस्तेमाल किए जाने लगे। यह मुकाम बहुत कम शायर ही हासिल कर पाते हैं। वे मुशायरों में न तो कभी चीखकर पढ़ते थे और न ही सीना पीटकर; उनका अंदाज़-ए-बयां बेहद मखमली और शालीन था। आधुनिक शायरी के दौर में बहुत से लोगों ने बशीर साहब के इस खास अंदाज़ की नकल करने की कोशिश की। वे किसी भी मुशायरे में हमेशा पूर्णिमा के चांद की तरह ही चमके और उनकी चमक कभी फीकी नहीं पड़ी। बशीर साहब को जीवन में जो भी मुकाम, सम्मान और पुरस्कार मिले, वे सब उनकी उत्कृष्ट शायरी की बदौलत थे, किसी की दया या मेहरबानी से नहीं। बशीर साहब हमेशा देश के उन गिने-चुने शायरों में गिने जाएंगे जो इस नश्वर दुनिया से विदा होने के बाद भी सदियों तक बिना किसी सहारे के लोगों के दिलों में जिंदा रहते हैं।

साहित्य और कला जगत में उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए उन्हें साल 1999 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। वे मूल रूप से कानपुर के रहने वाले सैयद थे, लेकिन बाद में वे भोपाल के होकर ही रह गए। देश की सीमाओं के बाहर जहाँ कहीं भी ग़ज़ल सुनी और समझी जाती है, वहाँ बशीर साहब को बेहद चाव से सुना गया। दुनिया के लगभग बीस से अधिक देशों में उनके चाहने वाले मौजूद हैं।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 29 मई 2026

पानी बहने से आरिफ नगर की सड़क लबालब हो गई।

आरिफ नगर में 3 घंटे बहा पानी, जहां फॉल्ट सुधारा, वहीं से टूटी लाइन

जेसीबी से मेट्रो की खुदाई के चलते दो दिन पहले फूटी थी पाइप लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के आरिफ नगर में 2 दिन पहले जेसीबी से खुदाई के दौरान जहां से पाइपलाइन को सुधारा गया था वहीं गुरुवार को सुबह फिर अचानक पाइप फूट गया जिसकी वजह से 3 घंटे तक रोड पर पानी बहता रहा।

ईद उल अजहा का त्यौहार होने की वजह से सुबह नमाज अदा करने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा हालांकि जानकारी मिलने पर जल कार्य का हमला तत्काल मौके पर पहुंचा और फॉल्ट सुधारने में जुट गया। नारियल खेड़ा पीजीबीटी कॉलेज रोड और उससे लगी कई कॉलानियों में सुबह जल प्रदाय हुआ, लेकिन उसके तुरंत बाद इस फॉल्ट के होने से लोगों की चिंता बढ़ गई। उधर, नगर निगम के अफसरों का कहना है कि फॉल्ट की जानकारी मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंची टीम ने उसे दुरुस्त किया। जलप्रदाय व्यवस्था पूरी तरीके से बहाल हो गई है। सभी टंकियां पहले से ही भर ली गई थी।

पीजीबीटी कॉलेज रोड निवासी नसीम कुरैशी ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे जिस जगह पर आरिफ नगर में पाइप लाइन टूटी थी वहीं से दोबारा पानी का तेज बहुत शुरू हो गया और बड़ी मात्रा में पानी रोड पर तीन घंटे तक बहा। वहां की सप्लाई बंद की उसके बाद फॉल्ट को सुधारा गया।

त्योहार को देखते हुए आनन फानन में जल कार्य का अमला तुरंत मौके पर पहुंचा

निगम का तर्क- फॉल्ट सुधार दिया है, पानी सप्लाई में कोई दिक्कत नहीं

फॉल्ट सुधार दिया है....

आरिफ नगर में सड़क पर बहता पानी।

आरिफ नगर में आए फॉल्ट को सुधार दिया गया है। इससे किसी तरह की जल प्रदाय व्यवस्था प्रभावित नहीं हुई।

उदित गर्ग, अधीक्षण यंत्री, नगर निगम

आरिफ नगर में पाइप लाइन टूटने के मामले में अब मेट्रो से हर्जाना वसूलेगा नगर निगम

बैरसिया रोड स्थित आरिफ नगर के पास भोपाल मेट्रो रेल परियोजना द्वारा लापरवाही पूर्वक किए जा रहे कार्य के कारण कोलार फीडर की 400 एमएम व्यास की डीआई लाईन क्षतिग्रस्त होने से एलआईजी, नारियलखेड़ा, पिंजोमल, चौकसे नगर, जे.पी.नगर, आरिफ नगर, डीआईजी चौराहा, रेशम केन्द्र एवं टीला जमालपुरा आदि क्षेत्रों की जलप्रदाय व्यवस्था बाधित हुई। इसे लेकर नगर निगम ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि खर्च का आकलन किया जा रहा है इसके बाद मेट्रो प्रशासन को हरियाणा वसूली के लिए नोटिस दिया जाएगा गुरुवार को प्रातः 05:30 बजे कोलार फीडर की 400 एम.एम. व्यास की डी.आई. लाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई, जिसके कारण एलआईजी, नारियलखेड़ा, पिंजोमल, चौकसे नगर, जे.पी.नगर, आरिफ नगर, डीआईजी चौराहा, रेशम केन्द्र एवं टीला जमालपुरा आदि क्षेत्रों की जलप्रदाय व्यवस्था बाधित हुई । लाइन बार-बार क्षतिग्रस्त होने के कारण नागरिकों की पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही है जिससे भीषण गर्मी में नागरिकों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। जलकार्य विभाग, नगर निगम, भोपाल द्वारा भोपाल मेट्रो रेल परियोजना पर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है जिससे भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो।

ट्विशा शर्मा मामले में गिरिबाला से 8 घंटे तक सीबीआई ने की पूछताछ

गिरिबाला के बयानों और सीसीटीवी फुटेज में विरोधाभास, आज सीबीआई मांगेगी रिमांड!

सीबीआई को ट्विशा की दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार, जो सीधे कोर्ट में की जाएगी पेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ट्विशा मौत के मामले में सीबीआई ने आरोपी गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद गुरुवार को करीब 8 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद शाम 6 बजे उन्हें हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी की सूचना जिला न्यायाधीश प्रथम मनोज कुमार श्रीवास्तव को दे दी गई है।

पिता बोले- पहली जीत, न्याय की लड़ाई जारी

ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा ने कहा कि यह पहली जीत है, न्याय की लड़ाई जारी रहेगी। हमने कोर्ट से गिरिबाला को भी समर्थ की तरह आरोपी बनाने की मांग की थी। कोर्ट ने हमारी अपील स्वीकार की है। बेटी को न्याय मिलेगा।

सीबीआई करती रही गिरिबाला से पूछताछ समर्थ को सीबीआई ने रखा अपने पास

गिरिबाला बोलीं-मैंने ट्विशा को सिर्फ बुरा ही नहीं कहा, उसकी अच्छाई का भी जिक्र किया

वकील के सामने पूछताछ, सीसीटीवी से नहीं मिले बयान

गिरिबाला ने सुबह 7 बजे अपने कुत्ते को खाना देने के बाद घर से बाहर कदम नहीं रखा

पूर्व जज गिरिबाला सिंह का घर।

सीबीआई की एक टीम सुबह 10 बजे गिरिबाला के घर पहुंची। करीब 3 घंटे बाद दूसरी टीम भी पहुंची, जिसमें पांच महिला अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल थे। वकील की मौजूदगी में गिरिबाला से घटना के हर पहलू पर सवाल किए गए। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, गिरिबाला के बयान और सीसीटीवी फुटेज आपस में मेल नहीं खा रहे। सबसे ज्यादा क्रॉस एग्जामिनेशन इस बात पर हुआ कि 15 मिनट तक गिरिबाला नीचे क्या करती रहीं और बेटा समर्थ ऊपर क्या कर रहा था। गिरिबाला को सुबह से ही गिरफ्तारी का अंदेशा था। उन्होंने सुबह 7 बजे अपने कुत्ते को खाना देने के बाद घर से बाहर कदम नहीं रखा। पूछताछ के दौरान समर्थ को भी सीबीआई ने अपने पास रखा, लेकिन उसे घटनास्थल पर नहीं ले जाया गया।

मीडिया को नहीं बुलाया : गिरिबाला

पूछताछ में गिरिबाला ने कहा कि उन्होंने कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं बुलाई। हमने वकील के यहां मीडिया के सामने अपनी बात रखी। हमने कभी मीडिया को सामने से नहीं बुलाया। समर्थ ने भी मीडिया से कुछ नहीं कहा। लोगों के दबाव में मैंने मीडिया से बात की। मैंने ट्विशा को सिर्फ बुरा ही नहीं कहा, उसकी अच्छाई का भी जिक्र किया।

आमने-सामने हो सकती है पूछताछ

शुक्रवार को गिरिबाला और समर्थ को सीबीआई की स्पेशल अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई फिर से रिमांड मांग सकती है। एजेंसी दोनों का आमना-सामना कराकर पूछताछ करना चाहती है। बयानों में दहेज के लिए उकसाने और मारपीट का भी जिक्र है। कोर्ट के आदेश पर हुए ट्विशा के दूसरे पोस्टमार्टम की रिपोर्ट का भी इंतजार है, जो सीधे अदालत में पेश की जाएगी।

3डी स्कैनर से रीक्रिएशन बेल्ट का भी किया प्रदर्शन

3डी मैप तैयार करता सीबीआई का सदस्य।

सीबीआई ने मामले में 3डी स्कैनर का इस्तेमाल किया है। घटनास्थल का पूरा 3डी मैप तैयार कर यह समझने की कोशिश की गई कि ट्विशा ने कैसे फांसी लगाई और समर्थ सीढ़ियों से कैसे दाखिल हुआ। सुसाइड में इस्तेमाल बेल्ट का भी रीक्रिएशन किया गया।

ऑस्ट्रेलिया से बेटी आने पर होगा पीएम

इलेक्ट्रिक बेड की बैट्री में ब्लास्ट से बुजुर्ग की झुलसकर हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के अगरिया कालापीपल गांव में इलेक्ट्रिक बेड की बैट्री में विस्फोट होने से 88 साल के बुजुर्ग झुलस गए। उनका बेटा उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचा था। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग का पीएम उनकी बेटी के ऑस्ट्रेलिया से भोपाल पहुंचने के बाद किया जाएगा।

पुलिस के अनुसार ग्लैडविन शाह, पारधी (88) गांव अगरिया, कालापीपल, ईंटखेड़ी में रहते थे और शासकीय विभाग से रिटायर्ड थे। उनके परिवार में पत्नी और बेटा हैं, जबकि बेटी की शादी हो चुकी है और वह ऑस्ट्रेलिया में परिवार के साथ रहती हैं। बेटे अश्विन ने बताया कि पिता उम्रदराज होने के कारण बीमार रहते हैं। वे चलते-फिरते भी नहीं थे। उनके लिए इलेक्ट्रिक बेड कमरे में लगाया गया था और बेड पर ही वह रेस्ट करते थे। बुधवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे उनके कमरे से तेज आवाज आई। अश्विन कमरे में पहुंचा तो बेड की बैट्री ब्लास्ट हो चुकी थी और बेड में आग लगी हुई थी। उसने किसी तरह आग पर काबू किया। इस दौरान बेड पर सो रहे पिता झुलस गए थे। वह पिता को लेकर प्राइवेट अस्पताल पहुंचा, वहां इलाज के दौरान बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे उनकी मौत हो गई।

एक जून से प्री-मानसून बारिश के आसार

अब बादल, बारिश, हवाएं देंगी राहत जून का पहला सप्ताह रहेगा भीगा!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में पिछले एक सप्ताह से सुबह से ही दोपहर जैसी चुभती गर्मी ने इंसानों के साथ पशु-पक्षियों के भी हाल-बेहाल कर रखे हैं। गुरुवार को भी पारा दशमलव दो डिग्री बढ़कर 44 डिग्री के करीब पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार मानसून अभी खाड़ी में है, जिसके आगे बढ़ने की परिस्थितियां अनुकूल हैं। इससे पहले भोपाल में एक जून से प्री-मानसून बारिश होगी, जो ऐसी गर्मी से कुछ राहत देगी। शुक्रवार से रविवार के बीच भी बादलों का आना जाना रहेगा। लेकिन गर्मी का दौर जारी रहेगा। एक जून से भोपाल में भी प्रीमानसून की बारिश होगी। 8 जून के बाद बारिश में तेजी आएगी।

नारेबाजी कर दर्ज कराया विरोध

अयोध्या बायपास पर काटे गए 7000 से ज्यादा पेड़ों को श्रद्धांजलि देने पहुंचे शहर के अनेक पर्यावरणविद

पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए नारेबाजी करते पर्यावरणविद।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के अयोध्या बायपास रोड पर एनएचएआई द्वारा किए जा रहे 10 लेन के निर्माण कार्य के दौरान काटे गए 7000 से ज्यादा पेड़ों को श्रद्धांजलि देने गुरुवार को शाम अर्जुन नगर में बड़ी संख्या में पर्यावरणविद इकट्ठा हुए और काटे गए पेड़ों के पास खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। शाम करीब 5 बजे अर्जुन नगर बाईपास के पास पर्यावरणविद एकत्र होना शुरू हुए। उन्होंने इस दौरान पेड़ों को विधि विधान से श्रद्धांजलि अर्पित की और पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए नारेबाजी की। इस अवसर पर उमाशंकर तिवारी, दीपक गुप्ता ओंकार सिंह के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे।

काटे गए पेड़ों को श्रद्धांजलि देते पर्यावरणविद।

भारत की जनगणना-2027 प्रथम चरण हुआ पूरा

राजधानी के 3 हजार 285 ब्लॉकों में 7 लाख 38 हजार मकानों की हुई गणना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत की जनगणना-2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। निगम सीमा अंतर्गत आने वाले कुल 07 लाख 38 हजार मकानों की गणना का कार्य किया जा चुका है साथ ही 03 हजार 285 जनगणना ब्लाकों में मकानों का सूचीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है। जनगणना मकान सूचीकरण कार्य में प्रगणकों द्वारा विशेष रूचि लेकर लगन एवं निष्ठा के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु व्यक्तिगत तौर पर भी प्रयास किये गये। निगम आयुक्त व प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी श्रीमती संस्कृति जैन द्वारा भी समय-समय पर जनगणना मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण एवं समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान श्रीमती जैन द्वारा सभी चार्ज क्षेत्रों के समस्त पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वह प्रतिदिन अपने अधीनस्थ मकान सूचीकरण ब्लॉक को चेक करें और निर्धारित प्रारूप में ओके रिपोर्ट भी दें।

भ्रमण के दौरान भी समीक्षा की जा रही

निगम आयुक्त व प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी संस्कृति जैन के निर्देश पर प्रथम चरण मकान सूचीकरण के कार्य की दैनिक रूप से समीक्षा की जा रही है। भ्रमण के दौरान भी समीक्षा की जा रही है तथा चार्ज अधिकारियों के साथ नियमित रूप से बैठक की जा रही है। उपायुक्त एवं नगर जनगणना अधिकारी हीरेन्द्र सिंह कुशवाह द्वारा जोन/चार्ज क्र. 01 से 21 तक फील्ड कार्य का भ्रमण किया जा रहा है। भ्रमण में शुक्रवार को निगम आयुक्त व प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी संस्कृति जैन, उपायुक्त एवं नगर जनगणना अधिकारी हीरेन्द्र सिंह कुशवाह, जनगणना निदेशालय के अधिकारियों में डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज मनोज सैनी, राहुल सैनी, मास्टर ट्रेनर सुरेन्द्र रघुवंशी व मुकेश नापित आदि रहेंगे।

ट्रेन छूटने के 8 घंटे पहले दिया जाता है रिफंड

पेमेंट गेटवे रेल टिकट निरस्त कराने पर तत्काल आएगा रिफंड का पैसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अब टिकट कैंसिल कराने पर यात्रियों को रिफंड के लिए कई दिनों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आईआरसीटीसी ने पेमेंट गेटवे आई पे सिस्टम से टिकट रिफंड मिलना आसान कर दिया है। इससे टिकट बुक कराने पर बाद में टिकट कैंसिल कराया तो रिफंड कुछ ही मिनटों में खाते में वापस आ जाएगा। उल्लेखनीय है कि अभी टिकट बुक करने पर क्रेडिट या डेबिट कार्ड से रुपए फौरन कट जाते हैं, लेकिन टिकट बुक नहीं होने या कन्फर्म नहीं हो पाने पर रिफंड मिलने में हफ्ते भर लग जाता है। इस दौरान अगर अकाउंट में पैसे कम हुए तो दूसरा टिकट लेने में परेशानी हो जाती है।

अभी यह है व्यवस्था

रेलवे ने टिकट कैंसिल करने के नियम में बदलाव करते हुए ट्रेन छूटने से 8 घंटे पहले तक टिकट रद्द करने पर ही रिफंड दिए जाने का नियम लागू किया था। पहले यह समय 4 घंटे था। हालांकि, 24 से 8 घंटे के बीच टिकट कैंसिल करने पर अभी भी 50% पैसा ही वापस मिलेगा।

रद्द किया मॉडर्न कार्डियक यूनिट का प्रोजेक्ट, बाकी सुविधाएं 31 जुलाई से होंगी शुरू

जेपी अस्पताल: लापरवाही की हद, 5वीं बार फिर बदली नई बिल्डिंग की डेडलाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के मॉडल अस्पताल जेपी की बहुप्रतीक्षित पांच मंजिला नई बिल्डिंग की डेडलाइन एक बार फिर बढ़ा दी है। अब नई बिल्डिंग 31 जुलाई को अस्पताल प्रशासन को सौंपा जा सकता है।

यह पांचवीं बार है जब डेडलाइन तय की गई है। एक बार फिर यह भवन अधूरा ही मिलने वाला है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इस देरी का सीधा खामियाजा उन दिल के मरीजों को भुगतना पड़ेगा जिन्हें सरकारी इलाज की सबसे ज्यादा जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग ने जेपी अस्पताल में बनने वाली मॉडर्न कार्डियक यूनिट के पूरे प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया है। बतादें कि साल 2023 में विभाग ने जेपी अस्पताल में 30 बेड की एक एडवांस कार्डियक यूनिट बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया था। इसे अप्रैल 2024 तक शुरू किया जाना था। बार-बार प्रोजेक्ट में देरी होती गई और इसके साथ ही इसकी लागत भी बढ़ती गई। इस बेहिसाब देरी और लागत वृद्धि का नतीजा यह हुआ कि कैथलैब प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया गया।

अब नई बिल्डिंग 31 जुलाई को अस्पताल प्रशासन को सौंपी जा सकती है

नए भवन में अप्रैल 24 तक शुरू हो जानी थी कैथलैब

जेपी अस्पताल परिसर में बन रहे नए भवन का चित्र।

नई बिल्डिंग में महिलाओं के लिए 125 बेड का सर्जिकल वार्ड

यह एक 242 बेड का सुपर ब्लॉक है, जिसे आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें महिलाओं के लिए 125 बिस्तरों का एक अलग सर्जिकल वार्ड बनाया गया है।

काम पूरे होने का इंतजार...

बिल्डिंग निर्माण कंपनी ने जुलाई में पूरे कार्य करने की तारीख दी है। बिल्डिंग का हस्तांतरण तब तक नहीं लिया जाएगा, जब तक पूरा निरीक्षण और सारे जरूरी काम पूरे नहीं हो जाते।

डॉ. संजय जैन, अधीक्षक, जेपी अस्पताल

देरी के कारण: कनेक्टिविटी की समस्या

नए और पुराने भवन के बीच मरीजों और कर्मचारियों की आवाजाही के लिए सीधा रास्ता या ब्रिज न होने के कारण इंजीनियरिंग स्तर की बड़ी चूक सामने आई थी, जिसे सुधारने के लिए ब्रिज तैयार किया जा रहा है।

यह कार्य होना बाकी

फायर सेफ्टी (अग्निशमन), एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) और ईटीपी का काम अभी लंबित है, जिसके लिए अलग से बजट और समय की मांग की गई है।

मलेशिया कराटे चैंपियनशिप में जीते पदक

स्वर्ण पदक विजेता नियति को खंडेलवाल ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मलेशिया कराटे चैंपियनशिप की अंडर-14 श्रेणी में स्वर्ण एवं रजत पदक जीतकर मध्यप्रदेश व देश का गौरव बढ़ाने वाली दमोह की प्रतिभाशाली बेटी नियती दीक्षित से भेंटकर बधाई दी। इस दौरान प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर एवं लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण सिंह उपस्थित रहे।

54वीं राज्य सीनियर और जूनियर तैराकी प्रतियोगिता

इशिता परिहार की कप्तानी में भोपाल जिले की 16 सदसीय टीम की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रीवा में 30 मई से 2 जून तक आयोजित होने वाली 54वीं राज्य तैराकी प्रतियोगिता के लिए भोपाल टीम घोषित कर दी गई है। गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में भोपाल तैराकी संघ के सचिव रामकुमार खिलरानी ने बताया कि यह प्रतियोगिता 3 ग्रुप में खेली जाएगी एवं इस चार दिवसीय तैराकी प्रतियोगिता के माध्यम से जूनियर नेशनल एवं सीनियर नेशनल तैराकी के लिए मध्यप्रदेश की टीम का चयन किया जाएगा। भोपाल की टीम में 10 बालक और 6 बालिका तैराक शामिल हैं।

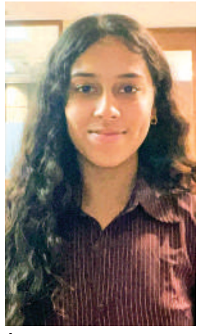

तैराक खिलाड़ियों की सूची में अर्थ जैन, पर्व प्रजापति, विराट सिंह, ध्रुव नेगी, अर्नब चौधरी, व्योम खन्ना, आदर्श कुमार सिंह, अभिज्ञान गुप्ता, आदित्य साहू, अपूर्व निगम, इशिता परिहार, मान्या राजपूत, अन्वी खंडूरी, वाणी जैन, कृतिका श्रीवास्तव, वेदिका जैन शामिल हैं। इस टीम के कोच पंकज बाथम होंगे। इस दल को भोपाल तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल (लिली), उपाध्यक्ष ब्रजेश राजपूत, आशीष टोंक, गणेश कुण्टे एवं मुकेश मिश्रा ने बधाई देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

आईसेक्ट इंडिया ने की एमपीएल टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' की भव्य लॉन्चिंग

खेल प्रतिभाओं के सम्मान के साथ सामाजिक पहलों की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 क्रिकेट में वर्ष 2025 में प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर के रूप में प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराने के बाद आईसेक्ट समूह ने इस बार अपनी नई पुरुष एवं महिला क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' की भव्य लॉन्चिंग की। इस अवसर पर आयोजित विशेष मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम में खिलाड़ियों, खेल जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों, उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों एवं स्पॉन्सर्स की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान खेल एवं क्रिकेट के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले करीब 10 व्यक्तित्वों एवं टीम के स्पॉन्सर्स का सम्मान किया गया। साथ ही रॉयल निमाड़ ईगल्स की मेंस एवं वूमेंस टीम का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर टीम का विशेष 'रॉयल निमाड़ ईगल्स जिंगल' लॉन्च किया गया। इसके साथ ही टीम की नई जर्सी का अनावरण किया गया। इस दौरान मंच पर आईसेक्ट समूह के चेयरमैन संतोष चौबे, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी एवं एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

मेंस टीम सदस्य

रॉयल निमाड़ ईगल्स पुरुष टीम 2026 में कप्तान सारांश जैन एवं उपकप्तान हिमांशु मंत्री के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी। टीम में कुमार कार्तिकेय सिंह, आनंद सिंह बैस, प्रणित पाटीदार, पारुष मंडल, पुष्कर विश्वकर्मा, प्रारब्ध वी. मिश्रा, शिवांश चतुर्वेदी, कनिष्क दुबे, धर्मेश पटेल, कार्तिक राजोरिया, शांतनु रघुवंशी, अयान श्रीराज, अभिषेक मावी, देवेंद्र सिंह कठैत एवं शशांक पाटीदार शामिल हैं।

वूमंस टीम सदस्य

रॉयल निमाड़ ईगल्स महिला टीम 2026 में कप्तान निकिता सिंह के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी। टीम में वैष्णवी शर्मा, यामिनी बिल्लोरे, कल्याणी जादव, सोनिया सिंह, तनिष्का सेन, दीप्ति सिंह, हर्षिता सिंह, ऋषिता जैन, खुशी यादव, जानवी राय, लक्ष्यिता माहेश्वरी, मुस्कान योगी, राशि सोनी एवं सलोनी पासवान जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं।

अरेरा प्रीमियर इंटर हाउस क्रिकेट लीग

अरेरा रेड ने अरेरा ब्लू को 23 रन से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ओल्ड कैंपियन मैदान पर अरेरा प्रीमियर इंटर हाउस क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में अरेरा रेड और अरेरा ब्लू के बीच मैच खेला गया, जिसमें रेड ने 35.2 ओवर्स में 209 रन बनाए। होमी सोलंकी ने 67, शिखर देशमुख 56 और सूरज भौंडेकर ने 31 रन बनाए। गेंदबाजी में आर्यन साहनी ने 5, नीरज ग्रोवर ने 3 रोशन नायक और आयुष पाठक ने 1-1 विकेट लिए। जवाब में अरेरा ब्लू ने संघर्ष किया पर 23 रनों से हार गए। इनमें पीयूष सिंह ने 46, नीरज ग्रोवर ने 40 आयुष पाठक और लकी सूर्यवंशी ने 21-21 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में केतन रेवाड़ीकर, शिखर देशमुख और होमी सोलंकी ने 3-3 विकेट लिए। सूरज भौंडेकर ने 1 विकेट लिया। अरविंद वर्मा और प्रियदर्शनी पाठक ने होमी सोलंकी और आर्यन साहनी को प्लेयर ऑफ द मैच से पुरस्कृत किया।

एचएमजी कप 2026 इंटर क्लब-अकादमी क्रिकेट टूर्नामेंट

नायर अकादमी ने भोपाल लेपड्र्स को 78 रन से किया पराजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बीडीसीए द्वारा आयोजित एचएमजी कप अंडर-15 बॉयज लिमिटेड ओवर इंटर क्लब/अकादमी क्रिकेट टूर्नामेंट, डीपीएस क्रिकेट मैदान पर नायर अकादमी और भोपाल लेपड्र्स क्रिकेट अकादमी के मध्य मैच खेला गया। नायर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 281 रन बनाए, जिसमें सोहम मेहर ने 112 रन की पारी खेली, प्रखर चंद्र नें 48 रन और अंकुश विश्वकर्मा ने 38 रन

बनाए। भोपाल लेपड्र्स से गेंदबाजी में आर्यमन गुप्ता और हितार्थ ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में भोपाल लेपड्र्स 43.4 ओवर में 203 रन ही बना सकी, जिसमें ऋषभ शर्मा ने 88, हितार्थ परछानी ने 29 रन और अनय अग्रवाल ने 25 रन बनाए। नायर अकादमी के ऋषि यादव ने 4 विकेट लिए। मेन ऑफ द मैच सोहम मेहर को दिया गया।

इंग्लैंड में दिखाएंगे दम

भोपाल के जतिन सहाय, विजय मंघरानी और सनी भटनागर 'इंडिया ओवर 40 टीम' में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के खेल जगत और प्रमुख शासकीय संस्थानों के लिए यह गौरवशाली क्षण है कि शहर के तीन अनुभवी और प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ियों जतिन सहाय सक्सेना, विजय मंघरानी और सनी भटनागर का चयन वेटरन्स प्रो क्रिकेट इंटरनेशनल (वीपीसीआई) द्वारा 'इंडिया ओवर 40 क्रिकेट टीम' में किया गया है।

यह राष्ट्रीय टीम आगामी 25 मई से 8 जून तक वेल्स और इंग्लैंड की ओवर 40 टीमों के खिलाफ 45-45 ओवरों की बेहद चुनौतीपूर्ण अंतरराष्ट्रीय वनडे श्रृंखला में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। इंग्लैंड क्रिकेट प्रशासन और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के आधिकारिक समर्थन से आयोजित होने वाले इस दौरे के लिए खिलाड़ियों के लगातार शानदार प्रदर्शन, खेल के प्रति समर्पण और उनकी बेजोड़ फिटनेस को आधार बनाया गया है।

गुयाना वर्ल्ड कप टीम चयन का बनेगा मुख्य आधार

यह दौरा रणनीतिक रूप से इन तीनों खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह 45 ओवरों की वनडे श्रृंखला इसी वर्ष गुयाना में आयोजित होने वाले आईएमसी ओवर 40 विश्व कप' के लिए खिलाड़ियों के चयन का मुख्य 'डेवलपमेंट लीग पाथवे' है। इंग्लैंड के ऐतिहासिक स्विंडन क्रिकेट ग्राउंड, हाई वायकोम्बे क्रिकेट ग्राउंड और वोस्टरशायर जैसे मैदानों पर होने वाले इन मैचों में जो खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे, उन्हें सीधे आगामी विश्व कप की भारतीय टीम में जगह मिलने का अभूतपूर्व लाभ मिलेगा।

नित्यम के शतक और शुभम की गेंदबाजी से एससीए की 170 रन से जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्वास सारंग क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में शिवाय क्रिकेट एकेडमी (एससीए) ने पीपीसीए को 170 रनों के भारी अंतर से हरा दिया। एससीए ने 30 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 261 रन बनाए। मैन ऑफ द प्लेयर नित्यम माहेश्वरी रहे, जिन्होंने नाबाद शतक (107) जड़ा। श्रीविक तनेजा ने 80 रन बनाए। पीपीसीए की टीम 23.5 ओवर में 91 रनों पर ढेर हो गई। अथर्व ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। एससीए के मुख्य गेंदबाज शुभम ने कंजूसी से गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में मात्र 3 रन देकर 3 विकेट चटकाए। आद्यंत और भावेश को 2-2 विकेट मिले।

प्रसून सारंग स्मृति (अंडर-14) टूर्नामेंट का आयोजन

सिली पॉइंट क्रिकेट एकेडमी की 3 विकेट से जीत

विश्वास सारंग ग्राउंड में चल रहे प्रसून सारंग स्मृति टूर्नामेंट में गुरुवार को लो-स्कोरिंग रोमांचक मैच में सिली पॉइंट क्रिकेट एकेडमी ने रेलवे गर्वित को 3 विकेट से हरा दिया। रेलवे गर्वित ने बल्लेबाजी करते हुए 24.1 ओवर में 80 रन बनाए। आरव शर्मा और गुरप्रीत सिंह ने सर्वाधिक 17-17 रन बनाए। सिली पॉइंट के कार्तिकेय, सारथ और नैतिक शर्मा को 2-2 विकेट मिले। जवाब में सिली पॉइंट एकेडमी ने 28.5 ओवर में 7 विकेट खोकर 81 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेदांत

गौर और नैतिक शर्मा ने 12-12 रन बनाए। रेलवे गर्वित के आरव साहू ने 3 विकेट (3/12) झटके। प्लेयर ऑफ द मैच ऑलराउंड प्रदर्शन (12 रन, 2 विकेट) के लिए सिली पॉइंट के नैतिक शर्मा को चुना गया।

भोपाल

आग लगने से मची अफरा-तफरी

डीके हॉस्पिटल में आग लगी मरीजों को किया शिफ्ट

मरीजों को बचाने के लिए डॉ. पूनम ने किए खास इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

बैरागढ़ सीहोर नाका स्थित डीके हॉस्पिटल में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि अस्पताल में आग से निपटने के सभी इंतजाम उपलब्ध थे और जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया, जिससे मरीजों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

शिखर होटल के पीछे स्थित डीके हॉस्पिटल के सेकंड फ्लोर स्थित वार्ड में रखे पलंग में अचानक आग भड़क गई। हालांकि उक्त वार्ड में कोई मरीज नहीं था फिर भी अन्य मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। बताया जाता है कि इलेक्ट्रिक बेड, दो गद्दे सहित एक एसी जलकर खाक हो गया। आग लगने के बाद अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों ने ख़ुद फायर ब्रिगेड आने से पहले ही आग पर क़ाबू कर लिया। इस बीच डॉ. पूनम खेमचंदानी ने आग की परवाह न करते हुए सभी इंतज़ाम किए और मरीजों को अन्य स्थान पर सुरक्षित शिफ्ट किया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। अस्पताल की प्रबंधक संचालक डॉ. पूनम खेमचंदानी ने बताया कि वार्ड में रखे पलंग में मोटर होने के कारण सम्भवतः उससे गद्दों में आग लग गई। अस्पताल के डॉक्टरों व कर्मचारियों द्वारा क़ाबू पाया गया, जिससे कोई जानहानि नहीं हुई फायर ब्रिगेड की दमकलों ने भी पहुंच कर आग बुझाने में मदद की।

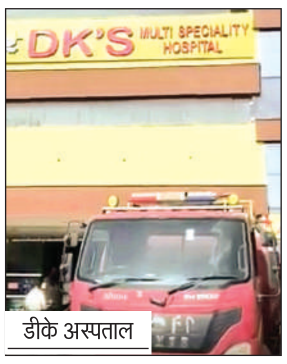

डीके अस्पताल

दो आरोपी गिरफ्तार, एक की तलाश जारी

वाइन शॉप के सामने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

गिरफ्तार आरोपियों के साथ पुलिस टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित डीआईजी बंगला चौराहा पर वाइन शॉप के सामने गुरुवार दोपहर तीन बदमाशों ने एक युवक से मारपीट करते हुए उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना की शिकायत मिलते ही पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उनके साथी की तलाश की जा रही है।

जिस युवक पर हमला किया गया है वह टीलाजमालपुरा का निगरानी बदमाश है। पुलिस के अनुसार शाहरुख पिता सलीम पठान (28) बीडीए कॉलोनी, टीला जमालपुरा में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गुरुवार दोपहर करीब बारह बजे के आसपास वह डीआईजी बंगला चौराहा पर वाइन शॉप गया था। इस दौरान उसे मुजीब, इसरार और इसरार का भाई मिल गए। रंजिश होने के कारण आरोपियों ने उससे गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी बीच इसरार ने चाकू निकाला और हमला कर दिया। चाकू गर्दन और गाल पर लगने से शाहरुख को चोट आई है। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखने के बाद पुलिस ने आरोपी मुजीब अली (43) निवासी सरकारी स्कूल के पास काजीकैंप और इसरार खान (30) आरिफ नगर रेलवे लाइन, बैरसिया रोड को गिरफ्तार कर लिया।

24 मई को एक घर में मृत मिला था टाइगर

बांधवगढ़ में नर बाघ की मौत, पोस्टमार्टम में कार्डियो-रेस्पिरेटरी फेल्योर से मौत की पुष्टि

शरीर पर डार्ट का निशान मिला, मौत के बाद डार्ट लगने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र पनपथा बफर के ग्राम-खेरवा टोला में 24 मई को एक घर में मृत मिले नर बाघ का पोस्टमार्टम 25 मई को कराया गया। तीन वन्यजीव चिकित्सकों और दो विशेष आमंत्रित विशेषज्ञों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। इस दौरान डायरेक्टर एसडब्ल्यूएफएच जबलपुर, क्षेत्र संचालक बांधवगढ़, एनटीसीए और एनटीसीईपी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि नर बाघ की स्वास्थ्य स्थिति खराब थी। मांसपेशियां पीली और सूखी थीं, पाचन तंत्र खाली था, त्वचा खुरदरी और बेजान थी। शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में कंजेस्टिव और हेमोरेजिक परिवर्तन मिले, जो कमजोर रक्त संचार के संकेत हैं। रिपोर्ट में उल्लेख है कि बाघ के दाहिने कंधे पर डार्ट लगने का निशान था, लेकिन वहां रक्तस्राव नहीं मिला। इससे स्पष्ट होता है कि डार्ट बाघ की मौत के बाद दिया गया था। पूरी पोस्टमार्टम प्रक्रिया की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई। आवश्यक सैंपल भी लिए गए।

फाइल फोटो

अधिकारियों की मौजूदगी में नर बाघ का दाह संस्कार

पैनल के अनुसार, नर बाघ की मौत कार्डियो-रेस्पिरेटरी फेल्योर से हुई। पोस्टमार्टम के दौरान एकत्र सैंपल को बीमारी, आंतरिक रोग, तनाव या विषाक्तता की संभावना जांचने के लिए मानक प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद 25 मई को ही जबलपुर में क्षेत्र संचालक बांधवगढ़, एनटीसीए प्रतिनिधि और वन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में नर बाघ का दाह संस्कार किया गया।

2028 के महाकुंभ में ट्रैफिक, भीड़ एवं आपदा प्रबंधन पर रहेगा फोकस

71 साल बाद सिंहस्थ कानून में बदलाव, नया ड्राफ्ट तैयार

जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन के पास भेजा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ की तैयारियों के बीच प्रदेश सरकार 71 साल पुराने सिंहस्थ मेला अधिनियम को बदलने जा रही है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नया ड्राफ्ट तैयार कर लिया है, जो जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास भेजा जाएगा। सीएम की मंजूरी के बाद इसे कैबिनेट में लाया जाएगा। वर्तमान में मध्य भारत सिंहस्थ मेला अधिनियम-1955 प्रभावशील है।

अधिकारियों का कहना है कि यह कानून उस दौर का है, जब श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में थी। अब सिंहस्थ का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है और भीड़ करोड़ों में पहुंच गई है। इससे प्रशासनिक दबाव, सुरक्षा, पार्किंग, अस्थायी आवास, पेयजल, चिकित्सा और सफाई प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ गई हैं।

जनसंख्या में बढ़ोतरी हुई वाहनों का दबाव भी बढ़ा

पुराने कानून में अस्थायी निर्माण, भूमि अधिग्रहण, यातायात नियंत्रण और बड़े पैमाने पर भीड़ प्रबंधन के लिए स्पष्ट शक्तियां तय नहीं हैं। 1955 में जनसंख्या कम थी, वाहनों का दबाव सीमित था और शहरी विस्तार आज जितना नहीं था। इसलिए नया अधिनियम अधिक विस्तृत और व्यावहारिक बनाया जा रहा है।

फाइल फोटो

नए एक्ट में यह होगा खास

प्रस्तावित एक्ट केवल प्रशासनिक संशोधन तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें ट्रैफिक मैनेजमेंट, भूमि उपयोग, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन और डिजिटल निगरानी जैसी व्यवस्थाओं पर विशेष फोकस रहेगा। भीड़ प्रबंधन को केंद्र में रखकर कानून बनाया गया है। स्नान तिथियों पर विशेष यातायात व्यवस्था, भीड़ का दिशा निर्धारण, डिजिटल निगरानी, आपदा प्रतिक्रिया तंत्र और आपातकालीन चिकित्सा सहायता को कानूनी आधार दिया जाएगा। वैज्ञानिक तरीके से स्नान क्षेत्रों में प्रवेश-निकासी नियंत्रित करने पर जोर रहेगा, ताकि भगदड़ की आशंका कम हो।

जिला प्रशासन को मिलेंगे अतिरिक्त अधिकार

नए प्रावधानों के तहत जिला मजिस्ट्रेट अधिसूचना जारी कर मेला क्षेत्र की नई सीमाएं तय कर सकेंगे। हर सिंहस्थ में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए आयोजन क्षेत्र का विस्तार जरूरी होता है। विशेष परिस्थितियों में त्वरित निर्णय के लिए प्रशासन को अतिरिक्त अधिकार भी दिए जा सकते हैं।

शिप्रा की स्वच्छता पर सख्ती

नए अधिनियम में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को खास महत्व दिया गया है। शिप्रा नदी की स्वच्छता के लिए सख्त प्रावधान होंगे, ताकि स्नान के दौरान प्रदूषण कम हो और नदी की पारिस्थितिकी सुरक्षित रहे। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी विशेष प्रावधान किए जा रहे हैं।

1955 के मुकाबले 2028 का महाकुंभ

तबः लाखों श्रद्धालु, सीमित वाहन, छोटा मेला क्षेत्र
अबः करोड़ों श्रद्धालु, भारी ट्रैफिक दबाव, कई गुना बड़ा

अभियान को जनभागीदारी से मिला नया आयाम

जल संरक्षण को बनाएं जन आंदोलन, यह जीवन का आधार: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का किया निरीक्षण

जल बचाकर भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है

प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण करते सीएम डॉ. यादव।

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की। डॉ. यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जल बचा कर भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा सहित जन प्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोहों का उल्लेख कर समझाई जल की महत्ता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत कबीर एवं संत रहीम के दोहों का उल्लेख करते हुए जल की महत्ता को सरल एवं प्रेरणादायी ढंग से समझाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में जल को जीवन, संवेदना और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। उन्होंने ग्रामीणों से वर्षा जल संरक्षण, तालाबों और कुंडों के संरक्षण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य शासन जल संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और जल गंगा संवर्धन अभियान से पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसहभागिता से ही जल संरक्षण के प्रयास सफल होंगे और आने वाले समय में प्रदेश जल समृद्धि की दिशा में नई पहचान बनाएगा।

डॉ. मोहन प्रदेश में एक नई कार्य संस्कृति स्थापित कर रहे

वर्तमान वैश्विक संकट में सभी संसाधनों का मितव्ययता से करें उपयोग: मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार फिर मितव्ययता और सादगी का संदेश दिया। उन्होंने 28 मई को इंदौर से उज्जैन की यात्रा के लिए अपना काफिला त्याग दिया और एक बस से यात्रा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मंत्री और सांसद सहित कई जनप्रतिनिधि भी थे। इस मौके पर उन्होंने जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर चलने का आग्रह किया। डॉ. मोहन यादव प्रदेश में एक नई कार्य संस्कृति स्थापित कर रहे हैं। वे प्रशासनिक खर्चों में संयम और संसाधनों के संतुलित उपयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बस में यात्रा करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

खर्चों में कमी की दिशा में एक सकारात्मक संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मितव्ययता का संदेश दिया गया है। आज मैं स्वयं भी एक लोकल वाहन से इंदौर से उज्जैन जा रहा हूं। मेरे साथ मंत्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, जिलाध्यक्ष सहित सभी वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भी यात्रा कर रहे हैं। हम सभी प्रयास कर रहे हैं कि वर्तमान वैश्विक संकट में हमारे सभी संसाधनों का मितव्ययता से उपयोग करें। यही आज के लिए जरूरी है। डॉ. यादव की यह पहल सादगीपूर्ण प्रशासन, ईंधन बचत और अनावश्यक खर्चों में कमी की दिशा में एक सकारात्मक संदेश है।

सिंगरौली में भी दिया था संदेश

कुछ दिनों पहले भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगरौली जिले के प्रवास के दौरान भी मितव्ययिता का संदेश दिया था। वे टूरिस्ट बस में बैठकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे। इस दौरान भी काफिला उनके साथ नहीं था। यहां उन्होंने संदेश दिया था कि किसी जनप्रतिनिधि की पहचान प्रोटोकॉल नहीं, बल्कि जनता का प्रेम और उसकी सेवा है।

सौ लाख लक्ष्य के विरुद्ध हुई 104 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीदी : मंत्री राजपूत

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में 100 लाख मीट्रिक टन निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 104 लाख 22 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन हुआ है। मध्यप्रदेश को गेहूं खरीदी के लिए 78 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन मुख्यमंत्री के प्रयासों से केन्द्र सरकार द्वारा इस लक्ष्य को 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया।

गोविंद सिंह राजपूत

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 13 लाख 41 हजार 266 किसानों से गेहूं का उपार्जन कर देश में नम्बर-1 है, वहीं गेहूं उपार्जन के मामले में पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर है। कोविड-19 की अवधि को छोड़कर विगत 10 वर्षों में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं का सर्वाधिक उपार्जन किया गया है।

देश में सर्वाधिक 13 लाख 41 हजार से अधिक किसानों से उपार्जन

किसानों को अब तक उपार्जित गेहूं का 23,708.13 करोड़ रूपए का भुगतान भी किया जा चुका है। उपार्जित गेहूं में से 96 लाख 52 हजार 957 मीट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। यह उपार्जित गेहूं का 93 प्रतिशत है। किसानों से 2585 रूपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रूपए प्रति क्विंटल बोनस सहित 2625 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया है। प्रदेश में हो रहे गेहूं उपार्जन की सतत मॉनीटरिंग की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिए उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूं के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली।

गेहूं उपार्जन के किए गए समुचित प्रबंध

प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल काटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल काटों में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिया गया। किसानों की सुविधा के लिए तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक किया गया। देयक जारी करने का समय भी रात 12 बजे तक कर दिया गया। गेहूं का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन तक किया गया। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी,और जन-सुविधाओं की व्यवस्थाएं की गई थी।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर किया संवाद

मंत्री काश्यप ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को किया हल

कार्यकर्ताओं से चर्चा करते मंत्री काश्यप।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र शासन के मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

मंत्री काश्यप ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी कठिनाइयों को समझा और उन्हें जल्द से जल्द समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।

केंद्र में आईजी रैंक के लिए 4 आईपीएस इंपैनल

भोपाल। मध्य प्रदेश कैडर के चार सीनियर आईपीएस अधिकारियों को केंद्र सरकार ने आईजी और समकक्ष पदों के लिए इम्पैनल कर लिया है। अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब इन्हें केंद्रीय सुरक्षा बलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। चयनित अधिकारियों में 2007 बैच के कुमार सौरभ और 2008 बैच के ललित शाक्यवार, ए. शियास और ए. जयदेवन शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रस्ताव पर देशभर के 68 आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग श्रेणियों में आईजी और समकक्ष पदों के लिए चुना गया है। ललित शाक्यवार, ए. शियास और ए. जयदेवन का चयन 'इनिशियल कैटेगरी' में हुआ है। वहीं कुमार सौरभ को 'फर्स्ट रिव्यू' श्रेणी में इम्पैनल किया गया है।

4-5 घंटे घिरे रहने के बावजूद नहीं खोया धैर्य

बाघ रेस्क्यू में ग्रामीणों के हमले के बीच डटी रहीं अंजू वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की पतौर रेंज ऑफिसर अंजू वर्मा को असाधारण साहस और नेतृत्व क्षमता दिखाने के लिए 25 हजार रुपए के इनाम से सम्मानित किया गया है। फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

- 25 हजार रुपए का इनाम मिला

बता दें कि पनपथा बफर परिक्षेत्र के ग्राम खेरवा टोला में 24 मई को एक बाघ घर में घुस गया था। इस घटना में महिला की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हुआ। सूचना मिलते ही रेंज ऑफिसर अंजू वर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। घायलों को अस्पताल भिजवाने के साथ ही उन्होंने बाघ के रेस्क्यू अभियान की कमान संभाली, लेकिन तब तक घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो चुके थे और माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया था।

रेंज ऑफिसर ने भीड़ को संभालकर स्थिति संभाली

आक्रोशित ग्रामीणों ने वनकर्मियों पर हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने रेंज ऑफिसर अंजू वर्मा को 4 से 5 घंटे तक घेरकर रखा। इस दौरान उनके साथ मारपीट भी हुई। इसके बावजूद अंजू वर्मा ने धैर्य नहीं खोया। उन्होंने लगातार ग्रामीणों से संवाद बनाए रखा और प्रशासन व ग्रामीणों के बीच समन्वय स्थापित किया। उनकी सूझबूझ से ही स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सका और कोई जनहानि नहीं हुई।

स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और जनोन्मुख बनाने के निर्देश

दूरस्थ क्षेत्रों में डॉक्टरों की भर्ती को सर्वोच्च प्राथमिकता दें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि अंडर सर्व्ड और दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि अंतिम पंक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें। उन्होंने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की योजनाओं, अधोसंरचना विकास और मानव संसाधन की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए।

बैठक में नर्सिंग कॉलेजों के निर्माण, अस्पतालों के संधारण, सागर स्थित कैंसर अस्पताल के लिए पद स्वीकृति, प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य संस्थाओं में मानव संसाधन की उपलब्धता पर चर्चा हुई।

अधिकारियों से चर्चा करते शुक्ल

तबादला प्रक्रिया हो पारदर्शी और संवेदनशील: शुक्ल

शुक्ल ने विभागीय तबादला प्रक्रिया को पारदर्शी, सहज और संवेदनशील बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों में डॉक्टरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही गंभीर बीमारी, पति-पत्नी की एक ही स्थान पर पदस्थापना, दिव्यांग आश्रित, विधवा और परित्यक्ता जैसे संवेदनशील प्रकरणों को तबादलों में प्राथमिकता दी जाए।

अंग प्रत्यारोपण और कैंसर इलाज पर फोकस

सीएम केयर्स के तहत अंग प्रत्यारोपण के प्रकरणों में अतिरिक्त खर्च की भरपाई पर भी चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जरूरतमंद मरीजों को समय पर सहायता के लिए जरूरी प्रावधान किए जाएं। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना में कैंसर उपचार पैकेज शामिल करने का प्रस्ताव जल्द तैयार करने को कहा, ताकि कैंसर रोगियों को आर्थिक मदद मिले और बेहतर इलाज तक पहुंच आसान हो।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- दलाल व कंपनियों के कारण मेहनती छात्रों के टूट रहे सपने

शिक्षा माफिया ने देश के युवाओं का किया भविष्य बर्बादः पटवारी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का बनी प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने देश में बढ़ते परीक्षा घोटालों और भर्ती भ्रष्टाचार पर केंद्र और राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह माफिया, दलालों और भ्रष्ट कंपनियों के हाथों में चली गई है। इसके कारण लाखों मेहनती छात्रों और उनके परिवारों के सपने टूट रहे हैं। पटवारी ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में हुई धांधली पूरे देश ने देखी है।

वर्ष दो हजार अठारह के बाद से लगातार प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा घोटालों ने साबित कर दिया है कि जिन संस्थाओं पर युवाओं के भविष्य की जिम्मेदारी थी, वही संस्थाएं आज भ्रष्टाचार का केंद्र बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी अब केवल परीक्षा कराने वाली संस्था नहीं रही, बल्कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का प्रतीक बन गई है।

परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों पर सवाल

जीतू पटवारी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परिणामों में गड़बड़ियों पर भी पटवारी ने सवाल उठाए। लाखों छात्र और उनके माता-पिता परिणाम की विसंगतियों से सदमे में हैं। कई छात्रों को कम अंक मिलने से महाविद्यालयों में प्रवेश की पात्रता प्रभावित हुई है। पटवारी ने आरोप लगाया कि बोर्ड की ऑनलाइन अंक प्रणाली का ठेका जिस कंपनी को दिया गया, वही कंपनी पहले दूसरे नाम से तेलंगाना में विवादों में थी। नाम बदला, पर काम करने का तरीका नहीं बदला। फिर भी अठारह लाख पचास हजार छात्रों के भविष्य की जिम्मेदारी ऐसी कंपनी को दे दी गई। उन्होंने केंद्र सरकार से चार सवाल पूछे। पहला, कंपनी को ठेका किसके कहने पर दिया गया। दूसरा, ठेका देने में कौन से नियम तोड़े गए। तीसरा, पुराने विवादों के बाद भी पृष्ठभूमि जांच क्यों नहीं हुई। चौथा, कंपनी प्रबंधन और भारतीय जनता पार्टी सरकार के बीच क्या संबंध हैं। पटवारी बोले कि जांच के बाद ठेका दिया तो सरकार दोषी है, और जांच नहीं की तो यह बड़ा अपराध है।

सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग

मध्यप्रदेश के नर्सिंग घोटाले को उन्होंने शिक्षा माफिया का उदाहरण बताया। बिना प्रयोगशाला, अस्पताल और शिक्षक के सैकड़ों फर्जी महाविद्यालयों को मान्यता दे दी गई। उच्च न्यायालय स्वयं केंद्रीय जांच ब्यूरो की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा चुका है। पटवारी ने व्यापम और कर्मचारी चयन मंडल भर्ती परीक्षा का भी जिक्र किया। वर्ष दो हजार तेईस में समूह-दो, उपसमूह-चार और पटवारी भर्ती के नौ हजार तिहत्तर पदों के लिए लगभग बारह लाख अस्सी हजार युवाओं ने आवेदन किया। परिणाम में शीर्ष दस में से सात अभ्यर्थी एक ही केंद्र से थे और उसी केंद्र से सौ से अधिक चयन हुए। प्रति सीट पंद्रह लाख रुपए तक रिश्वत के आरोप लगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री जवाब नहीं दे रहे। पटवारी ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, केंद्रीय बोर्ड, नर्सिंग और कर्मचारी चयन मंडल घोटालों की सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की।

वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

वन कर्मचारियों पर हमला करने वाले माफिया को करें गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर सीहोर वन मंडल में वनरक्षक और वन सुरक्षा श्रमिक के साथ मारपीट करने वाले वन माफिया को गिरफ्तार कर सख्त धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में अवगत कराया है कि सीहोर वन मंडल में वन माफिया लगातार वन कर्मचारी पर हमला कर सागौन की लकड़ी की कटाई करके तस्करी कर रहा है, लेकिन पुलिस प्रशासन वन माफिया के विरुद्ध सख्त कार्रवाई नहीं कर रहा है, जिससे वन माफिया के हौसले बुलंद हो गए हैं। वन कर्मचारी वनरक्षक एवं वन सुरक्षा श्रमिक के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपियों को यदि पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तार करके जेल नहीं भेजा तो वन कर्मचारी मंच सीहोर के कलेक्टर कार्यालय के समक्ष आंदोलन करके ज्ञापन सौंपेंगा।

पेज एक का शेष

श्रीराम की अयोध्या में ...

में परेशानी शामिल हैं। उनकी रुखसती से साहित्य जगत शोक में है। बशीर बद्र ने कई दशकों तक मुशायरों में हिस्सा लिया और अपनी अलग तरह की शायरी और लफ्जों की वजह से लोकप्रिय रहे। उनके निधन पर जाने-माने गीतकार और शायर जावेद अख्तर ने भी शोक जताया कि उर्दू आज और गरीब हो गई। नायाब शायर बशीर बद्र ने हमेशा के लिए रुखसत ले ली। उनकी शायरी हमारी यादों में हमेशा ताजा रहेगी। बशीर बद्र (पूरा नाम सैयद मोहम्मद बशीर) का जन्म 15 फरवरी 1935 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ था। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की थी और वहीं से पीएचडी पूरी की। बाद में वे इसी विश्वविद्यालय में उर्दू के प्रोफेसर भी रहे। बशीर बद्र अपनी सरल, रूमानी और असरदार गजलों के लिए खास पहचान रखते हैं। उन्होंने गजल लेखन में आम बोलचाल और देसी शब्दों को खूबसूरती से शामिल कर उसे नई पहचान दी। उर्दू साहित्य और गजल लेखन में बेहतरीन योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 1999 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया था।

भोपाल में डॉ. राहत से हुआ था निकाह: भोपाल में बशीर बद्र की मुलाकात डॉक्टर राहत से हुई, जो बाद में उनकी जीवनसंगिनी बनीं। राहत ने मुश्किल दौर से गुजर रहे बशीर बद्र को संभाला और उन्हें फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटने का हौसला दिया। धीरे-धीरे उनकी जिंदगी ने नई रफ्तार पकड़ी। बशीर बद्र अक्सर मुस्कुराते हुए कहा करते थे- खुदा ने मुझे गजलों का एक खूबसूरत शहर बख्शा है, और मैं इस पूरी सल्तनत को मोहब्बत के नाम करता हूं। भोपाल में उन्होंने नया आशियाना बसाया और एक बार फिर अपनी कलम के जरिए एहसासों को शब्द देना शुरू किया।

रचनाओं से मानवता ...

माध्यम से जीवन को संवेदनशीलता, अपनत्व और मानवता के साथ जीने का संदेश दिया। अपनी शायरी से जिंदगी को बेहद आसान बनाने के सूत्र दिए। ईश्वर दिवंगत को शांति और परिजनों व प्रशंसकों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

'दुश्मनी जमकर करो ...

अली भुट्टो को बशीर बद्र का एक मशहूर शेर सुनाया था। यह शेर दोनों देशों के रिश्तों और संवाद की भावना को बेहद खूबसूरती से बयान करता है कि 'दुश्मनी जमकर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों।'

उर्दू अदब के एक ...

और मोहब्बत करने वाले इंसान थे। उनकी बातचीत, उनका अंदाज़ और उनकी शायरी, सबमें अपनाइयत थी। बशीर बद्र साहब ने उर्दू ग़ज़ल को क्लिष्ट शब्दों और कठिन अभिव्यक्तियों से निकालकर आम आदमी की ज़िंदगी और अहसास से जोड़ा। उन्होंने रोज़मर्रा की भाषा में ऐसी गहरी बातें कहीं जो सीधे दिल में उतर जाती हैं। यही उनकी सबसे बड़ी पहचान और कामयाबी रही। आज उनका यूं चले जाना अत्यंत दुखद है किंतु उनकी शायरी, उनकी आवाज़ और उनकी स्मृतियां हमेशा हमारे साथ रहेंगी।

जिम्मेदारी ली, कहा ...

राहुल गांधी के उन आरोपों पर भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऑन स्क्रीन मार्किंग का ठेका उस कंपनी को जानबूझकर दिया गया, जिसने तेलंगाना में हुई परीक्षा में गड़बड़ी की थी। भारत सरकार के नियमों के तहत कंपनी को ये टेंडर दिया गया। अगर कोई गड़बड़ी हुई होगी तो हम किसी को माफ नहीं करेंगे। सभी 98 लाख कॉपियां बोर्ड के पास पूरी तरह सुरक्षित हैं। अब बड़े पैमाने पर री-इवैल्युएशन (पुनर्मूल्यांकन) की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

राष्ट्रीय स्तर की ...

आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में जरूरत पड़ने पर सशस्त्र सेनाओं से लॉजिस्टिक सहयोग लेने के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी इस मामले पर लगातार कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। जिसमें संबंधित अधिकारी हर छोटी-बड़ी अपडेट उन तक पहुंचा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि राजनाथ सिंह के आवास पर हुई बैठक कुल करीब 40 मिनट तक चली। जिसमें रक्षा मंत्री के अलावा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में उच्च-शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी और प्रधानमंत्री कार्यालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सिद्धारमैया ने दिया ...

मंत्रिमंडल के सहयोगियों को पद छोड़ने के अपने फैसले से अवगत कराया था। कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों के अनुसार डीके शिवकुमार उनके उत्तराधिकारी होंगे। सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु स्थित मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित नाश्ते की बैठक में एक-दूसरे को गले लगाया। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पैर भी छुए। इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमैया ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैंने हाईकमान से कहा था कि गुरुवार को इस्तीफा दूंगा। इस्तीफे के बाद अगला नेता चुनना संवैधानिक प्रक्रिया है और राज्यपाल का कर्तव्य है कि नए नेता को मौका दें। उन्होंने भरोसा जताया कि कांग्रेस के पास 135 प्लस विधायकों और 2 निर्दलियों का समर्थन है, इसलिए सरकार पूरी तरह स्थिर है। सिद्धारमैया ने कहा कि हाईकमान ने उन्हें राज्यसभा जाने को कहा था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने साफ किया कि उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में दिलचस्पी नहीं है और वे कर्नाटक में एमएलए के रूप में सक्रिय रहेंगे।

दिल्ली, हरियाणा ...

मंत्री हर्ष मल्होत्रा को सौंपी गई है, जो अपनी मजबूत संगठन क्षमता के लिए जाने जाते हैं। वहीं, हरियाणा में महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिनसे राज्य में संगठन विस्तार की उम्मीद है। आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने पंजाब में भी बड़ा दांव खेला है। बरनाला से दो बार विधायक रहे और मशहूर उद्योगपति सरदार केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का अध्यक्ष बनाया गया है। ढिल्लों कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी माने जाते हैं और पंजाब में अपनी विकासवादी राजनीति के लिए लोकप्रिय हैं। इसके अलावा, पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में संगठन को मजबूत करने और जनाधार बढ़ाने के लिए अभिषेक देबरॉय को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह फैसला आगामी चुनावों के मद्देनजर भाजपा की रणनीति को धार देने के लिए लिया गया है।

जली लाश को माना ...

बीते 24 अप्रैल को अचानक लापता हो गई थी। इसी दौरान पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के जलगांव जामोद इलाके में एक अज्ञात युवती की सिर कटी और जली हुई लाश बरामद हुई। महाराष्ट्र पुलिस ने हुलिए के आधार पर उस शव को शिवानी मान लिया और उसके पिता बापूराव व भाई अजय को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब शिवानी को अपने पिता और भाई की गिरफ्तारी की भनक लगी। वह तुरंत अपने साथी अर्जुन के साथ थाने पहुंची और खुद के जिंदा होने का सबूत दिया। पुलिस ने थंब इंप्रेशन और सरकारी पहचान पत्रों के जरिए शिवानी की शिनाख्त की पुष्टि की है। अब दोनों बेगुनाहों की रिहाई की कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है, वहीं पुलिस के सामने अब यह बड़ा सवाल है कि वह जली हुई लाश आखिर किसकी थी।

मुस्लिम समाज ...

सद्भाव की एक अनोखी मिसाल देखने को मिली, जहां मुस्लिम समुदाय ने गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग उठाई। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की ईदगाह में नमाज से पहले शहर काजी डॉ. इशरत अली ने कहा कि हिंदू समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए गाय को राष्ट्रीय धरोहर या राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाना चाहिए, ताकि गोवंश के वध पर पूरी तरह प्रतिबंध लग सके। इस प्रस्ताव का वहां मौजूद हजारों नमाजियों ने हाथ उठाकर पुरजोर समर्थन किया। खंडवा के शहर काजी सैयद निसार अली ने बताया कि क्षेत्र में वर्षों से गोवंश की कुर्बानी नहीं दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ...

गुरुवार को एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने काफिले में वाहनों की संख्या सीमित रखते हुए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एक ही बस में सवार होकर इंदौर से उज्जैन तक की यात्रा की। इस दौरान सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्था के लिए केवल तीन अन्य वाहन ही साथ रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह पहल सादगीपूर्ण प्रशासन, ईंधन बचत और अनावश्यक खर्चों में कमी की दिशा में एक सकारात्मक संदेश है। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से जल गंगा संवर्धन अभियान सहित विभिन्न विकास कार्यों एवं जनहित योजनाओं पर चर्चा भी की।

लेकिन... दमोह, सागर ...

तीसरी बार 44 डिग्री के करीब रहा है। इससे शहर में भीषण गर्मी रही। प्रदेश में तीव्र लू और भीषण गर्मी के बीच दोपहर बाद दमोह, सागर सहित आसपास के कुछ जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। दमोह में ओले गिरे, जबकि सागर सहित कई जिलों में बादल और बौछारों का दौर रहने से भीषण गर्मी से कुछ राहत रही। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय सक्रिय हुआ है। कुछ हिस्सों में बारिश शुरू हुई है। कल से कुछ और जिलों में मौसम बदलेगा। प्रीमानसून दो दिन दिन और रफ्तार पकड़ेगा।

आज यहां लू और ...

नीमच, अशोकनगर, शिवपुरी, नरसिंहपुर में कहीं-कहीं आंधी बारिश होगी। भोपाल में बादलों के आने जाने के बीच हवाएं तेज रहेंगी।

सीबीआई ने लंबी ...

जमानत रद्द कर दी थी। हाईकोर्ट ने देर रात 17 पन्नों का आदेश जारी किया। इसमें कहा- मामले की गंभीरता, सबूत और जांच की स्थिति को देखते हुए आरोपी पक्ष को राहत देना उचित नहीं था। गुरुवार सुबह नई दिल्ली से सीबीआई की आधा दर्जन महिला पुलिसकर्मियों-अधिकारियों के भोपाल पहुंचने के बाद गिरफ्तारी की पटकथा लिखी गई। तकरीबन शाम 6 बजे सीबीआई की टीम गिरिबाला सीधे जांच एजेंसी मैनिट स्थित अपने अस्थायी कैंप में ले गई। फिर एम्स में मेडिकल कराया गया। इसके बाद सीबीआई के दफ्तार ले जाया गया। शुक्रवार को संभवतः सीबीआई उन्हें कोर्ट में पेश कर सकती है। ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा ने कहा कि यह कर्म है। जहां जैसा कर्म करोगे, वैसा लौट कर आता है।

फूंक-फूंक कर कदम ...

बाद गिरफ्तारी की है। सीबीआई की रिमांड पर चल रहे गिरिबाला के बेटे समर्थ सिंह 29 मई को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जैकी ने बीवी नंबर 1 के 27 साल पूरे होने का मनाया जश्न

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडी फिल्म 'बीवी नंबर 1' को रिलीज हुए 27 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्ममेकर जैकी भगनानी ने फिल्म की यादें ताजा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सलमान खान, करिश्मा कपूर, सुष्मिता सेन, अनिल कपूर और तब्बू जैसे कलाकारों की तारीफ की। साथ ही अपने पिता वाशु भगनानी और डायरेक्टर डेविड धवन के साथ बिताए पुराने दिनों को याद किया। जैकी ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे वे फिल्म के सेट पर घूमा करते थे। उन्होंने देखा कि उनके पिता वाशु भगनानी और निर्देशक डेविड धवन मिलकर रूमी जाफरी की लिखी कहानी पर कितना शानदार काम करते थे और सेट पर एक अलग ही जादू बिखेर देते थे। जैकी ने लिखा सलमान खान की एनर्जी कमाल की थी। करिश्मा कपूर ने बहुत ही बेहतरीन एक्टिंग की थी। सुष्मिता सेन का अंदाज बेहद शालीन था। अनिल कपूर की कॉमेडी टाइमिंग लाजवाब थी। तब्बू का काम भी बहुत ग्रेसफुल था। उन्होंने आगे लिखा कि यह फिल्म किसी खजाने से कम नहीं है। जैकी ने सभी फैंस को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतने साल से इस फिल्म को लगातार प्यार देने के लिए आपका शुक्रिया। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म 'बीवी नंबर 1' के 27 साल पूरे होने का जश्न मनाया। 'बीवी नंबर 1' पूजा नाम की एक साधारण घरेलू महिला की कहानी है। वह अपने पति प्रेम और दो बच्चों के साथ खुशी-खुशी रहती है। लेकिन ट्विस्ट तब आता है जब उसका पति उसे छोड़कर रूपाली नाम की एक खूबसूरत मॉडल के पास चला जाता है। इसके बाद, अपने पति को वापस पाने और उसका ध्यान खींचने के लिए पूजा अपना पूरा लुक बदल लेती है।

यह जश्न ऐसे समय पर हो रहा है जब जैकी भगनानी के पिता वाशु भगनानी और उनकी कंपनी एक बड़े कानूनी विवाद में घिर गई है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म.प्र.)

दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email - eephedbet@mp.nic.in

// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक 1234 / लेखा/का.यं./ लोस्वायांवि. खंड / बैतूल / दिनांक 25.05.2026

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://mptenders.gov.in बैतूल जिले के विकासखंड घोडाडोंगरी के विभिन्न ग्रामों / बसाहटों में 200 मि.मी. व्यास 300 मीटर गहरे नलकूप खनन कार्य हेतु निविदा, प्रतिशत दर पर दिनांक 01.09.2023 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैः-

स. क्रं	निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक	ऑनलाईन ई-टेण्डर आई.डी.	विकासखंड का नाम	नलकूप की संख्या	निविदा की अनुमानित लागत (रू लाख में)	धरोहर राशि (रू में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू में)	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	24/2026-27 Dt. 25.05.2026	2026_PHED_509609_1	घोड़ाडोंगरी	20	55.04	55040	10000	03 माह वर्षाकाल छोड़कर	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली

ऑनलाईन निविदा विक्रय की प्रारम्भिक तिथि व समय	25.05.2026	11.00	बजे से
ऑनलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि व समय	08.06.2026	17.30	बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की संभावित तिथि व समय	10.06.2026	11.00	बजे से

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। आवश्यक होने पर निविदा से संबंधित समस्त शुद्धिपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर जारी किये जायेगें।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
बैतूल (म.प्र.)

G-13583/26 " स्वच्छता ही सेवा "

कार्यालय नगर पालिका परिषद सरायपाली, जिला- महासमुन्द (छ.ग.)

Email ID- cmonppsaraipali@gmail.com

क्रं./207/न.पा.प./लो.नि.वि./2026-27 // ई-निविदा संशोधन सूचना // सरायपाली, दिनांक 27.05.2026

नगर पालिका परिषद सरायपाली क्षेत्रांतर्गत जल प्रदाय योजना के तहत (अमृत 2.0) हेतु तृतीय ई-निविदा सूचना क्र. 174 दिनांक 20.05.2026 (सिस्टम टेंडर क्र. 191337) लागत राशि 10978.85 लाख रू. को जारी की गई थी। जिसका ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के अंतिम तिथि 05.06.2026 समय 17:30 बजे तक निर्धारित गई थी चूंकि उक्त ई-निविदा प्रक्रिया में तकनीकी समस्या आने के कारण उक्त ई-निविदा क्र. 174 को संशोधन किया जाता है, संशोधन अनुसार टेंडर सिस्टम क्र. 191337 के स्थान पर टेंडर सिस्टम क्र 191806 तथा ऑनलाईन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 08.06.2026 एवं भौतिक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 11.06.2026 एवं निविदा खोले जाने की अंतिम तिथि 12.06.2026 समझा जावे शेष नियम व शर्तें पूर्व की भांति यथावत रहेगी। विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं https://uad.cg.gov.in/ में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सरायपाली

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644 9977912473

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईटः- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

न्यायालय नायब तहसीलदार बैरागढ़ चीचली वृत्त तहसील कोलार भोपाल म.प्र.

प्रकारण क्र.RS/444/0360/9215/2026

इश्तहार

आवेदक अमित सिंह पवार आ./पत्नि स्व. करन सिंह पवार निवासी एच.आई.जी.282 बाग मुगालिया द्वारा ग्राम दामखेडा स्थित खसरा नंबर/प्लाट नंबर 109/1, 105/1, 156 का अंश भाग क्षेत्रफल-470 वर्गफिट अर्थात 43.68 वर्गमिटर पर विक्रयपत्र / फौती / वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है । अतएव आवेदक के उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो इस इश्तहार के जारी होने के दिनांक 05/06/2026 के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात् आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील कोलार भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-1, गोमांतिका परिसर जवाहर चौक, भोपाल

// आम सूचना //

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित शेड क्रमांक- 1049/ए मण्डल द्वारा श्रीमती प्रमिला जैन पत्नी श्री महेश चन्द्र जैन के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 23/06/1993 को पंजीकृत है। श्रीमती प्रमिला जैन पत्नी श्री महेश चन्द्र जैन द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती निखत शमीम आत्मज श्री शमीम हैदर जैदी को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 04/05/2009 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्रीमती निखत शमीम आत्मज श्री शमीम हैदर जैदी के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-1, भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-1, गोमांतिका परिसर जवाहर चौक, भोपाल

// आम सूचना //

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नेहरू नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित शेड क्रमांक एस/931 मण्डल द्वारा (1) श्री सौरभ कुमार जैन आत्मज श्री संतोष कुमार जैन (2) श्री संतोष कुमार जैन आत्मज श्री नन्हेलाल जैन के नामो से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 06/11/2012 को पंजीकृत किया गया है। इनमें से श्री संतोष कुमार जैन का स्वर्गवास दिनांक 09/03/2026 को हो गया है। आवेदक श्री सौरभ कुमार जैन आत्मज स्व. श्री संतोष कुमार जैन द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, अन्य वारिसों के अनापत्ति शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति में से स्व. श्री संतोष कुमार जैन का नाम विलोपित कर अपने एकल नाम (श्री सौरभ कुमार जैन) से नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति में से नाम विलोपित कर नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-1, भोपाल

शब्द पहेली - 6240

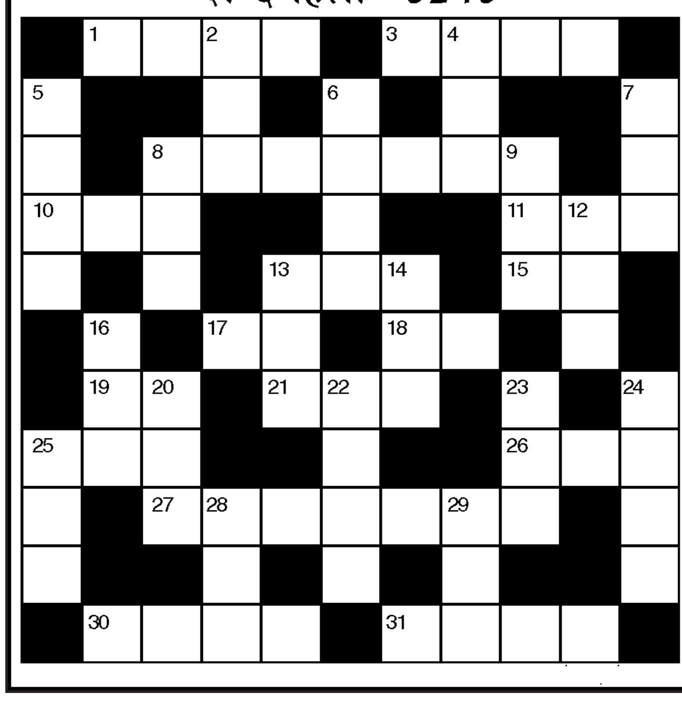

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6239 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

सूडोकु नवताल - 6250
★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6249 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

राशिफल

मेष: कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष: कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क: अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह: कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बिन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या: कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला: दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक: आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु: कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर: वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन: शैक्षिक कार्यों के लिए वदिश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

खबर संक्षेप

होंडा ने 10 मिलियन बिक्री का आंकड़ा पार किया

गुरुग्राम। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने घोषणा की कि उसने उत्तर भारत में कुल 10 मिलियन टू-व्हीलर की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे देश के सबसे बड़े और सबसे अलग-अलग तरह के मोबिलिटी मार्केट में से एक में उसकी मजबूत मौजूदगी और मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2026 में एचएमएसआई की कुल बिक्री में उत्तर भारत का हिस्सा लगभग 15 फीसदी है, जो कंपनी के लिए एक अहम मार्केट के तौर पर इसकी अहमियत को दिखाता है।

अमेजन ने दो स्मार्ट स्पीकर लांच किए

बेंगलुरु। भारत में अमेजन ने अपने इको डॉट मैक्स और इको स्टूडियो स्मार्ट स्पीकर लांच करने की घोषणा की, जिनमें एलेक्सा की सुविधा है और जो प्रीमियम ऑडियो अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इको डॉट मैक्स , इको डॉट (5वीं पीढ़ी) की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक बास प्रदान करता है, और इको स्टूडियो डॉल्बी एटमॉस के साथ स्थानिक ऑडियो प्रदान करता है। दोनों डिवाइस अमेजन के एजेड3 कस्टम सिलिकॉन चिप्स द्वारा संचालित हैं, जो तेज प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं, और इनमें ओमनीसेंस तकनीक है।

सुप्रिया के राजस्व में 50 फीसदी की बढ़ोतरी

मुंबई। सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने शानदार वित्तीय प्रदर्शन करते हुए राजस्व और मुनाफे में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी का कारोबार दुनिया के 120 से अधिक देशों में फैला हुआ है। चौथी तिमाही में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 50.2 फीसदी बढ़कर 276.53 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 184.11 करोड़ रुपए था।

हिमालया ने लांच किया 'गोल्डन बेबी गिफ्ट पैक'

इंदौर। हिमालया बेबीकेयर ने नवजात शिशुओं के स्वागत को और खास बनाने के उद्देश्य से 'हिमालया बेबी गोल्डन बेबी गिफ्ट पैक' लांच किया है। यह विशेष रूप से तैयार किया गया एसेंशियल्स पैक बेबी केयर गिफ्टिंग को अधिक सार्थक, सुलभ और आकर्षक बनाने के लिए पेश किया गया है। 501 रुपए की कीमत वाला यह गिफ्ट पैक एक प्रीमियम लेकिन किफायती रूप में तैयार किया गया है। कंपनी के निदेशक ने कहा कि शुरुआती पैरेंटिंग का सफर बेहद खास है आशीर्वाद और विश्वास का प्रतीक होता है।

फ्लिपकार्ट ने 'बैक टू कैंपस' सेल पेश की

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट की फ्लैगशिप 'बैक टू कैंपस' सेल का 2026 एडिशन की पेशकश की है। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई, क्रिएटिविटी, सहयोग और रोजमर्रा की प्रोडक्टिविटी के लिए डिजिटल फर्स्ट और एआई इनेबल्ड लर्निंग टूल ज्यादा अपना रहे हैं। इसलिए फ्लिपकार्ट उन्हें ज्यादा किफायती मूल्य में और आसानी से टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराके इस एकेडेमिक सीजन में उनकी जरूरतों को पूरा करना चाहता है। इस सेल में एआई लैपटॉप, टेबलेट, स्मार्टवॉच और ऑडियो डिवाइस जैसे अनेक उपाद उपलब्ध हैं।

एजियस ने की डिजिटल वितरण साझेदारी

नई दिल्ली। एजियस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन बीमा प्लेटफॉर्म्स में से एक पॉलिसीबाजार के साथ एक महत्वपूर्ण डिजिटल वितरण साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य एजियस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन को मजबूत करना है। इस साझेदारी के तहत सबसे पहले एजियस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस का मुख्य सेविंग्स प्रोडक्ट, 'मैजिक सेविंग्स' पेश किया जा रहा है, जिसके बाद टर्म और यूलिप प्लांस का भी विस्तार किया जाएगा।

दो वर्षों से कोई विभागीय कार्य नहीं, फिर भी ले रहे नियमित वेतन

खाद्य एवं औषधि सुरक्षा विभाग के दो अधिकारियों पर लगे आरोप, कार्रवाई करने विभाग के वरिष्ठों से की गई शिकायत

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

खाद्य सुरक्षा विभाग और खाद्य एवं औषधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे गए एक शिकायत पत्र में सागर जिले में पदस्थ दो अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि संबंधित अधिकारी पिछले दो वर्षों से विभागीय कार्य नहीं कर रहे हैं, इसके बावजूद शासन से नियमित वेतन ले रहे हैं।

शिकायत के अनुसार अरविंद पथरोल और सुषमा पथरोल पर आरोप है कि उन्होंने लंबे समय से कोई सक्रिय विभागीय जिम्मेदारी नहीं निभाई, फिर भी उन्हें लगातार वेतन का भुगतान किया जा रहा है। मामले को लेकर विभागीय कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। शिकायतकर्ताओं अनिल कुमार शर्मा ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो शासन को हुए आर्थिक नुकसान की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे गए पत्र

शिकायतें पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं

पत्र में दावा किया गया है कि इस संबंध में पूर्व में भी शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता के अनुसार दोनों अधिकारियों पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र, फर्जी अवकाश वेतन, फर्जी सीआर और विभागीय जांच से जुड़े गंभीर आरोप हैं, जिनमें से कई बिंदु शिकायतों के आधार पर सिद्ध होने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ता ने विभागीय अधिकारियों से 15 दिनों के भीतर मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं हुई तो लोकायुक्त और उच्च न्यायालय की शरण ली जाएगी।

पदस्थ सागर में और रह रहे भोपाल में

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि दोनों अधिकारी सागर जिले में पदस्थ होने के बावजूद भोपाल में रह रहे हैं और पिछले दो वर्षों में सागर जिले में किसी प्रकार का प्रशासनिक निरीक्षण, नमूना कार्य या विभागीय कार्यवाही नहीं की गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि अगस्त 2022 से फरवरी 2023 तक बिना विभागाध्यक्ष और सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति के सात माह का वेतन आहरित किया गया।

इन वरिष्ठ अधिकारियों को कराया अवगत

शिकायतकर्ता ने खाद्य सुरक्षा विभाग के आयुक्त अशोक वर्णवाल, खाद्य एवं औषधि विभाग के नियंत्रक दिनेश श्रीवास्तव, संयुक्त नियंत्रक टीना यादव तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के राज्यमंत्री के विशेष सहायक अमित मालाकार को सागर में पदस्थ दोनों अधिकारियों के अनियमितताओं और कारनामों से पत्र भेजकर अवगत कराया और सख्त कार्रवाई की मांग की ।

इन दोनों अधिकारियों पर यह है आरोप

अरविंद पथरोल और सुषमा पथरोल दोनों पिछले दो वर्षो से सागर जिले में पदस्थ , लेकिन भोपाल में रह रहे हैं। पिछले 2 वर्षो में कोई विभागीय कार्य नही किया और हर माह 3 लाख रुपए तक की सैलरी ले रहे है। सागर कलेक्टर ने इनके विरुद्ध कार्यवाही के लिए लिखा चुके हैं। ट्रांसफर के बाद भी बिना और विभागध्यक्ष तथा जीएडी की अनुमति के बैगर अगस्त 2022 से फरवरी 2023 तक का कुल 7 माह का वेतन भी आहरित किया। जिसकी शिकायत भी हुई, परंतु कोई कार्यवाही नही की गई। विगत 2 वर्ष में सागर जिले का कोई प्रशासनिक और विभागीय निरिक्षण, नमूना कार्य नही किया गया है,जिसकी जानकारी विभाग को है।

वरिष्ठों से 16 बिंदुओं पर जांच की मांग

शिकायतकर्ता ने कहा कि वरिष्ठों को पत्र के मार्फत बताया कि विभाग के ही अधिकारियों द्वारा इनको संरक्षण देकर बचाया जा रहा है, कई शिकायती आवेदन विगत 2 वर्ष से दिए गए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने इन दोनों पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी करने का आरोप लगाते हुए मांग की है कि फर्जी अवकाश वेतन, फर्जी एवं घ श्रेणी की सीआर सहित 16 गंभीर बिंदुओं पर विभागीय जांच की जाए।

जिनके अंडर में उनकी कार्रवाई की जानकारी मांगी है

जिसके अंडर में वे कार्यरत हैं उनसे जानकारी मांगी है कि शिकायत के बाद इन दोनों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई है, साथ ही निर्देशित किया गया कि अगर काम नहीं कर रहे हैं तो इन दोनों के खिलाफ कार्रवाई करें।

टीना यादव ,ज्वॉइंट कंट्रोलर, खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन

ट्रांसपोर्टरों की घोषणाः एक जून से पार्सल भाड़े में 20 फीसदी की वृद्धि

महंगाई की पड़ेगी मारः पार्सल भाड़े में 20 फीसदी की वृद्धि ,दवाई, किराना और कृषि सामग्री होगी महंगी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

बढ़ती परिचालन लागत, डीजल कीमतों में वृद्धि और अन्य खर्चों का हवाला देते हुए ट्रांसपोर्टर्स ने 1 जून से पार्सल भाड़े में 20 फीसदी तक वृद्धि करने की घोषणा की है। इस फैसले का असर व्यापारियों, छोटे उद्योगों और रोजाना पार्सल सेवा का उपयोग करने वाले कारोबारियों पर पड़ेगा। ट्रांसपोर्ट संगठनों के प्रतिनिधियों का कहना है कि पिछले लंबे समय से भाड़ा दरों में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं की गई थी, जबकि डीजल, टोल टैक्स, वाहन रखरखाव, कर्मचारियों के वेतन और अन्य संचालन खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में मौजूदा दरों पर काम करना मुश्किल हो गया था। ट्रांसपोर्टर्स के अनुसार नई दरें एक जून 2026 से लागू होंगी और पार्सल सेवाओं के लगभग सभी वर्गों में 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जाएगी। इससे विभिन्न राज्यों में माल भेजने वाले व्यापारियों की लागत बढ़ सकती है, जिसका असर बाजार कीमतों पर भी देखने को मिल सकता है। व्यापारिक संगठनों ने इस निर्णय पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि पहले से ही बढ़ती महंगाई और जीएसटी अनुपालन के दबाव के बीच भाड़ा बढ़ने से व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

माल भेजने वाले व्यापारियों की लागत पर बढ़ेगा बोझ

फाइल फोटो

खर्च में वृद्धि के कारण परिवहन पर दबाव बढ़ा

खासकर छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए यह वृद्धि परेशानी बढ़ा सकती है। ट्रांसपोर्टर उमेश तिवारी का कहना है कि डीजल कीमतों के अलावा लेबर लागत, टायर-स्पेयर पार्ट्स, टोल टैक्स, बीमा और वाहन रखरखाव खर्च में वृद्धि के कारण परिवहन पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में पुरानी दरों पर सेवाएं जारी रखना व्यवहारिक नहीं रह गया था। नई दरें सभी कंपनियों, डिपो, सीएंड एफ एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर और व्यापारिक संस्थानों पर लागू होंगी।

फ्लिपकार्ट मिनट्स ने लांच किए माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर

भोपाल। फ्लिपकार्ट ने भोपाल में अपनी क्विक कॉमर्स सर्विस फ्लिपकार्ट मिनट्स के विस्तार की घोषणा की है। इस कदम के साथ फ्लिपकार्ट ने कुछ ही मिनट में रोजाना की जरूरत वाली वस्तुओं की डिलीवरी करते हुए उपभोक्ताओं को सहूलियत की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर अभी अवधपुरी, जेके रोड, रघुनाथ नगर और रामेश्वरम में संचालित हो रहे हैं। इनके माध्यम से ग्रॉसरी, फल एवं सब्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू जरूरत के उत्पाद और कई अन्य फ्रिक्वेंटली ऑर्डर्ड कैटेगरी के उत्पादों की आपूर्ति हो सकेगी। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट कुणाल गुप्ता ने कहा कि उत्पादों की तेज डिलीवरी की बढ़ती मांग के कारण भोपाल में तेजी से डिजिटल-फर्स्ट कंजम्पशन बढ़ रहा है।

रिलायंस ने की 1 लाख से ज्यादा नई भर्तियां ग्रीन एनर्जी से 2 लाख रोजगार की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रिलायंस ग्रुप ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1 लाख से ज्यादा नई भर्तियां कीं। कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च 2026 तक रिलायंस के कुल कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 4,19,911 हो गई। इस दौरान कंपनी ने एआई, डेटा साइंस, ऑटोमेशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे क्षेत्रों में नई प्रतिभाओं को जोड़ने पर खास ध्यान दिया।

रिलायंस के मुताबिक यह भर्ती कंपनी के उस बदलाव को दिखाती है, जिसके तहत वह खुद को एआई-फर्स्ट और डीप-टेक कंपनी के रूप में आगे बढ़ा रही है। जामनगर में बन रहा धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स अर्थव्यवस्था में 2 लाख से ज्यादा ग्रीन जॉब्स पैदा करने की क्षमता रखता है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 में रिलायंस ने कर्मचारियों पर 30,318 करोड़ रुपए खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष के 28,559 करोड़ रुपए से 6.2 प्रतिशत अधिक है। जियो ने 11 भाषाओं में काम करने वाला एआई-आधारित भर्ती प्लेटफॉर्म भी इस्तेमाल किया, जिसका उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया को अधिक निष्पक्ष बनाना है। कंपनी के ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी कार्यक्रम को वित्त वर्ष 2026 में 53,900 रजिस्ट्रेशन मिले, जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों के उम्मीदवारों तक पहुंच बढ़ी।

अब पेट्रोल पंपों पर ई20 से ई30 तक कई वैराइटी मिलेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश भर के पेट्रोल पंपों पर जल्द ही इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल के कई ऑप्शन मिलने शुरू हो सकते हैं। इससे वीइकल ओनर्स को अपनी गाड़ी के इंजन के लिए सही फ्यूल चुनने का ऑप्शन मिल जाएगा। अप्रैल 2026 से ई20 इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल का रोलआउट शुरू हो चुका है।

सरकार अब इसे ई22, ई25, ई27, ई30 और ई85 होते हुए ई100 तक ले जाने का सोच रही है। ऐसे में बहुत से ग्राहकों को यह लग रहा है कि ई20 की तरह ही आगे चल कर बिना किसी ऑप्शन ज्यादा इथेनॉल ब्लेंडिंग वाला पेट्रोल ही पेट्रोल पंप पर मिलेगा। अगर आप भी ऐसा सोच रहे हैं, तो आपके लिए बड़ी खुशखबरी है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, देश भर के पेट्रोल पंपों पर जल्द ही इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल के कई ऑप्शन मिलने शुरू हो सकते हैं। इससे वीइकल ओनर्स को अपनी गाड़ी के इंजन के लिए सही फ्यूल चुनने का ऑप्शन मिल जाएगा।

नोटिफिकेशन के बाद उठाया कदम

सरकार ने सरकारी ऑइल मार्केटिंग कंपनियों जैसे इंडियन ऑयल कॉर्प, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के साथ प्राइवेट फ्यूल रिटेलर्स जियो-बीपी मोबिलिटी, नायरा एनर्जी और शेल को ई20, ई22, ई25 और ई30 फ्यूल की सप्लाई के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का निर्देश दिया है। यह कदम 15 मई को एक सरकारी नोटिफिकेशन के बाद उठाया गया है, जिसके तहत ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स ने स्टैंडर्ड आईएस 19850:2026 तैयार किया है, जिसमें ई22, ई25, ई27 और ई30 पेट्रोल के लिए फॉर्मल फ्यूल स्पेसिफिकेशन शामिल हैं।

भारत में अब हर साल हो रहा 20 करोड़ टन दूध उत्पादन

उत्पादकता बढ़ाए बिना नहीं पूरी होगी भारत की डेयरी मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक और उपभोक्ता देश बन चुका है। कभी दूध की कमी से जूझने वाला देश अब हर साल 20 करोड़ टन से अधिक दूध उत्पादन कर रहा है।

लेकिन तेजी से बढ़ती खपत और बदलती उपभोक्ता आदतों के बीच डेयरी सेक्टर के सामने अब नई चुनौती खड़ी हो रही है आने वाले वर्षों में बढ़ती मांग को कैसे पूरा किया जाए। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर कैप्टन (डॉ.) एवाई राजेंद्र ने कहा कि भारत को डेयरी क्षेत्र की अगली विकास लहर के लिए पशुओं की संख्या नहीं, बल्कि उनकी उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा।आजादी के समय भारत का वार्षिक दूध उत्पादन केवल 2.1 करोड़ टन था और 1950-51 में प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता सिर्फ 124 ग्राम प्रतिदिन थी। आज यह बढ़कर 471 ग्राम प्रतिदिन पहुंच चुकी है, जो वैश्विक औसत 322 ग्राम से काफी अधिक है। हालांकि अब मांग और आपूर्ति के बीच अंतर तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह केवल आबादी नहीं, बल्कि फ्लेवर्ड मिल्क, योगर्ट, मिल्कशेक और चीज जैसे वैल्यू-एडेड डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग भी है। भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी पशुधन आबादी है।

अब अगला लक्ष्य 30 करोड़ टन के पार का

विशेषज्ञों के अनुसार देश में लगभग 70 मिलियन टन पशु आहार की जरूरत है, जबकि उत्पादन केवल 7.5 मिलियन टन के आसपास है। हरे और सूखे चारे की कमी भी बड़ी समस्या बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब अगला लक्ष्य दूध उत्पादन को 30 करोड़ टन के पार ले जाना होना चाहिए।

'वोकल फॉर लोकल और वोकल फॉर ग्लोबल ' की भावना

भोपाल चेंबर ने जीआईबीएफ के साथ की अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अवसरों पर बैठक

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज और ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम (जीआईबीएफ) के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अवसरों पर एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जीआईबीएफ के वैश्विक अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जोशी और महासचिव दीपाली गडकरी ने भोपाल प्रवास के दौरान भाग लिया। बैठक का संचालन भोपाल चेंबर के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने किया। बैठक में 6 जून 2026 को इंदौर में आयोजित होने वाले भारत-लैटिन

बैठक

अमेरिका और कैरेबियन देशों का व्यापार सम्मेलन 2026 के कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अंतराष्ट्रीय कॉन्क्लेव में 20 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, एम्बेसडर और 300 से अधिक उद्योगपति हिस्सा लेंगे। बैठक में वोकल फॉर लोकल और वोकल फॉर ग्लोबल की भावना के तहत भोपाल चेंबर और जीआईबीएफ ने देश-विदेश के ग्लोबली मान्यता प्राप्त इंडस्ट्रियलिस्ट और डेलिगेशन के साथ व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ाने, नए अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित करने और व्यापार विस्तार के अवसरों पर विशेष चर्चा की।

अनुसंधान और नवाचार का बड़ा केंद्र बन रहा महाराष्ट्रः डॉ. अनबलगन

सीआईआई के शिखर सम्मेलन में शामिल हुए उद्योग सरकार, शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों के वरिष्ठ

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के प्रधान सचिव (उद्योग, निवेश और सेवा विभाग) डॉ. पी. अनबलगन, आईएएस ने कहा कि महाराष्ट्र आज अनुसंधान, नवाचार, उद्योग और उद्यमिता के संगम पर खड़ा है। मजबूत प्रतिभा आधार, प्रगतिशील नीतियों, विश्व स्तरीय संस्थानों और तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण राज्य एक एकीकृत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है, जहां शोध केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहकर पेटेंट, उद्यम, रोजगार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में परिवर्तित हो रहा है।

डॉ. अनबलगन मुंबई में होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) के सहयोग से आयोजित रोजगार, उद्यमिता और स्टार्टअप अवसरों पर शोधार्थियों के शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की वास्तविक ताकत ज्ञान को अवसर से और नवाचार को प्रभाव से जोड़ने की क्षमता में निहित है। उद्घाटन सत्र में सीआईआई महाराष्ट्र राज्य

की उपाध्यक्ष आरती कुचिभटला, सीआईआई डब्ल्यूआर टास्कफोर्स ऑन एजुकेशन के अध्यक्ष एवं विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष भरत अग्रवाल, एचबीएनआई के कुलपति प्रोफेसर यू. कामाची मुदाली, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के बीम टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट ग्रुप के निदेशक एवं अटल इनक्यूबेशन सेंटर, बीएआरसी अनुशक्ति फाउंडेशन के अध्यक्ष मार्टिन मैस्करेनहास तथा सीआईआई की पश्चिमी क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अल्पा अंतानी उपस्थित रहे। शिखर सम्मेलन में उद्योग, सरकार, शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान अनुसंधान एवं नवाचार को व्यापक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव में बदलने की आवश्यकता पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने रोजगार सृजन, उद्यमिता, स्टार्टअप विकास और नवाचार आधारित विकास को गति देने के लिए शिक्षा जगत और उद्योग के बीच मजबूत सहयोग पर जोर दिया। विशेषज्ञों ने कहा कि शोधार्थियों और युवा नवोन्मेषकों के लिए मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन सहायता, वित्तीय सहयोग और उद्योग से संपर्क नए उद्यमों के निर्माण तथा कुशल रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही इससे महाराष्ट्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता भी मजबूत होगी। शिखर सम्मेलन ने उद्योग जगत और उभरती शोध प्रतिभाओं के बीच संवाद और सहयोग का मंच प्रदान किया। इसके माध्यम से नवाचार आधारित साझेदारी को बढ़ावा देने, नई प्रौद्योगिकियों की पहचान करने और भविष्य के कार्यबल एवं उद्यम विकास के लिए शिक्षा एवं उद्योग के बीच संबंध मजबूत करने पर भी बल दिया गया।

कार्यालय आयुक्त, नगर पालिका निगम, ग्वालियर

क्रमांक 01/26x13/1 पार्क/26 ग्वालियर, दिनांक 26/05/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

S. no.	File/Tender No.	Work Name	Estimate Amount	EMD Amount	Sale Start Date	Bid Submission Start date	Bid Submission End date
01	35/26x13/1, 2026_UAD_ 507330_1	Maintenance And Plantation of Tree Plant at Manpur Hills Sagartal Nagar Nigam, Gwalior, 03 Years SH: Supplying, Planting and Maintenance of Tree Plant. (36+3 months)	1,78,46,011/-	89,230/-	14/05/26 10:30 AM	05/06/26 10:30 AM	16/06/26 05:30 PM

कार्यालय आयुक्त नगर पालिक निगम, ग्वालियर में म.प्र. लोक निर्माण विभाग (केन्द्रीयकृत पद्धति) में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं निर्धारित योग्यता वाले ठेकेदार/अधिकृत विक्रेता/फर्म से ई-टेण्डर के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर प्रदर्शित की गई है।

जनसम्पर्क RO क्रमांक 356, दिनांक 27-05-2026

सहायक यंत्री पार्क, नगर निगम, ग्वालियर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म.प्र.)

दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email - eephedbet@mp.nic.in

// प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक 1235 / लेखा/का.यं./ लोस्वायांवि. खंड / बैतूल / दिनांक 25.05.2026

निम्नलिखित कार्यों की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://mptenders.gov.in बैतूल जिले के विभिन्न विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों में पूर्व से स्थापित हैण्डपंपों का संचालन एवं संधारण कार्य एक वर्ष हेतु निविदा, प्रतिशत दर पर दिनांक 01.09.2023 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैः-

स. क्रं	निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक	ऑनलाईन ई-टेण्डर आई.डी.	विकासखंड का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रू लाख में)	धरोहर राशि (रू में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू में)	कार्य की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	25/2026-27 Dt. 25.05.2026	2026_ PHED_ 509638_1	भैंसदेही	12.45	24900	2000	12 माह	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
2	26/2026-27 Dt. 25.05.2026	2026_ PHED_ 509690_1	आठनेर	8.44	16880	2000		
3	27/2026-27 Dt. 25.05.2026	2026_ PHED_ 509697_1	चिचोली	14.50	29000	2000		
4	28/2026-27 Dt. 25.05.2026	2026_ PHED_ 510554_1	भीमपुर	18.10	36200	2000		

ऑनलाईन निविदा विक्रय की प्रारम्भिक तिथि व समय	25.05.2026	11.00	बजे से
ऑनलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि व समय	08.06.2026	17.30	बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की संभावित तिथि व समय	10.06.2026	11.00	बजे से

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। आवश्यक होने पर निविदा से संबंधित समस्त शुद्धिपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर जारी किये जायेगें।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
बैतूल (म.प्र.)

G-13549/26

" स्वच्छता ही सेवा "

चिंतन

सिद्धा के इस्तीफे से कांग्रेस में नई चुनौतियों की शुरुआत

बी उहापोह के बाद कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधानसभा चुनाव से करीब दो साल पहले इस्तीफा देकर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए रास्ता साफ कर दिया। सवाल यह है कि क्या यह कर्नाटक में नेतृत्व को लेकर कांग्रेस के भीतर वर्षों से चल रहे सत्ता संघर्ष का अंत है या एक नए संघर्ष की शुरुआत है। डीके सोमवार को शपथ ले सकते हैं। सिद्धारमैया ने साफ कर दिया है कि उन्होंने राज्यसभा के जरिये केंद्र की राजनीति में जाने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है और प्रदेश की राजनीति में ही सक्रिय रहने का फैसला किया है। यही कांग्रेस व डीके कैंप में बेचैनी की वजह है। राज्य में शीर्ष पद पर रहने के बाद सिद्धारमैया का केंद्र में न जाना साबित करता है कि वे भविष्य में फिर इस पद पर दावेदारी करेंगे। यही नहीं, प्रदेश में डीके की एक भी गलती को भुनाने का वह कोई भी मौका नहीं छोड़ेंगे। यानी अगले दो साल तक वह सीधे या परोक्ष तौर सरकार के साथ रहते हुए विपक्ष की ही भूमिका में रहेंगे। यही कांग्रेस की चिंता है। डीके की शपथ से पहले भी कर्नाटक में जबरदस्त नाटक देखने को मिलेगा। सिद्धारमैया हाईकमान को दबाव में लाकर अपने समर्थकों को कैबिनेट में प्रमुख पद दिलाने की कोशिश करेंगे। इन हालात में डीके के लिए सरकार चलाना कितना कठिन होगा, यह समझा जा सकता है। कर्नाटक की राजनीति में खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रुचि है। उनके पुत्र प्रियांक भी सर्वोच्च पद के दावेदार रहे हैं। कांग्रेस में सत्ता संघर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद हुए एक अनौपचारिक सत्ता-साझेदारी समझौते से जुड़ा माना जाता है। शिवकुमार समर्थक लगातार दावा करते रहे हैं कि सरकार गठन के समय सत्ता साझा करने पर सहमति बनी थी। हालांकि, सिद्धारमैया ने कभी सार्वजनिक रूप से ऐसे किसी समझौते को स्वीकार नहीं किया और प्रशासन पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। चुनावों के बाद से ही मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे और चुनाव उनके नेतृत्व में ही लड़ा गया था, इसलिए वह शीर्ष पद पर अपनी स्वाभाविक दावेदारी मान रहे थे। तब पार्टी ने शिवकुमार को मनाकर उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया था और ढाई साल के बाद कमान देने का वादा किया था। बाद में हाईकमान द्वारा डीके खेमे की ओर से लगातार दबाव डालने के बावजूद कुछ भी साफ नहीं किया जा रहा था। इससे डीके का धैर्य चूक रहा था। यह दोनों नेताओं के बीच तनाव की वजह भी बना रहा। पिछले वर्ष नवंबर में, जब कर्नाटक सरकार ने अपने कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा कर लिया, तब कांग्रेस नेतृत्व ने कथित तौर पर शिवकुमार को असम विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का राजनीतिक पर्यवेक्षक नियुक्त कर इस तनाव को कम करने की कोशिश की, लेकिन रोटेशनल मुख्यमंत्री व्यवस्था को लेकर अटकलें जारी रहीं। पिछले कुछ वर्षों में शिवकुमार ने अपने धार्मिक संपर्कों को भी काफी बढ़ाया है। उन्होंने कर्नाटक और देशभर के प्रमुख मंदिरों के लगातार दौरे किए। उनकी धार्मिक छवि को लेकर कांग्रेस के भीतर बहस भी छिड़ गई थी। शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से सिद्धारमैया के साथ टकराव को बढ़ाने से काफी हद तक परहेज किया, हालांकि उनके समर्थकों ने दबाव बनाए रखा। अब ऐसा ही दबाव सिद्धारमैया नहीं बनाएंगे, ऐसा नहीं लगता। कुल मिलाकर कर्नाटक में कांग्रेस की चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं, बल्कि यह नई चुनौतियों की शुरुआत है।

तैयारी
प्रमोद भार्गव

अब बख्शे नहीं जाएंगे घुसपैठिए

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा घुसपैठियों को देश से बाहर करने की मुहिम से तय है कि देश का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगाड़ रहे और राष्ट्र के लिए खतरा बने इन बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों की विदाई तय है। अधिकारी ने बंगाल में भाजपा की जीत के साथ ही, सबका विकास, सबका साथ नारे को बदलते हुए तय कर दिया है कि जिसका साथ, उसका विकास किया जाएगा। बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। यह अच्छी बात है कि अब इनकी नाक में नकेल डालकर बाहर का रास्ता दिखाने की मुहिम युद्ध स्तर पर चल रही है।

नक्सल समस्या की तरह अब घुसपैठियों की समस्या का निदान भी होने जा रहा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा घुसपैठियों को देश से बाहर करने की मुहिम से तय है कि देश का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगाड़ रहे और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा बने इन बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों की विदाई तय है। अधिकारी ने बंगाल में भाजपा की जीत के साथ ही, सबका विकास, सबका साथ नारे को बदलते हुए तय कर दिया है कि जिसका साथ, उसका विकास किया जाएगा। घुसपैठियों के बंगाल में बसने और लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री रहते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के तहत मिल रहा था। किंतु अधिकारी ने 'डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट' नीति लागू करने और जिला स्तर पर होल्डिंग सेंटर बनाने का निर्णय लेकर जता दिया है कि आखिरकार अवैध प्रवासियों को बाहर जाना ही होगा। इसी कड़ी में गृहमंत्री अमित शाह ने प्लेटफार्म एक्स पर ऐलान कर दिया कि 'घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के लिए वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इससे निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में आबादी का संतुलन बिगड़ने की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने की बात कही थी, जो अब कर दी गई है। यह समिति धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या बदलाव के तरीके की जांच व समीक्षा करेगी।' यह समिति सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में काम कर एक साल के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। बड़ी संख्या में घुसपैठ करके आए मुस्लिमों ने उनके न केवल आजीविका के संसाधनों को हथिया लिया है, बल्कि कृषि भूमि पर भी काबिज हो गए हैं। इस कारण राज्यों का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगड़ रहा है। लिहाजा यहां के मूल निवासी और घुसपैठियों के बीच जानलेवा हिंसक झड़पें भी होती रहती हैं। नतीजतन अवैध और स्थायी नागरिकों की पहचान के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता पत्रक बनाने की पहल की थी। इसके मुताबिक 1971 से पहले असम में रह रहे लोगों को मूल नागरिक माना गया है। इसके बाद के लोगों को अवैध नागरिकों की सूची में दर्ज किया गया है। दरअसल घुसपैठिए अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते हैं, तो यह उन राजनीतिक दलों को वजूद बचाए रखने की दृष्टि से खतरे की घंटी है, जो मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए घुसपैठ को बढ़ावा देकर अवैध नागरिकता को वैधता देने के उपाय करते रहे हैं। पहले सीपीएम और बाद में तृणमूल इन घुसपैठियों को न केवल शरण देते रहे हैं, बल्कि उनके आधार, राशन और वोटर कार्ड भी बनवाते रहे हैं। नतीजा रहा कि बंगाल का हर चौथा वोटर मुस्लिम बताया जा रहा है। छह जिले तो ऐसे हैं, जहां मुस्लिमों की आबादी 66 प्रतिशत से भी अधिक हैं। इस कड़ी में मुर्शिदाबाद जिले में 66.27, मालदा में 51.27, उत्तर दिनाजपुर 49.92,

वीरभूमि में 37.06, दक्षिण 24 परगना 35.57 और नादिया में 26.27 प्रतिशत मुस्लिमों की आबादी हो गई है। इस बिगड़े जनसंख्यात्मक घनत्व का ही परिणाम रहा कि 34 साल सीपीएम और 15 साल तृणमूल ने बंगाल पर शासन करते हुए घुसपैठियों को संरक्षण देते रहे। यदि असम में अवैध घुसपैठ की बात करें तो 1951 से 1971 के बीच यहां के मतदाताओं की संख्या अचानक 51 प्रतिशत बढ़ गई। 1971 से 1991 के बीच यह संख्या बढ़कर 89 फीसदी हो गई। 1991 से 2011 के बीच मतदाताओं की तादाद 53 प्रतिशत बढ़ी। जबकि देश के अन्य हिस्सों में मुस्लिमों की आबादी में बढ़ोत्तरी 13.4 प्रतिशत से 14.2 फीसदी तक ही हुई। असम में 35 प्रतिशत से अधिक मुस्लिमों वाली 2001 में विधानसभा सीटें 36 थी, जो 2011 में बढ़कर 39 हो गईं। गौरतलब है कि 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद से 1991 तक हिंदुओं की जनसंख्या में 41.89 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इसी दौरान मुस्लिमों की जनसंख्या में 77.42 फीसदी की बेलगाम वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह 1991 से 2001 के बीच असम में हिंदुओं की जनसंख्या 14.95 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मुस्लिमों की 29.3 फीसदी बढ़ी। घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने के लिए कांग्रेसियों ने इन्हें बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र एवं राशन कार्ड तक हासिल कराए। कांग्रेस की तरूण गोगाई सरकार इसी बूते 15 साल सत्ता में रही। लेकिन लगातार घुसपैठ ने कांग्रेस की हालत पतली कर दी थी। फलस्वरूप भाजपा सत्ता में आ गई। इस अवैध घुसपैठ के दुष्प्रभाव पहले अलगाववाद के रूप में देखने में आ रहे थे, लेकिन बाद में राजनीति में प्रभावी हस्तक्षेप के रूप में बदल गए। असम को बांग्लादेश से अलग ब्रह्मपुत्र नदी करती है। इस नदी का पाट इतना चौड़ा और दलदली है कि इस पर बाड़ लगाना या दीवार बनाना नामुमकिन है। केवल नावों पर सशस्त्र पहरेदारी के जरिए घुसपैठ को रोका जाता है। प्रधानमंत्री राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन असम सरकार के साथ मिलकर फैसला लिया था कि 1971 तक जो भी बांग्लादेशी असम में घुसे हैं, उन्हें नागरिकता दी जाएगी और बाकी को भारत की जमीन से निर्वासित किया जाएगा। इस फैसले के तहत ही अब तक कई बार एनआरसी ने नागरिकों की वैध सूची जारी करने की कोशिश की, लेकिन मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति के चलते कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल एनआरसी का विरोध करते रहे हैं। अतएव 2005 में सर्बानंद सोनोवाल बनाम भारत संघ मामले में असम में अवैध प्रवासियों के पहचान से जुड़े एक पुराने कानून को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि असम में होने वाली भारी घुसपैठ ने राज्यों के नागरिकों के जीवन को आमूलचूल प्रभावित किया है। यह स्थिति एक तरह के अघोषित बाहरी आक्रमण जैसी है। बांग्लादेश के साथ भारत की कुल 4097 किलोमीटर लंबी सीमा-पट्टी है, जिस पर जरूरत के मुताबिक सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। इस कारण गरीबी और भुखमरी के मारे बांग्लादेशी असम और बंगाल में घुसे चले आते हैं। यहां इन्हें कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपने-अपने वोट बैंक बनाने के लालच में भारतीय नागरिकता का सुगम आधार उपलब्ध करा देते हैं। मतदाता पहचान पत्र जहां इन्हें भारतीय नागरिकता का सम्मान हासिल करा देता है, वहीं राशन कार्ड की उपलब्धता इन्हें बीपीएल के दायरे में होने के कारण मुफ्त अनाज की सुविधा दिला देती हैं। आसानी से बन जाने वाले बहुउद्देशीय पहचान वाले आधार कार्ड भी इन घुसपैठियों ने बड़ी मात्रा में हासिल कर लिए हैं। इन सुविधाओं की आसान उपलब्धता के चलते देश में घुसपैठियों की तादाद चार करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है। यह अच्छी बात है कि अब इनकी नाक में नकेल डालकर बाहर का रास्ता दिखाने की मुहिम युद्ध स्तर पर चल रही है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

श्रद्धांजलि

प्रो. आरके जैन

डॉ. बशीर बद्र : उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो

जाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो...बशीर बद्र की यह पंक्ति आज स्वयं एक विदाई का सन्नाटा बनकर गूंज रही है। उर्दू शायरी का वह नर्म, रोशन और संवेदनशील सितारा अब अस्त हो गया है। केवल एक शायर नहीं गया, बल्कि एक पूरी भावनात्मक परंपरा मौन हो गई। 28 मई 2026 को भोपाल में लंबी बीमारी के बाद 91 वर्ष की आयु में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनकी शायरी अब भी सांसों में जीवित है। वे केवल शब्द नहीं रचते थे, बल्कि टूटे हुए दिलों को जोड़ने वाली भावनाओं की पूरी दुनिया बसाते थे- जहां दर्द भी सुंदर लगता था और उम्मीद भी बहुत करीब। उनका जाना एक खालीपन नहीं, बल्कि एक ऐसी खामोश मौजूदगी है जो हर एहसास में धीरे-धीरे उतरती रहती है। जब शब्दों की रोशनी खुद इतिहास बन जाए, तो समझिए कोई शायर अमर हो चुका होता है। मशहूर उर्दू शायर और ग़ज़लकार पद्मश्री बशीर बद्र का जाना साहित्य जगत के लिए एक ऐसा आघात है, जिसने भावनाओं की सबसे नाजुक परत को हिला दिया। वे उन विरले शायरों में थे जिनके शब्द मंच से उतरकर सीधे जीवन की सांसों में बस जाते थे। उनका जाना केवल शरीर का अंत नहीं, बल्कि उस आवाज़ का ठहर जाना है जिसने सादगी को भी शिखर बना दिया। फिर भी, उनकी ग़ज़लें आज भी हर टूटे दिल में जीवित हैं और हर याद में चुपचाप रोशनी बनकर चलती रहती हैं। जहां शब्द जन्म लेते हैं और संवेदना उन्हें आकार देती है, वहीं से एक असाधारण सफ़र

शुरू होता है। 15 फरवरी 1935 को अयोध्या (तब फैजाबाद) में जन्मे बशीर बद्र बचपन से ही शायरी की ओर आकर्षित थे और सात वर्ष की उम्र में ही शेर कहने लगे थे। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से पीएचडी के बाद उन्होंने वहीं उर्दू के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया, फिर मेरठ कॉलेज में 17 वर्षों तक विभागाध्यक्ष रहे। फारसी, हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी पर उनकी गहरी पकड़ ने उनकी शायरी को समृद्ध और बहुआयामी बनाया। जब जीवन की सबसे गहरी आग इंसान के भीतर उतर जाए, तो शब्द भी राख से जन्म लेते हैं। 1987 के मेरठ दंगों ने बशीर बद्र को भीतर तक तोड़ दिया- उनका घर, यादें और अनमोल अनप्रकाशित रचनाएं सब-कुछ जलकर राख हो गया। इस त्रासदी ने उन्हें लंबे समय तक लेखन से दूर कर दिया और उनका जीवन गहरे खालीपन में डूब गया। लेकिन भोपाल में डॉ. राहत बद्र के साथ नए सिरे से मिली जीवन-धारा ने उन्हें फिर से शब्दों की ओर लौटा दिया। उसी पीड़ा से निकली उनकी अमर पंक्ति-"लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में..."-आज भी मानवीय संवेदना की सबसे तीखी और सजीव अभिव्यक्ति मानी जाती है। शब्दों को सजाने के बजाय उन्हें जीने की कला बशीर बद्र की शायरी की सबसे बड़ी पहचान थी। उन्होंने जटिल अलंकारों की जगह जीवन की सीधी, सरल भाषा को अपनाया और उसी में गहराई भर दी। प्रेम, विरह, अकेलापन और सामाजिक यथार्थ उनकी ग़ज़लों में सहजता से उतरते थे। उनकी प्रमुख कृतियाँ 'इकाई', 'इमेज', 'आमद', 'आहट', 'आस' और 'कुल्लियात-ए-बशीर बद्र' आधुनिक उर्दू साहित्य की अमूल्य धरोहर बन गईं। 'आस' के लिए उन्हें 1999 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और उसी वर्ष पद्म श्री से सम्मान मिला। साथ ही उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी से चार बार, बिहार उर्दू अकादमी से एक बार तथा 1980 में न्यूयॉर्क के 'पोएट ऑफ द ईयर' सम्मान ने उनकी वैश्विक पहचान को और मजबूत किया। कुछ पंक्तियां समय को भी पीछे छोड़ देती हैं और स्मृतियों में हमेशा के लिए बस जाती हैं- ऐसी ही शायरी बशीर बद्र की पहचान है। उनकी मशहूर पंक्तियां "उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो..." और "दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे..." आज भी लोगों की जुबान पर जीवित हैं, जो रिश्तों और भावनाओं को एक नई दृष्टि देती हैं। उनके 18,000 से अधिक शेर और असंख्य ग़ज़लें फिल्मों, रेडियो और मुशायरों में लगातार गूंजती रही हैं। उनकी शायरी ने उर्दू ग़ज़ल को आम इंसान की भाषा बना दिया, जहां हर व्यक्ति अपने दर्द और अपनी पहचान को महसूस कर सकता है। जब यादें साथ छोड़ने लगती हैं, तब भी शब्द अपनी रोशनी नहीं खोते-बशीर बद्र के जीवन का अंतिम चरण इसका साक्षात प्रमाण रहा। डिमेंशिया ने धीरे-धीरे उनकी स्मृतियों पर धुंध छा दी, लेकिन उनकी पत्नी डॉ. राहत बद्र उनकी रचनाएं सुनाकर उन्हें फिर से जीवित करती रहीं। उनकी ग़ज़लें समय की सीमाओं को पार कर आज भी लोगों को जोड़ती हैं, और यही साबित करती हैं कि सच्ची रचना कभी मरती नहीं-वह हमेशा अपने पाठकों के भीतर जीवित रहती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू

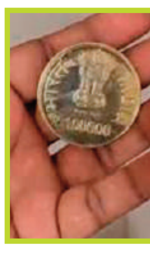

संकलित

दर्शन

सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

सिद्धियों का उचित प्रयोग ही करें

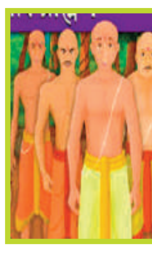

संकलित

प्रेरणा

चार विद्वान ब्राह्मण मित्र थे। एक दिन चारों ने संपूर्ण देश का भ्रमण कर हर प्रकार का ज्ञान अर्जित करने का निश्चय किया। चारों ब्राह्मणों ने चार दिशाएं पकड़ीं और अलग-अलग स्थानों पर रहकर अनेक प्रकार की विद्याएं सीखीं। पांच वर्ष बाद चारों अपने गृहनगर लौटे और एक जंगल में मिलने की बात तय की। चूंकि चारों परस्पर एक-दूसरे को अपनी गूढ़ विद्याओं व सिद्धियों को बताना चाहते थे, अतः इसके लिए जंगल से उपयुक्त अन्य कोई स्थान नहीं हो सकता था। जब चारों जंगल में एक स्थान पर एकत्रित हुए तो वहां उन्हें शेर के शरीर की एक हड्डी पड़ी हुई मिली। एक ब्राह्मण ने कहा- मैं अपनी विद्या से इस एक हड्डी से शेर का पूरा अस्थि पंजर बना सकता हूँ। उसने ऐसा कर भी दिखाया। तब दूसरे ब्राह्मण ने कहा- मैं इसे त्वचा, मांस और रक्त प्रदान कर सकता हूं। फिर उसने यह कर दिया। अब उन लोगों के समक्ष एक शेर पड़ा था, जो प्राणविहीन था। अब तीसरा ब्राह्मण बोला- मैं इसमें अपनी सिद्धि के चमत्कार से प्राण डाल सकता हूं। चौथे ब्राह्मण ने उसे यह कहते हुए रोका- यह मूर्खता होगी। हमें तुम पर विश्वास है, किंतु यह करके न दिखाओ। किंतु तीसरे ब्राह्मण का तर्क था कि ऐसी सिद्धि का क्या लाभ जिसे क्रियान्वित न किया जाए। उसका हठ देखकर चौथा ब्राह्मण तत्काल पास के पेड़ पर चढ़कर बैठ गया। तीसरे ब्राह्मण के मंत्र पढ़ते ही शेर जीवित हो गया। प्राणों के संचार से शेर को आहार की आवश्यकता महसूस हुई और उसने सामने मौजूद तीनों ब्राह्मणों को मारकर खा लिया। चौथे ब्राह्मण ने समझदारी से अपने प्राण बचा लिए।

सटाका

आज की पाती

पेट्रोल-डीजल वाहनों का विकल्प इलेक्ट्रिक वाहन

अमरीका और ईरान युद्ध के कारण हमारे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हो रही है। इससे आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ रहा है, खासतौर पर जिनका कारोबार अपने निजी वाहनों के जरिए होता है, डीजल की कीमत में वृद्धि से सार्वजनिक वाहनों में सफर भी महंगा हो सकता है। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम ई-बस सेवा योजना को हरी झंडी देकर चंडीगढ़ के लिए लगभग 25 इलेक्ट्रिक बसों का वर्चुअल तरीके से शुरुआत की। छत्तीसगढ़ में भी ऐसी पहल हो चुकी है। यहां की सरकार ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए अच्छी पहल करते हुए नई इलेक्ट्रिक बसें और अन्य सरकारी वाहन ही खरीदने का मन बनाया है। सरकार इससे अपने यहां डीजल और पेट्रोल का प्रयोग भी कम करेगी। – *ललित चौधरी, जींद*

ट्रेंड

सावरकर को श्रद्धांजलि

महान क्रांतिकारी और प्रतिभाशाली राष्ट्रवादी विचारक वीर सावरकर को हार्दिक श्रद्धांजलि! उनका वीरता और बुद्धि से परिपूर्ण व्यक्तित्व राष्ट्र की प्रत्येक पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।
- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

खाद्यान्न उत्पादन

देश में खाद्यान्न उत्पादन का अब तक का उच्चतम स्तर दर्ज किया गया है। कल ही हमने तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया। इस वर्ष खाद्यान्न का कुल अनुमानित उत्पादन 3,765.63 लाख टन है, जो पिछले वर्ष से 188 लाख टन अधिक है।
- **शिवराज सिंह चौहान,** केंद्रीय कृषिमंत्री

समस्याओं का समाधान

सत्ता हमारे लिए सुख का साधन नहीं, बल्कि जनता की सेवा का माध्यम है। ग्राम चौपाल के माध्यम से राजस्थान सरकार आज हर गांव तक पहुंच रही है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर किया जा सके और विकास योजनाएं समाज के सबसे दूरस्थ व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकें।
- **भजनलाल शर्मा,** सीएम, राजस्थान

राजनीतिक प्रतीक

भारतीय सार्वजनिक विमर्श के विशाल रंगमंच पर, जहाँ रूपक लंबे समय से औजार और हथौड़े दोनों का काम करते आए हैं, तिलचट्टे का एक कीड़े से राजनीतिक प्रतीक के रूप में उभरना एक गहरा परिवर्तन दर्शाता है।
- **राम गोपाल वर्मा,** फिल्मकार

करंट अफेयर

अगले पांच साल में तापमान में होगी रिकॉर्ड वृद्धि : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की नयी जलवायु रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगले पांच वर्षों के दौरान पृथ्वी का तापमान कई बार उस अंतरराष्ट्रीय सीमा से ऊपर जा सकता है, जिसे अब तक सुरक्षित माना जाता रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान पृथ्वी के सबसे गर्म वर्ष का रिकॉर्ड भी कई बार टूट सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने यह भी अनुमान जताया है कि 2030 तक आर्कटिक क्षेत्र का तापमान करीब 1.66 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। इसके साथ ही अमेजन क्षेत्र में गंभीर सूखे और वनाग्नि का खतरा भी बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कोयला, तेल और गैस के इस्तेमाल से बढ़ रही वैश्विक गर्मी के कारण बाढ़, सूखा और भीषण गर्मी जैसी चरम मौसमी घटनाएं अधिक होंगी। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु एजेंसी और ब्रिटेन के मौसम विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 से 2030 के बीच औसत वैश्विक तापमान के औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने की 75 प्रतिशत आशंका है। यही वह सीमा है जिसे 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में सुरक्षित माना गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि तापमान में मामूली वृद्धि भी मौत, खतरे और जीव-जंतुओं की प्रजातियों के नुकसान का कारण बन सकती है।

ऑफ बीट

लगातार गाड़ी चलाते समय थकान क्यों महसूस होती है

चाहे आप रोज दफ्तर आने-जाने के लिए गाड़ी चला रहे हों या समुद्र किनारे लंबी यात्रा पर निकले हों, लगातार 'ड्राइविंग' शरीर और दिमाग दोनों को थका सकता है।

ऐसा इसलिए क्योंकि गाड़ी चलाना एक बेहद जटिल काम है, जिसमें दिमाग के कई हिस्सों को एक साथ काम करना पड़ता है। इनमें योजना बनाना, सतर्क रहना और आसपास की चीजों को समझना शामिल हैं। लेकिन जब आप थक जाते हैं, तो दिमाग के ये हिस्से पहले की तरह प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाते। यही वजह है कि चालक की थकान को सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता है। हालिया शोध बताते हैं कि ऑस्ट्रेलिया की सड़कों पर हुए हादसों में से 20 से 30 प्रतिशत उनींदे होकर गाड़ी चलाना एक प्रमुख कारण रहा। इसका असर हर उम्र और अनुभव वाले चालकों पर पड़ सकता है। ड्राइविंग के दौरान दिमाग कैसे काम करता है-ड्राइविंग एक ऐसा कार्य है जिसमें ध्यान, सतर्कता, चीजों को पहचानने की क्षमता, शरीर की गतिविधियों पर नियंत्रण और तेज निर्णय लेने जैसी कई मानसिक प्रक्रियाएं एक साथ सक्रिय रहती हैं। एक शोध विश्लेषण में पाया गया कि गाड़ी चलाने के दौरान दिमाग के बहुत से खास हिस्से सक्रिय हो जाते हैं।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
पर भेज सकते हैं।

एक-दूसरे से गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद, दिनभर चलता रहा बधाई देने का सिलसिला

उपनगर में ईद उल अजहा पर दुआ के लिए एक साथ उठे हजारों हाथ मुल्क की तरक्की, खुशहाली, एकता और शांति के लिए मांगी दुआएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप।

जिले भर में कुर्बानी का पर्व 'ईद उल अजहा' गुरुवार को धार्मिक आस्था, उत्साह और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। औद्योगिक शहर मंडीदीप से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाहों और मस्जिदों में विशेष नमाज अदा कर मुल्क में अमन, शांति, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

शहर के ईदगाह प्रांगण में हाफिज मुती उर्रहमान ने ईद उल अजहा की नमाज अदा कराई। इसके अलावा शहर की अन्य इबादतगाहों में भी ईद की नमाज अदा की गई। जैसे ही इमाम साहब ने दुआ के लिए हाथ उठाए, हजारों लोगों ने एक साथ 'आमीन' कहकर भाईचारे और देश की खुशहाली की दुआ मांगी।

'ईद उल अजहा' के मौके पर ईदगाह पर नमाज अदा करते समाज के लोग।

कब्रिस्तान पहुंचकर अपने पूर्वजों की कब्रों पर फातेहा पढ़ा

मंडीदीप के साथ-साथ नूरगंज और दाहोद क्षेत्र में भी परंपरानुसार बकरीद का त्योहार मनाया गया। विशेष नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोग कब्रिस्तान पहुंचकर अपने पूर्वजों की कब्रों पर फातेहा पढ़ने पहुंचे। इसके बाद हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत के अनुसार कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ, जो शनिवार शाम तक जारी रहेगा।

प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रही

ईद के अवसर पर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत ईदगाह, मस्जिदों और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात किया गया था। इस दौरान एसडीएम चन्द्रशेखर श्रीवास्तव, एसडीओपी शीला सुराणा, तहसीलदार हेमंत शर्मा, सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी, मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था की

नगर पालिका प्रशासन द्वारा मस्जिदों और मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में विशेष साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था की गई। इस अवसर पर ईदगाह मैदान पहुंचकर बहुसंख्यक समाज के लोगों ने भी मुस्लिम समाज से मिलकर सौहार्द्रका संदेश दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी दीपेश मारन, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनूप पाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष दशरथ मीणा, मुस्लिम त्योहार कमेटी अध्यक्ष हाजी अल्ताफ खान, सोहेल खान, इरशाद पटेल, मुनव्वर पटेल, नोशाद पटेल, अब्दुल रहीम खान, अतीक अहमद, इमरान पठान, हाजी शौकत अली, असलम खान, हाजी चंदू भाई, हाजी रमजान खान, सलमान अली, दानिश अहमद एवं अश्शू खान सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

ईदगाह में बड़ी संख्या में नमाज अदा करने पहुंचे लोग, दी मुबारकबाद

औबेदुल्लागंज। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को ईद-उल-अजहा (बकरा ईद) का पर्व श्रद्धा, उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नगर की मस्जिदों एवं ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विशेष नमाज अदा की तथा देश, प्रदेश और नगर की सुख-समृद्धि, शांति, एकता और भाईचारे के लिए दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर समाज के लोगों ने देश एवं प्रदेश की उन्नति और विकास के लिए भी दुआएं कीं। ईदगाह परिसर और मस्जिदों में दिनभर रौनक बनी रही। इस मौके पर सदर गुड्डु, अफजल, नवाब, उप सदर सलीम, अखिल, आमीन, सगीर, आसिफ पठान, सुहेल सिद्दीकी, आमिर ममनून, राजा सिद्दीकी, नफीस, राशिद खान, नईम मंडी वाले, शानू खान मेहमूद बेग सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। ईद के अवसर पर दिनभर दावतों का दौर चलता रहा। लोगों ने अपने रिश्तेदारों और मित्रों के घर पहुंचकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। पूरे नगर में आपसी सौहार्द्र और भाईचारे का वातावरण देखने को मिला।

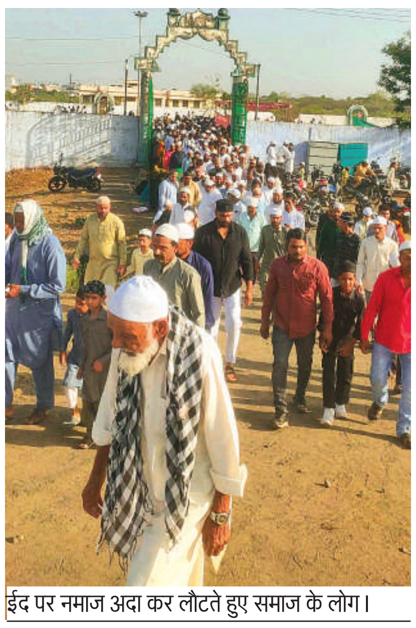

ईद पर नमाज अदा कर लौटते हुए समाज के लोग।

खबर संक्षेप

8 दुकानों के सामने लगा टीन शेड गिरा, हादसा टला

संतनगर। उपनगर बैरागढ़ बस स्टैंड स्थित कपड़े की करीब आठ दुकानों के आगे लगे टीन शेड अचानक भरभराकर गिर पड़े। वो तो भगवान शुक्र है कि किसी को चोट नहीं आई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बस स्टैंड सुलभ काम्प्लेक्स के पास दुकानों के आगे लगे लोहे की चादर के शेड अचानक गिर जाने से क्षेत्र में हड़कंप और अफरातफरी मच गई। घटना के समय कोई कर्मचारी या ग्राहक बाहर नहीं खड़ा था। इस घटना के बाद बिजली भी बंद कर दी गई, ताकि करंट आदि नहीं फैले।

अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान

औबेदुल्लागंज। वार्ड 8, 9 एवं 12 में अघोषित बिजली कटौती से नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीता रात करीब 1:30 बजे अचानक बिजली गुल हो जाने के बाद कई घंटों तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी, जिससे छोटे-छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं पूरी रात परेशान होती रहीं। वहीं मच्छरों के बढ़ते प्रकोप ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। नागरिकों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना के बार-बार हो रही बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

पार्षद सुनील सेरिया और बाल्मीकि की हो रही चर्चा

औबेदुल्लागंज। नगर परिषद में और पार्षदों में गर्म चर्चा है कि पार्षद सुनील सेरिया और पार्षद सुजीत यादव दोनों में नगर परिषद अध्यक्ष पति का खास कौन है? क्योंकि सुनील सेरिया पत्रकार भी हैं पार्षद भी है।

इसीलिए नगर परिषद में चर्चा है कि सुनील सेरिया ने सबको पीछे छोड़ते हुए खुद बादशाह बन गए हैं। वरिष्ठ राजेंद्र गुड्डु साहू, सुनील सेरिया के साथ रहकर अपना वर्चस्व जमाने में लग गए हैं। भूपेंद्र मेहरा, उपेंद्र मालवीय भी सुनील सेरिया के साथ अपने को आगे बढ़ाने में लगे हैं। पार्षदों में चर्चा है कि वरिष्ठ नेता सुनील बाल्मीकि गुरु हैं, फिर सुनील सेरिया गुरूजी हैं, क्योंकि वरिष्ठ नेता सुनील बाल्मीकि पहले नगर परिषद में ज्यादा दिखते थे अब पार्षद सुनील सेरिया का प्रभाव ज्यादा हो गया है। वरिष्ठ सुनील बाल्मीकि का औबेदुल्लागंज में आना-जाना कम होने से राजनीति की चर्चा गर्म है।

शुभांक			
कल्याण:	2749		
दिन:	124	75	357
रात:	369	83	599
तारा:			
दिन:	345	23	689
रात:	129	27	359

कमिश्नर ने कांस्टेबल जितेंद्र गुर्जर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया

ड्राइवर से मारपीट करने वाले कांस्टेबल पर एफआईआर को लेकर थाने का किया घेराव

सैकड़ों ग्रामीणों ने संगठन के साथ मिलकर किया प्रदर्शन, पुलिस ने दर्ज किया काउंटर प्रकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कजलीखेड़ा थाने का गुरुवार दोपहर सैकड़ों ग्रामीणों और स्थानीय नेता सहित कार्यकर्ताओं ने घेराव कर दिया। ग्रामीण थाने में पदस्थ कांस्टेबल जितेंद्र गुर्जर पर एफआईआर की मांग कर रहे थे। कांस्टेबल पर एफआईआर नहीं होने से नाराज ग्रामीण सैकड़ों की संख्या में थाने पहुंचे और थाने के सामने धरना प्रदर्शन कर दिया। दरअसल, 21 मई की रात कांस्टेबल ने बोलेरो ड्राइवर के साथ बेरहमी से मारपीट की थी। इसकी शिकायत उसने स्थानीय नेताओं की मदद से थाने में की थी,

कजलीखेड़ा थाने का घेराव करते लोग।

लेकिन थाने से उसे तवज्जों नहीं मिली। बाद में आलाधिकारियों सहित पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। पुलिस कमिश्नर ने शरीर पर चोट के निशान देखने के बाद जांच एसीपी आलोक श्रीवास्तव को दी। आलोक श्रीवास्तव ने जांच के बाद रिपोर्ट पुलिस कमिश्नर को सौंप दी। रिपोर्ट में मारपीट की पुष्टि होने के बाद कमिश्नर ने कांस्टेबल जितेंद्र गुर्जर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

जानकारी के अनुसार मुकेश कनाश रातीबड़ में रहते हैं और ट्रेवल्स की गाड़ी चलाता है। रातीबड़ से वह बारात लेकर रेहटी गया था। वहां शादी के बाद देर रात रेहटी से भोपाल लौट रहे थे। बोलेरो में वर वधू और उनका परिवार था। रात करीब तीन बजे डीमार्ट के पास पहुंचते ही एफआरवी में तैनात जितेंद्र गुर्जर ने हाथ देकर रोका, लेकिन मुकेश कनाश ने गाड़ी नहीं रोकी। इस पर जितेंद्र गुर्जर को संदेह हुआ और उसने बोलेरो का पीछा कर उसे आगे रोक लिया। मुकेश कनाश का कहना है कि रुकते ही जितेंद्र गुर्जर ने गाली-गलौज करते हुए उस पर डंडे से हमला कर दिया। साथ में मौजूद परिवार ने उसे बचाया।

एफआईआर की मांग को लेकर चार घंटे तक किया प्रदर्शन

आरक्षक के निलंबन से पीड़ित पक्ष संतुष्ट नहीं था। वह चाहता था कि आरक्षक की बर्बरता के कारण उसके खिलाफ एफआईआर होनी जरूरी है। लिहाजा मुकेश कनाश और स्थानीय नेता कार्यकर्ताओं के साथ कजलीखेड़ा थाने पहुंचे। दोपहर करीब 12 बजे थाने पहुंचे मुकेश कनाश और नेताओं सहित कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर दिया। इस दौरान गांव के लोग भी मौजूद थे। करीब चार घंटे चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने आरक्षक जितेंद्र गुर्जर पर मारपीट, गली-गलौज की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार जितेंद्र गुर्जर की शिकायत पर मुकेश कनाश पर भी झूमाझटकी और गाली-गलौज की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरक्षक जितेंद्र गुर्जर इससे पहले लाइन में पदस्थ था। करीब दस दिन पहले ही उसे बहाल किया गया था।

कमिश्नर से की थी शिकायत

मुकेश कनाश रात होने के कारण और साथ में बारात होने के कारण शिकायत करने नहीं पहुंचा। अगले ही दिन उसने स्थानीय नेताओं को घटना की जानकारी दी। नेताओं ने कजलीखेड़ा थाना प्रभारी पल्लवी पांडे से संपर्क किया। नेताओं का आरोप था कि पल्लवी पांडे ने सहयोग नहीं किया। इसके बाद वह मुकेश कनाश को लेकर कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। कमिश्नर संजय कुमार ने मुकेश की शिकायत सुनी और उसके शरीर पर चोट के निशान देखकर उसे मेडिकल कराने के लिए भेजा। जांच के आदेश एसीपी आलोक श्रीवास्तव को दिए। आलोक श्रीवास्तव ने एफआरवी में लगे कैमरे के फुटेज चेक किए और मेडिकल रिपोर्ट सहित बोलेरो में मौजूद परिजन के बयान दर्ज करने के बाद जांच रिपोर्ट पुलिस कमिश्नर को सौंप दी। रिपोर्ट में मारपीट की पुष्टि होने के बाद कमिश्नर ने आरक्षक जितेंद्र गुर्जर को निलंबित कर दिया।

विधायक पटवा ने नई दिल्ली में की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य से भेंट

पटवा ने क्षेत्र के विकास कार्यों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज।

विधायक सुरेंद्र पटवा नई दिल्ली में दूरसंचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से सौजन्य भेंट की। पटवा ने बताया कि इस अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी (अम्मा महाराज) एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पद्मविभूषण स्वर्गीय सुन्दरलाल पटवा जी के वर्षों पुराने राजनीतिक, सामाजिक एवं पारिवारिक संबंधों को स्मरण करते हुए अनेक आत्मीय विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों महान विभूतियों द्वारा राष्ट्रसेवा, संगठन के प्रति समर्पण एवं जनकल्याण के लिए किए गए कार्य आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

पटवा ने कहा भेंट के दौरान क्षेत्र के विकास कार्यों, जनहित से जुड़े विषयों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी सकारात्मक, सार्थक एवं प्रभावी संवाद हुआ। सिंधिया के दूरदर्शी नेतृत्व, सरलता एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीयता सदैव नई ऊर्जा एवं प्रेरणा प्रदान करती है। निश्चित रूप से उनसे प्रत्येक मुलाकात जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का कार्य करती है।

चंदन से बनी चंद्रिका एवं मोतियों के आभूषण से किया श्रीजी का श्रृंगार

भोपाल। अधिकमास पुरुषोत्तम मास महोत्सव के दौरान गुरुवार को प्रभु श्रीनाथजी को छापे के वस्त्र के साथ शेर पर चंदन से बनी चंद्रिका एवं मोतियों के आभूषण से श्रृंगार किया गया । प्रभु श्रीनाथजी के संग श्री नवनीत पिया जी, श्रीविट्ठल नाथ जी, श्री मदन मोहन जी की एवं श्री गोवर्धन नाथ जी संग में विराजे पुष्टिमार्ग में जगतगुरु श्री वल्लभाचार्य जी द्वारा सावे सेवित सात निधि स्वरूप है। उसी के प्रतीकात्मक रूप यह उत्सव मनाया गया । इस मौके पर भक्तों को ठंडाई का प्रसाद वितरित किया गया ।

हिरानिया स्थित प्राचीन खेड़ापति माता मंदिर का सूखा तालाब।

राजा भोज के समय बनाया तालाब सूखा, नप ने नहीं किया गहरीकरण

प्राचीन खेड़ापति माता मंदिर के पास है तालाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज।

राजा भोज के समय बनाया गया हिरानिया का प्राचीन खेड़ापति माता मंदिर का तालाब कई वर्षों से गहरीकरण के लिए नगर की ओर देख रहा है, लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं।

नगर का प्राचीन खेड़ापति माता मंदिर की देवी प्रतिमा भी राजा भोज के समय की बताई जाती है। स्थानीय बुजुर्ग लोगों का कहना है कि उसी समय यह तालाब खोदा गया था। करीब दस वर्ष पूर्व इस तालाब का गहरीकरण हुआ था। अब यह तालाब समतल हो गया है और पानी सूख गया है।

शासन द्वारा जल संरक्षण के लिए कई अभियान चलाए, लेकिन नगर परिषद तालाब का गहरीकरण एवं संवारने के दिशा में कोई पहल नहीं करती है।

अस्पताल के डॉक्टर ने रिसेप्शनिस्ट से की छेड़छाड़, केस दर्ज

भोपाल। सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बायपास पर निजी अस्पताल की रिसेप्शनिस्ट से डॉक्टर द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। दरअसल, डॉक्टर ने स्टाफ में यह बात फैला दी थी कि रिसेप्शनिष्ट उसकी प्रेमिका है।

रिसेप्शनिस्ट को यह बात पता चली तो उसने डॉक्टर का विरोध किया। इस पर डॉक्टर ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। इसके बाद रिसेप्शनिष्ट ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने रिसेप्शनिस्टकी शिकायत पर डॉक्टर के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार 25 साल की युवती सूखीसेवनिया बायपास स्थित निजी अस्पताल में रिसेप्शनिस्ट की नौकरी करती है।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा शुरू

श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप है: मंजरी प्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

विजय नगर, लालघाटी में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। समिति के महासचिव किशन आसूदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा के आयोजन के पूर्व महामृत्युंजय मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित कमलेश उपाध्याय द्वारा विधि-विधान एवं भक्तिमय वातावरण में पूजन-अर्चन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में पार्थ पूजन यजमान विजयनगर विकास समिति अध्यक्ष मनोज वर्मा-सपत्नीक, सिंधी समाज उत्थान पंचायत के अध्यक्ष

कथा से पूर्व कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु।

आनंद सबधाणी उनकी धर्मपत्नी अदिति सबधाणी द्वारा किया गया। भव्य कलश यात्रा हरी सेवा गंगा दरबार से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए महामृत्युंजय मंदिर पहुंची। कथावाचिका साध्वी मंजरी प्रिया ने प्रथम दिवस पर श्रीमद्भागवत माहात्म्य की कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप है।

कांग्रेसियों ने दी स्व. पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि

संतनगर। देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर कांग्रेस जनों ने माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता त्रिलोक दीपानी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण, उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता माधु चांदवानी, राज़ मनवानी, पुरषोतम हरचंदानी, महेश गुरबानी, जगदीश सांवले, मोहनलाल चंदनानी, नरेन्द्र केवलानी, विशणु मारण, सुरेश सिंगरोली, राजेश लीलानी, आनंद सिंह, गगन भार्गव, आत्माराम सूर्यवंशी, राहुल दुबे, अशोक गोकलानी, मनोहर सतानी, राजेश रधुवंशी, जगदीश विश्वकर्मा आदि लोग शामिल थे।

सेवा सदन आई हॉस्पिटल ने निःशुल्क इलाज कर पेश की सेवा की मिसाल

डॉ. सोनल ने 'रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी' गंभीर बीमारी से पीड़ित जुड़वा नवजात शिशुओं को लौटाई आंखों की रोशनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

कहते हैं कि समय पर मिला सही इलाज किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। ऐसा ही एक भावुक और प्रेरणादायक मामला सामने आया है, जहां समय रहते इलाज मिलने से दो नवजात जुड़वा शिशुओं की आंखों की रोशनी बचाई जा सकी।

डॉ. सोनल पालीवाल

छिंदवाड़ा निवासी राज और रानी के घर 27 दिन पहले जुड़वा बच्चों - एक बेटे और एक बेटी का जन्म हुआ। दोनों बच्चों का जन्म केवल सात महीने में हो गया। इस कारण वे अत्यंत कमजोर और गंभीर स्थिति में थे। जन्म के तुरंत बाद शिशुओं को छिंदवाड़ा के जिला अस्पताल की एनआईसीयू में भर्ती किया गया। बेटे का वजन मात्र एक किलो 200 ग्राम और बेटी का वजन एक किलो 300 ग्राम था। समय से पहले जन्म लेने और कम वजन होने के कारण दोनों बच्चों में 'रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी' (आरओपी) नामक गंभीर आंखों की बीमारी के लक्षण पाए गए। यह बीमारी समय पर इलाज न मिलने पर बच्चों को हमेशा के लिए अंधत्व की ओर धकेल सकती है। बच्चों के माता-पिता आर्थिक रूप से बेहद कमजोर थे। अपने बच्चों की गंभीर स्थिति को देखकर वे पूरी तरह चिंतित और निराश थे।

अस्पताल में जुड़वा बच्चों के साथ परिजन।

माता-पिता महंगे इलाज के कारण खो चुके थे उम्मीद

माता-पिता महंगे इलाज की चिंता के कारण उन्होंने उम्मीद लगभग खो दी थी। ऐसे कठिन समय में सेवा सदन आई हॉस्पिटल ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दोनों बच्चों का निःशुल्क उपचार किया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत बच्चों को भोपाल के सेवा सदन आई हॉस्पिटल रेफर किया।

दोनों बच्चों की स्थिति बेहतर

डॉक्टरों ने बताया कि आंखों से जुड़े गंभीर एवं जटिल मामलों में वे लगातार सेवा सदन आई हॉस्पिटल को मरीज रेफर करते रहे हैं। उन्हें सेवा सदन में हमेशा समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सहयोग एवं बेहतर उपचार प्राप्त हुआ है। अस्पताल की वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. सोनल पालीवाल, जो पिछले 6 वर्षों से आरओपी पर कार्य कर रही हैं, ने दोनों बच्चों की विस्तृत जांच की। समय पर उपचार मिलने से अब दोनों बच्चों की स्थिति बेहतर है और माता-पिता ने सेवा सदन आई हॉस्पिटल एवं डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया।

वीर सावरकर की जयंती पर माल्यार्पण कर दी पुष्पांजलि

वीर सावरकर के नाम मात्र से राष्ट्रभक्ति जागृति हो जाती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज।

प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं 'स्वातंत्र्यवीर' विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर वीर सावरकर शासकीय महाविद्यालय स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर ने कहा कि वीर सावरकर के नाम मात्र के स्मरण से ही राष्ट्रभक्ति, साहस और आत्मगौरव की भावना जागृत हो उठती है।

इस दौरान एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने कहा कि सावरकर जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन भारती मां की सेवा में समर्पित कर दिया, जिसके लिए वे सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत एवं वंदनीय रहेंगे। पूर्व जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रामकिशोर नंदवंशी, पार्षद मनोज चौरसिया, भरत निहाल, अमित साहू, अमित श्रीवास्तव, अर्पित साहू, विवेक मालवीय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सफेद चंदन से अभिषेक के बाद हुई बाबा बटेश्वर की महाआरती

बाबा बटेश्वर का सुंदर श्रृंगार।

भोपाल। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा गुरु प्रदोष के अवसर पर कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद चंदन, अक्षत एवं कनेर के पुष्प तथा विजया से बाबा बटेश्वर का प्रदोष काल में अभिषेक किया गया। समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया बृहस्पति ग्रह की शांति, विवाह में आने वाली बाधाओं, आर्थिक परेशानियों से राहत एवं पारिवारिक कलह खत्म करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा बटेश्वर का अभिषेक पूजन किया। रात करीब 10 बजे चंदन मोगरा गुलाब इत्यादि फूल एवं विभिन्न रत्नों की मालाओं से बाबा का विशेष श्रृंगार कर महा आरती की गई।

बुद्ध वंदना, त्रिशरण-पंचशील ग्रहण एवं मंगल कामनाओं के साथ लिया दर्शन लाभ

भगवान बुद्ध के शिष्यों के पवित्र अवशेष भोपाल एयरपोर्ट से मंगोलिया रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजा भोज एयरपोर्ट से भगवान बुद्ध के महान शिष्यों सारिपुत्र और महामोद्गलायन के पवित्र अस्थि अवशेषों को राजकीय सम्मान के साथ मंगोलिया रवाना किया गया। इस अवसर पर मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि इन पवित्र अवशेषों के मंगोलिया में प्रदर्शन से मध्यप्रदेश और भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान मिलेगी। मंत्री पटेल ने कहा कि, भगवान बुद्ध के शिष्यों के पवित्र अवशेषों के मंगोलिया में प्रदर्शन करने से वैश्विक पहचान मिलेगी। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध के इन महान शिष्यों की पवित्र अस्थियां संपूर्ण विश्व में केवल तीन देशों भारत, श्रीलंका एवं म्यांमार में ही संरक्षित हैं, जो हमारे प्रदेश और देश के लिए अत्यंत गौरव की बात है। इस मौके पर श्रीलंका से आए मोस्ट वेनरेबल बानगल उपतिस्स नायक थेरो, बौद्ध धर्मगुरु भन्ते शाक्यपुत्र सागर थेरो, भंते राहुल पुत्र, भन्ते ज्ञानोदय, भन्ते राजरत्न एवं भन्ते संघरत्न विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने बुद्ध वंदना, त्रिशरण-पंचशील ग्रहण एवं मंगल कामनाओं के साथ पवित्र अवशेषों के दर्शन लाभ प्राप्त किए।

भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान मिलेगी

पवित्र अवशेष मंगोलिया के लिए रवाना।

रीवा-चारलापल्ली के बीच 29 जून तक चलेगी स्पेशल ट्रेन

भोपाल। समर सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की ओर से रीवा-चारलापल्ली -रीवा समर स्पेशल ट्रेन 29 जून तक चलेगी। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन आरकेएमपी, बीना, इटारसी, बैतूल, आमला होते हुए गंतव्य को जाएगी। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 02158 रीवा-चारलापल्ली साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 7 से 28 जून तक प्रत्येक रविवार रीवा स्टेशन से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान कर सतना 13:40 बजे, मैहर 14:08 बजे, कटनी मुड़वारा 15:15 बजे, दमोह 16:00 बजे, सागर 17:10 बजे, बीना 19:35 बजे, रानी कमलापति 21:40 बजे एवं इटारसी 23:05 बजे पहुंचकर अगले दिन 14:45 बजे चारलापल्ली स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02157 चारलापल्ली-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 8 से 29 जून तक प्रत्येक सोमवार चारलापल्ली स्टेशन से सायं 17:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन नागपुर 01:45 बजे, इटारसी 07:30 बजे, रानी कमलापति 08:00 बजे, बीना 11:40 बजे, सागर 12:55 बजे, दमोह 14:05 बजे, नीमुड़वारा 16:10 बजे, मैहर 17:40 बजे, सतना 18:15 बजे पहुंचकर सायं 19:30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी। इस गाड़ी में 02 एसएलआर/डी, 4 सामान्य श्रेणी, 12 शयनयान श्रेणी, 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 1 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी एवं 01 वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी सहित कुल 24 कोच रहेंगे।

- मंडल के रानी कमलापति बीना, इटारसी, बैतूल, एवं आमला स्टेशनों पर ठहराव

अकीदत के साथ मनाया गया कुर्बानी और त्याग का पर्व ईद-उल-अजहा

समाज में फैली बुराइयां हटाने और इंसाफ का मजबूत निजाम कायम करने की मांगी दुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में गुरुवार को कुर्बानी और त्याग का पर्व ईद उल अजहा अकीदत के साथ मनाया गया। राजधानी सुबह से मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई और देश, दुनिया में अमन, चैन, खुशहाली के लिए दुआ हुई। नमाज और दुआ के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी काफी चाक-चौबंद नजर आई। ईदगाह में नमाज के दौरान ड्रोन कैमरे से भी मॉनिटरिंग की गई।

ताज-उल-मसाजिद में ईद-उल-अजहा के मौके पर सुबह करीब 7:15 बजे अकीदतमंदों ने नमाज अदा कर देश में अमन, भाईचारे और इंसाफ कायम रहने की दुआ मांगी। नमाज के बाद इमाम द्वारा खास दुआ में समाज और देश से जुड़े कई अहम मुद्दों को उठाया गया। दुआ में अल्लाह से समाज में फैली बुराइयों को दूर करने और मुल्क में इंसाफ का मजबूत निजाम कायम करने की गुजारिश की गई। इमाम ने कहा कि देश की तरक्की तभी संभव है, जब समाज में एकता, प्रेम और न्याय का वातावरण बना रहे। प्रदेश की खुशहाली, विकास और स्थिरता के लिए भी विशेष प्रार्थना की गई।

ईदगाह में जमाज अदा करते मुस्लिम धर्मावलंबी।

जोश व उत्साह के साथ मनाई गई ईद

ईद-उल-अजहा का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। पहली नमाज ईदगाह में सुबह 6:30 बजे अदा की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्म के अनुयाई शामिल हुए। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। शहर की ताजुल मसाजिद, मोती मस्जिद, ईदगाह सहित तमाम मस्जिदों में ईद की नमाज अदा कराई गई। सबसे पहले ईदगाह में ईद की नमाज हुई, यहां शहर काजी सैय्यद मुश्ताक अली नदवी ने नमाज अदा कराई। ईदगाह सहित कई जगहों पर नमाजियों ने जोश व उत्साह के साथ लोगों ने ईद की नमाज अदा की।

शहर में 90 स्थानों पर अदा कराई नमाज

तकरीबन 90 स्थानों पर नमाज अदा कराई गई। ईद की नमाज और दुआ के बाद कुर्बानियों का सिलसिला शुरू हुआ। 41 स्थानों पर कुर्बानी गाह बनाए गए थे। सफेद कपड़े पहने और टोपी लगाकर नमाजी मस्जिदों में पहुंचने लगे थे। इस दौरान अपने परिजनों के साथ कई नन्हे नमाजी भी कुर्ता पायजामा पहन, टोपी लगाकर नमाज अदा करने के लिए पहुंचे थे।

दो दिनों में दिल्ली लौटेगी सर्वेक्षण की टीम

स्वच्छता सर्वे का काम अंतिम चरण में, 90 प्रतिशत हुआ पूरा

स्वच्छ सर्वेक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में एक सप्ताह पहले शुरू हए स्वच्छता सर्वेक्षण का काम लगभग 90 प्रतिशत सर्वे हो चुका है। यह काम अब अंतिम चरण में है। दिल्ली से आई सर्वेक्षण की टीम ने अब तक 90 प्रतिशत सर्वे का काम पूरा कर लिया है और शेष 10 प्रतिशत काम अगले दो दिनों में समाप्त होने की उम्मीद है। इसके तुरंत बाद सर्वेक्षण की टीम दिल्ली के लिए वापस रवाना हो जाएगी। गुरुवार को टीम ने नए शहर के कुछ इलाकों में जाकर आम लोगों से फीडबैक लिया। कुछ पुरानी लोकेशनों पर जाकर सर्वेक्षण किया। गुरुवार को अवकाश होने के बावजूद नगर निगम के नोडल अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ने सुबह अपने-अपने क्षेत्र में सर्वे किया।

आम लोगों से सीधे फीडबैक ले रही है टीम

अब आएगी वाटर प्लस की टीम

जीएसआई सर्वे पूरा कर दिल्ली रवाना होने के बाद, वाटर प्लस की एक टीम दिल्ली से भोपाल आएगी। वाटर प्लस टीम का मुख्य कार्य शहर की वाटर बाड़ी के साथ नाले और नालियों के चैनलाइजेंशन को देखना होगा ।यह टीम शहर के तालाबों, डैम और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण करती है ।इसके अलावा वे उन जलाशयों की तस्वीरें लेकर पोर्टल पर अपलोड करती हैं, जिनमें सीधे नाले या नालियां मिलती हैं। वाटर प्लस के सर्वे में ड्रेनेज सिस्टम की स्थिति का परीक्षण किया जाता है। इस दौरान यह भी देखा जाएगा कि जनसंख्या के आधार पर शहर में कितने स्थानों पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए गए हैं ।

सरकारी रास्ते से हटेगा अतिक्रमण, शुरू होगी आवाजाही

भोपाल। जिला प्रशासन ने सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मुगालिया कोट में सरकारी रास्ते से अतिक्रमण हटाने के निर्देश जारी किए हैं। मामला खसरा नंबर 7/2 से जुड़ा है, जहां एक निजी जमीन तक पहुंचने के लिए केवल एक ही सरकारी रास्ता उपलब्ध है। यह रास्ता ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा योजना के तहत बनाया गया था। आरोप है कि अवधनारायण पाल ने इस सरकारी रास्ते पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। उन्होंने वहां बाउंड्री वॉल, चादर का शेड और गेट लगाकर पूरे रास्ते को बंद कर दिया है, जिससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले की शिकायत जगदीशपुर निवासी महेश पाल द्वारा जिला प्रशासन से की गई थी।

एलोपैथी और आयुर्वेद को मिलाकर बनाएं इंटीग्रेटेड ऑन्कोलॉजी

भोपाल। आयुष मेडिकल एसोसिएशन ने आयुष मंत्रालय को पत्र लिखकर कैंसर उपचार के लिए एलोपैथी और आयुर्वेद को मिलाकर इंटीग्रेटेड ऑन्कोलॉजी बनाने की मांग की है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि एसोसिएशन ने आयुष मंत्रालय नई दिल्ली को पत्र लिखा है। पत्र में एसोसिएशन ने राजधानी भोपाल समेत देशभर के जिला चिकित्सालयों और सुपरस्पेशियलिटी अस्पतालों में कैंसर के उपचार के लिए एलोपैथी और आयुर्वेद को मिलाकर इंटीग्रेटेड ऑन्कोलॉजी (एकीकृत कैंसर उपचार) की व्यवस्था करने मांग की है। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि आयुर्वेदिक औषधियों कैंसर उपचार में प्रभावी है।

आकर्षक झूले में विराजे ठाकुर जी...

भोपाल। इतवारा स्थित श्री हित रसिक राधावल्लभ मंदिर में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ झूलन उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुर जी को आकर्षक झूले में विराजमान किया गया। ठाकुर जी के झूले को मोगरा, गुलाब, सेवांति एवं अन्य रंग-बिरंगे सुगंधित फूलों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से महक उठा। उत्सव के दौरान रसिक भक्तों ने झूलत दोउ नवल किशोर सहित विभिन्न पद एवं भजनों का गायन कर भक्तिरस की सरिता प्रवाहित की।

मैनिट में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में देश भर के विशेषज्ञ पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) पिछले 10 दिन से ऑनलाइन माध्यम से संचालित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सिग्नल प्रोसेसिंग और वायरलेस संचारः अगली पीढ़ी के बुद्धिमान प्रणालियों की नींव विषय पर संचालित व्याख्यान का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देशभर से 100 से अधिक शिक्षक, शोधकर्ता और उद्योग विशेषज्ञों ने सहभागिता की। समापन सत्र में प्रो. केके शुक्ला (निदेशक) के साथ डॉ. आरके पटेरिया (विभागाध्यक्ष, सीएसई) एवं डॉ. धीरज अग्रवाल (विभागाध्यक्ष, ईसीई) उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम मैनिट के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी (ईसीई) तथा कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (सीएसई) विभाग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी, ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया। इस एफडीपी का समन्वयन डॉ. आशीष कुमार साहू और डॉ. राहुल पाल ने किया गया। कार्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटीज सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए गए।

अखिल विश्व गायत्री परिवार का कार्यक्रम

31 को नशामुक्ति जागरुकता का विशेष कार्यक्रम होगा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा संचालित 'नशा मुक्ति अभियान' के अंतर्गत 31 मई को भोपाल में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान शांतिकुंज प्रतिनिधि एवं राष्ट्रीय प्रभारी के.पी. दुबे गायत्री शक्तिपीठ पहुंचे, जहां उन्होंने आयोजन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के पूर्व शाम 6 बजे गायत्री शक्तिपीठ में कार्यकर्ता मशाल जलाकर एकजुटता एवं संकल्प का प्रदर्शन किया गया। यह आयोजन समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया गया। 31 मई को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में विशाल जनजागरण रैली, मानव श्रृंखला एवं नशामुक्ति संकल्प जैसे विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों एवं समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रहेगी।

खुदाई से क्षतिग्रस्त हुई गैस पाइपलाइन, बहाल हुई सप्लाई

भोपाल। राजधानी के 11 मील क्षेत्र में हाल ही में खुदाई के दौरान थिंक गैस की सिटी गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। यह एक ड्रेनेज ठेकेदार द्वारा बिना पूर्व सूचना के की गई खुदाई के दौरान पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाया, जिससे गैस रिसाव हुआ और आसपास के कई घरों की पाइप्ड नेचुरल गैस सप्लाई कुछ समय के लिए प्रभावित हुई। घटना की जानकारी मिलते ही थिंक गैस की इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंची और तुरंत सुधार कार्य शुरू किया। कंपनी ने कम समय में गैस सप्लाई दोबारा बहाल कर दी, जिससे लोगों को ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। थिंक गैस ने बताया कि संबंधित ठेकेदार ने खुदाई शुरू करने से पहले कंपनी को सूचना नहीं दी। कंपनी ने इस मामले में जिम्मेदार पक्ष के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है।

असुरक्षा, हिंसा, व दबाव जैसे मुद्दों पर विमर्श

'सेफ्टी फर्स्ट कैंपेन' पर मंत्री नरेंद्र से जूनियर डॉक्टरों ने की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क मध्य प्रदेश ने राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को राष्ट्रव्यापी 'सेफ्टी फस्ट कैंपेन' पर चर्चा कर जानकारी दी। अभियान का उद्देश्य डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और अस्पतालों में सुरक्षा एवं जागरुकता बढ़ाना है।

जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के महासचिव डॉ कुलदीप गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नरेंद्र शिवाजी पटेल को स्वास्थ्य संस्थानों में बढ़ती असुरक्षा, डॉक्टरों पर हिंसा और मानसिक दबाव जैसे मुद्दों पर चर्चा की। संगठन ने कहा कि अस्पतालों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा वर्तमान समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है। अभियान के तहत अस्पतालों में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण पर जोर दिया जा रहा है।

डॉक्टर्स की सुरक्षा और सम्मान सभी की जिम्मेदारी

राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने 'सेफ्टी फस्ट कैंपेन' की सहारना कर कहा कि डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं और जनजागरूकता अभियानों को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

महापौर ने केरवा फिल्टर प्लांट का किया निरीक्षण, देखी व्यवस्थाएं

कहा-पानी की गुणवत्ता का रखें ध्यान, सप्लाई में न हो रुकावट

फिल्टर प्लांट की कार्यप्रणाली, जल शुद्धीकरण मानकों और पम्पिंग स्टेशन की व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महापौर मालती राय ने केरवा डैम स्थित नगर निगम के वॉटर फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया और शहर में जल प्रदाय व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा किभीषण गर्मी के इस मौसम में शहर के लोगों को पर्याप्त, स्वच्छ और शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान फिल्टर प्लांट की कार्यप्रणाली, जल शुद्धीकरण के मानकों और पम्पिंग स्टेशन की तकनीकी व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जल प्रदाय में किसी भी प्रकार का व्यवधान न आए और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग और नगर निगम के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

पानी सप्लाई के लिए प्रत्येक परिवार पर 710 रुपए खर्च करता है निगम

महापौर राय ने बताया कि शुद्ध पेयजल नागरिकों के घर तक पहुंचाने में निगम प्रशासन को औसतन रूपये 710 प्रति परिवार खर्च वहन करना पड़ता है इसके विपरीत निगम प्रशासन जनता से जलकर के रूप में मात्र रूपये 210 प्रति परिवार ले रहा है। महापौर मालती राय ने शहर के नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जल ही जीवन है इसका अपव्यय न करें और नल की लाईन में अवैध रूप से मोटर न लगाये जिससे सभी नागरिकों को समान रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके।

कर्नाटक के 'नाटक' का आखिरकार हो ही गया अंत

मुख्यमंत्री पद को लेकर 3 साल की रस्साकशी 3 दिन में हो गई खत्म

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए 3साल पहले शुरू हुई जद्दोजहद आखिरकार खत्म हो गई है। 2023 में मई के महीने में ही कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी थी। तब 2 कद्दावर नेताओं- सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार में मुख्यमंत्री बनने की होड़ मची थी।

कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को सीएम बनाने को मंजूरी दी, वहीं शिवकुमार को डिप्टी सीएम पद से संतोष करना पड़ा। तब यह भी अटकलें लगी थीं कि दोनों नेताओं के बीच ढाई-ढाई साल सीएम पद पर रहने की सहमति बनी है।

3 साल पहले लगी थी सीएम पद की होड़

तीन साल पहले मई 2023 में जब कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी, तब मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया औरशिवकुमार के बीच कड़ी होड़, जिसे गेम ऑफ थ्रोन्स भी कहा गया, शुरू हो गई थी। दोनों ही दिग्गजों ने इस शीर्ष पद के लिए अपनी मजबूत दावेदारी और पैरवी पेश की थी। उस समय दोनों ही नेताओं ने अपनी ताकत दर्शाते हुए सीएम पद पर दावा रखा था।

मई 2023 में बनी थी सिद्धारमैया के नेतृत्व में सरकार

यह था सिद्धारमैया का पक्ष

सिद्धारमैया ने अपने पास राजनीति का लंबा अनुभव और पार्टी के 135 नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायकों में से 90 का समर्थन होने की बात कही थी। इसके अलावा, अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्गों और दलितों खासकर कुरबा और मुस्लिम समुदायों के बीच उनका एक बहुत मजबूत और व्यापक जनाधार था।

यह था शिवकुमार का पक्ष

शिवकुमार ने कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पार्टी को मुश्किल समय से निकालते हुए राज्य में चुनाव अभियान का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया था और कांग्रेस को एक शानदार जीत दिलाई थी। उन्हें राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों के नेताओं का भी कड़ा समर्थन हासिल है।

कथित गुप्त समझौते की होती रही चर्चा

सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कड़े मुकाबले को सुलझाने के लिए कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने हस्तक्षेप किया और एक कथित समझौता कराया। इस समझौते के तहत सिद्धारमैया को राज्य का मुख्यमंत्री और शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। शिवकुमार के समर्थकों का लगातार यह दावा करते रहे हैं कि सरकार गठन के समय ढाई-ढाई साल के लिए रोटेशनल मुख्यमंत्री का फॉर्मूला तय किया गया था।

ये रही भावी सीएम शिवकुमार की 'अमीरी'

852 करोड़ का शॉपिंग मॉल, आलीशान घर और नेटवर्थ 1,400 करोड़ रु.के पार

शिवकुमार की गिनती सबसे अमीर नेताओं में की जाती है। विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान चुनाव आयोग को सौंपे गए हलफनामे में शिवकुमार ने अपनी चल-अचल संपत्ति का खुलासा किया था। उनके नाम पर शॉपिंग मॉल समेत अन्य महंगी कमर्शियल प्रॉपर्टीज हैं, वहीं शेयर बाजार में भी उन्होंने करोड़ों रुपए का निवेश किया है।

4 करोड़ के शेयर, सोना भी करोड़ों का

शिवकुमार ने शेयर बाजार में भी करोड़ों का निवेश किया है। यूनियन बैंक से लेकर बैंक ऑफ बड़ोदा तक, कौस्तुभ प्रोजेक्ट्स से लेकर वीक्रांस डेवलपर्स तक के शेयरों में उन्होंने पत्नी समेत 4.20 करोड़ लगाए हैं।

अचल संपत्ति बेशुमार

शिवकुमार और पत्नी के नाम पर 30 करोड़ की एग्रीकल्चर लैंड दर्ज है। 84 करोड़ से ज्यादा कीमत के कई घर और फ्लैट हैं, जो दिल्ली से बेंगलुरु तक में हैं।

खबर संक्षेप

डब्ल्यूएफआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

नई दिल्ली। विनेश फोगाट को एशियन गेम्स 2026 चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को बेंच करेगी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच डब्ल्यूएफआई की याचिका पर सुनवाई करेगी।

केरलम में ईडी अफसरों पर हमले, 8 गिरफ्तार

नई दिल्ली। केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास के बाहर ईडी की गाड़ी पर हुए हमले के मामले में केरल पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। राज्य पुलिस महानिदेशक रवदा आजाद चंद्रशेखर ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। चंद्रशेखर ने कहा कि हमने अन्य शामिल लोगों की भी पहचान कर ली है।

रामबाग मार्केट में आग से 25 दुकानें राख

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर स्थित रामबाग मार्केट में गुरुवार शाम बांस की सीढ़ियों और लकड़ी का सामान बनाने वाले खोखों में भीषण आग लग गई। बाजार में बड़ी मात्रा में बांस, लकड़ी, स्पेयर पार्ट्स, करियाना आदि की दुकान हैं। सारा सामान राख हो गया। आग आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। एक व्यक्ति जिंदा झुलस गया।

अजमेर से लौट रहे परिवार की बोलेरो पलटी, 4 मरे

अजमेर। जिले के पचपदरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे हुआ। भाडियावास गांव के पास इस भीषण हादसे में अजमेर दरगाह से जियारत कर लौट रहे परिवार की बोलेरो गाड़ी अचानक टायर फटने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई। वाहन सड़क से करीब 10 फीट नीचे जा गिरा। मां-बेटे समेत चार लोगों की मौत हो गई।

तृणमूल कार्यालय से 300 पहचान पत्र जब्त

कोलकाता। कोलकाता के तंगरा इलाके में गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय कार्यालय से कथित तौर पर बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड और राशन कार्ड बरामद किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 57 के तंगरा सेकंड लेन में स्थित पार्टी कार्यालय में एक अलमारी से करीब 300 पहचान पत्र बरामद हुए हैं।

गुजरात दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित ने किया बड़ा ऐलान

ममता सरकार ने कराई घुसपैठ, अब घुसपैठिए स्वेच्छा से लौट जाएं तो सख्त कार्रवाई नहीं होगी

गांधीनगर में जनता के बीच गृहमंत्री शाह

600 हेक्टेयर जमीन बीएसएफ को देने पर सीएम सुवेंदु को बधाई दी

बाड़ लगाने का काम जल्द शुरू होगा

सरकार उनके लौटने की प्रक्रिया में मदद करेगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ गांधीनगर

गुजरात के गांधीनगर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी को बीएसएफ को केवल 7 दिन में 600 हेक्टेयर जमीन सौंपने के लिए बधाई दी। शाह ने कहा कि चुनाव के दौरान हमने कहा था कि अगर हमें सत्ता मिली तो बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम कुछ ही दिनों में शुरू हो जाएगा। शाह ने कहा, चिकन नेक कॉरिडोर में 121 हेक्टेयर जमीन भी भारत सरकार को सौंप दी गई है। पहले ममता के शासनकाल में हर दिन घुसपैठ होती थी लेकिन अब घुसपैठिए खुद ही वापस लौटने लगे हैं। सुवेंदु सरकार ने नजरबंदी केंद्र स्थापित किए हैं। हम सभी चाहते हैं कि अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोग स्वेच्छा से अपने मूल स्थानों पर लौट जाएं। अगर वे खुद लौटते हैं तो बंगाल सरकार उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगी। जाने में मदद भी करेगी। शाह ने 340 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने 620 करोड़ रुपये की नागरिक और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी सौगात दी।

देश के लगभग 80 फीसदी भौगोलिक क्षेत्र में भाजपा का शासन

गांधीनगर में परियोजना का लोकार्पण किया

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गुजरात से विकास की यात्रा शुरू की थी और आज उनकी सरकार ने 12 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने गुजरात के विकास मॉडल को कश्मीर से कन्याकुमारी और गंगासागर से सोमनाथ तक फैलाया है। आज विकास दिखाई दे रहा है।

वीर सावरकर को दी श्रद्धांजलि

शाह ने कहा कि आज वीर सावरकर की जयंती है। विनायक दामोदर सावरकर इतने महान देशभक्त थे कि उन्हें किसी सरकारी सम्मान की आवश्यकता नहीं थी। पूरे देश में उन्हें केवल विनायक दामोदर सावरकर के रूप में ही नहीं, बल्कि भारत के हर बच्चे को 'वीर सावरकर' के नाम से याद किया जाता है। उन्होंने पूरा जीवन देशभक्ति और भारत माता को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के लिए समर्पित किया। वे एकमात्र स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्हें दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

जनसांख्यिकीय आयोग गठित करने का फैसला

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसांख्यिकीय परिवर्तन आयोग समिति गठित करने का निर्णय लिया है। यह उच्चस्तरीय समिति देश भर में हो रहे आर्टिफिशियल डेमोग्राफिक चेंज के कारणों की जांच करेगी और संभावित समाधानों पर भी विचार करेगी। यह इस बात का भी आकलन करेगी कि क्या इस मुद्दे को हल करने के लिए किसी कानून की आवश्यकता है। जनसांख्यिकीय परिवर्तन आयोग एक साल के अंदर ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और आर्टिफिशियल डेमोग्राफिक चेंज को रोकने के प्रयास किए जाएंगे।

सुवेंदु ने अवैध प्रवासियों को दी थी सख्त चेतावनी

बंगाल छोड़कर चले जाएं, यहां पालने की जरूरत नहीं

बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को कड़ी चेतावनी दी है कि वे तुरंत बंगाल छोड़कर चले जाएं। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि इन घुसपैठियों को जेल में रखकर सरकारी पैसे (भोजन, दवा, और कपड़े) पर पालने की कोई जरूरत नहीं है। हाकिमपुर चेकपोस्ट और कल्याणी में जनसभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने तंज कसा।

सीधे खदेड़ने के निर्देश: उन्होंने घुसपैठियों को 'जल्दी-जल्दी भागो' की अंतिम चेतावनी दी है। साथ ही, पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उन्हें जेल न भेजकर सीधा सीमा पार खदेड़ा जाए।

जमीनी कार्रवाई: मुख्यमंत्री के सख्त तेवरों के बाद, राज्य के कई संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों (जैसे मालदा और मुर्शिदाबाद) में विशेष होल्डिंग सेंटर सक्रिय कर दिए गए हैं।

बॉर्डर पर भीड़: इस अल्टीमेटम के बाद, हाकिमपुर बॉर्डर चेकपोस्ट पर भारी संख्या में ऐसे बांग्लादेशी नागरिकों की कतारें देखी गई हैं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर जानकारी दी

केवल ढांचा तैयार न करें,अब विकास को तेजी से पूरा भी करें

विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

समीक्षा बैठक में पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने बुधवार को प्रगति की 51वीं बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें देशभर की कई अहम विकास परियोजनाओं की समीक्षा की गई। यह बैठक 'सेवा तीर्थ' में आयोजित हुई। प्रधानमंत्री ने 30,000 करोड़ से अधिक लागत वाली विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इनमें रेलवे, बिजली और सड़क संपर्क से जुड़ी परियोजनाएं शामिल थीं, जो 9 राज्यों में फैली हैं। इसमें समय-सीमा, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और लंबित मुद्दों के समाधान पर विशेष ध्यान दिया गया। केन-बेतवा लिंक परियोजना और स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा था कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल ढांचा तैयार करना नहीं है बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना जरूरी है। उन्होंने राज्यों से ठोस कचरा प्रबंधन, अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र को पूरा करने की बात कही।

रूफटॉप सोलर सिस्टम को बढ़ावा दें

प्रधानमंत्री ने शहरी क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर सिस्टम को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा था कि इसे मिशन मोड में लागू किया जाना चाहिए, ताकि बिजली की लागत कम हो, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिले। उन्होंने इसके विस्तार की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री ने वधावन बंदरगाह को एक आधुनिक मल्टी-मॉडल विकास मॉडल के रूप में विकसित करने की बात कही। उन्होंने कहा था कि इसे राष्ट्रीय स्तर के एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में तैयार किया जाना चाहिए।

'केन-बेतवा नदी जोड़ो' की प्रस्तुति दी गई

बैठक में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को भी एक मॉडल परियोजना के रूप में प्रस्तुत किया गया। पीएम मोदी ने कहा था कि ऐसी परियोजनाएं राज्यों के बीच सहयोग और जल संसाधनों के बेहतर उपयोग का उदाहरण बन सकती हैं। उन्होंने जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और कुशल सिंचाई प्रणाली को मजबूत करने पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि सरकारी परियोजनाओं में देरी से लागत बढ़ती है और आम जनता को सुविधाओं का लाभ देर से मिलता है। इसलिए सभी मंत्रालयों और राज्यों को अधिक सक्रिय होकर समयबद्ध तरीके से काम पूरा करना चाहिए।

मथुरा में भंडारे को लेकर खूनी संघर्ष

ताबड़तोड़ फायरिंग में 6 लोग घायल, गांव में फोर्स तैनात

एजेंसी ▶▶ मथुरा

गांव महोली में भंडारे को लेकर 2 पक्षों के बीच विवाद खूनी संघर्ष और फायरिंग तक पहुंच गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। गोली से 6 लोग घायल हो गए है। एक की हालत गंभीर है। विवाद एक पक्ष की ओर से पार्षद पुष्पा देवी उर्फ गुड्डी प्रधान और दूसरे पक्ष की ओर से चंद्रपाल सिंह के समर्थकों के बीच हुआ।

घटना के बाद गांव में फैला तनाव

दोनों ओर से लाठी-डंडे चले और फिर फायरिंग शुरू हो गई। घटना में दोनों पक्षों के 6 लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हरिओम नामक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों पक्ष ठाकुर समाज से हैं। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

बघेल का रामभद्राचार्य पर निशाना

फ्यूल सस्ता कराने अपने चेले धीरेंद्र शास्त्री से निकलवाएं पर्ची

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ में जगतगुरु रामभद्राचार्य और बागेश्वर धाम सरकार पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्रकृष्ण शास्त्री को लेकर जमकर सियासत गरमाई है। अब पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी उन्हें निशाने पर लिया है। बघेल ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य पर तंज कसते हुए कहा कि वे अपने चेले कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से पेट्रोल-डीजल के दाम कम करवाएं। पर्ची निकलवाएं।

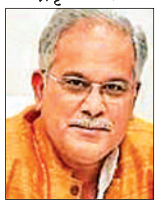

ट्वीट कर साधा निशाना

बघेल ने निशाना साधते हुए कहा कि रामभद्राचार्य जी गौ-भक्त हैं, राम भक्त हैं तो वे ये बताएं कि मोदी जी ने तो गौ-मांस भक्षक किरण रिजिजू को अपने मंत्रिमंडल में रखा है? रामभद्राचार्य जी बड़े ज्ञानी और गुणी हैं, मैं उनसे पूछना चाहूंगा कि वे मोदी जी ट्रंप के सामने इतना झुक क्यों जाते हैं, आप अपनी दिव्यदृष्टि से बताएं?

दिल्ली विस में बिरला ने किया विमोचन

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में केंद्रीय विधायी विधानसभा की 1924–1930 की कार्यवाही पर आधारित 89 खंडों (वॉल्यूम) का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह दुर्लभ ऐतिहासिक दस्तावेज युवा पीढ़ी के लिए एक मार्गदर्शक का काम करेगा। इस दौरान बिरला ने विधानसभा की पत्रिका 'विधान चेतना' के उद्घाटन अंक का भी अनावरण किया।

चुनाव हारते ही टीएमसी में अंदरूनी कलह चरम पर

पार्टी प्रवक्ता डॉ.सेन ने दिया इस्तीफा, नहीं करूंगा समर्थन

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी को फिर बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. शांतनु सेन ने राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। डॉ. सेन ने इस्तीफा पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को भेजा है। उन्होंने साफ कहा कि मौजूदा हालात में वह ऐसा करने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं। सारी जनता ने आरजी कर केस, अभया केस और भ्रष्टाचार को लेकर हमें खारिज कर दिया है।

मौजूदा हालात में हम मानसिक रूप से तैयार नहीं

काकोली ने बिरला को लिखा पत्र

अपनी ही पार्टी के नेता कल्याण बेनर्जी की शिकायत की

अब बंगाल में कलह सार्वजनिक हो गई है। टीएमसी नेता काकोली घोष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में टीएमसी सांसद कल्याण बेनर्जी के खिलाफ शिकायत की गई है। घोष ने स्पीकर से अपनी पार्टी के चीफ व्हिप कल्याण के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की अनुमति मांगी है।

कल्याण ने किया पलटवार

उनकी मंशा पर उठता है सवाल

टीएमसी सांसद कल्याण बेनर्जी ने काकोली घोष द्वारा उन पर लगाए गए आरोपों पर कहा कि सदन में किसी भी घटना की जानकारी तुरंत स्पीकर को दी जानी चाहिए। अगर सदन के भीतर कोई घटना होती है तो स्पीकर के संज्ञान में लाना जरूरी होता है। कल्याण ने आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि असली मुद्दा यह है कि किसने क्या कहा और कब कहा। उन्होंने आरोप लगाने वालों की मंशा पर भी संदेह जताया कि पूरे मामले के पीछे कोई उद्देश्य है।

टीएमसी सांसद रॉय ने की सीएम सुवेंदु की तारीफ

हमने ऐसा मेहनती नेता नहीं देखा

टीएमसी के सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने सीएम सुवेंदु अधिकारी और उनकी सरकार की तारीफ की है। रॉय ने कहा कि वे बहुत ही ज्यादा मेहनती हैं। अभी-अभी तक जो भी काम सरकार ने किए हैं, उससे आम जनता बहुत खुश है। सरकार सही रास्ते पर है।

जापान के लिए भारतीय आम नहीं रहा खास, आयात पर लगाया बैन

अल्फांसो से लेकर केसर तक प्रभावित, 20 साल बाद जापान ने लगाया प्रतिबंध, भारतीय आम उत्पादकों की बढ़ी चिंता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय आम उत्पादकों और निर्यातकों के लिए इस बार का सीजन भारी संकट लेकर आया है। जापान ने भारत से आम के आयात पर अस्थायी रोक लगा दी है। जापानी क्वारंटीन अधिकारियों ने भारत की कीट-नियंत्रण और डिसइन्फेक्शन प्रक्रियाओं में खामियां मिलने के बाद यह कदम उठाया है।

20 साल बाद फिर जापान का प्रतिबंध

करीब दो दशक बाद जापान ने भारतीय आमों पर इस तरह की सख्ती दिखाई है। इससे पहले जापान ने फल मक्खी के खतरे को लेकर भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे 2006 में भारत द्वारा सुरक्षा मानकों को मजबूत करने के बाद हटाया गया था। जापान की कृषि सुरक्षा एजेंसियां फल मक्खियों जैसे आक्रामक कीटों के मामले में 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाती हैं।

साइप्रस में इयू के विदेश मंत्रियों से मिले जयशंकर

यूक्रेन जंग और पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय संकट पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ निकोसिया

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को साइप्रस में यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान मंत्रियों ने उभरते बहुध्रुवीय व्यवस्था में अवसरों, व्यावहारिक सहयोग और अपने साझा हितों पर चर्चा की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के मंत्रियों की अनौपचारिक जिम्निच बैठक में शामिल होने के लिए लिमासोल में आकर बहुत अच्छा लगा। यूरोपीय संघ और इस क्षेत्र के साथ हमारी साझेदारी कई क्षेत्रों में लगातार गहरी होती जा रही है। उभरते बहुध्रुवीय व्यवस्था में अवसरों, व्यावहारिक सहयोग और हमारे साझा हितों पर चर्चा की गई।

> जयशंकर ने कहा कि यूरोपीय संघ और इस क्षेत्र के साथ हमारी साझेदारी कई क्षेत्रों में लगातार गहरी होती जा रही है। उभरते बहुध्रुवीय व्यवस्था में अवसरों, व्यावहारिक सहयोग और हमारे साझा हितों पर चर्चा की गई

कई देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर हुई बातचीत

ईयू के विदेश मंत्रियों के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर

भू-आर्थिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श

जिम्निच फोरम यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक है, जो प्रमुख भू-आर्थिक चुनौतियों, सुरक्षा और रणनीतिक मामलों पर चर्चा करने के लिए समय-समय पर आयोजित की जाती है। जयशंकर ने जिम्निच फोरम से इतर नीदरलैंड, पोलैंड, फ्रांस, स्लोवाकिया और एस्टोनिया के विदेश मंत्रियों और पोलैंड के उप प्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ भी बैठकें कीं। बता दें, विदेश मंत्री एस. जयशंकर बुधवार को यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की एक अनौपचारिक बैठक में भाग लेने के लिए साइप्रस पहुंचे।

रूस-यूक्रेन के बीच स्थायी शांति हो

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने यूक्रेनी समकक्ष एंड्री सिबिहा से भी मुलाकात में रूस-यूक्रेन संघर्ष पर स्थायी शांति की प्रतिबद्धता जताई और द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।

ईयू संग एफटीए पर चर्चा

जयशंकर ने यूरोपीय संघ की विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि काजा कल्लास से भारत-यूरोपीय संघ के साथ हुए एफटीए को तेज गति देने और पश्चिम एशिया हालात पर भी बातचीत की।

सऊदी अरब के विदेश मंत्री से मुलाकात

विदेश मंत्री जयशंकर ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ बैठक की, जहां दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय घटनाक्रम पर विचारों पर बात की।

स्पेन के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाएंगे

जयशंकर ने स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस से मुलाकात में रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

खबर संक्षेप

इबोला के चलते हाई अलर्ट पर सभी एयरपोर्ट

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर इबोला के बढ़ते खतरों को देखते हुए एयरपोर्ट हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने

देश के सभी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया है। अब दुनिया के किसी भी कोने से भारत पहुंचने वाले हर यात्री को इस सख्त सुरक्षा घेरे से गुजरना होगा। नए प्रोटोकाल के तहत, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से उतरने वाले सभी यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। 21 दिनों का विस्तृत यात्रा इतिहास देना होगा। स्वास्थ्य संबंधी लक्षणों की वर्तमान स्थिति भी बतानी होगी।

गुजरात की छात्रा विधि की चाकू घोंपकर हत्या

ओटावा। गुजरात के आनंद जिले की रहने वाली 22 वर्षीय भारतीय छात्रा विधि कल्पेशभाई मेघानी

कनाडा में करियर बनाने गई थी। जहां नायग्रा में 15 मई को उसकी चाकू गोद कर हत्या कर दी गई है। वो घर से निकली थी कि हमलावार ने इस पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। विधि चीखती-चिल्लाती रही जब तक मदद पहुंची तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हालांकि, इस खौफनाक घटना को कई दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा है।

ओमान के दखल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर किसी का नियंत्रण नहीं नाजुक बातचीत के समय दखल अस्वीकार्य

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

> ट्रंप ने कहा कि यह समुद्री रास्ता सबके लिए खुला रहेगा। यह अंतरराष्ट्रीय पानी है। इस पर किसी का नियंत्रण नहीं होगा। हम इस पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। यह हमारी बातचीत का हिस्सा है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओमान को चेतावनी दी है कि वह ईरान के साथ चल रही नाजुक बातचीत में दखल न दे, यह अस्वीकार्य है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नजर रखेगा।

व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या वह ऐसे छोटे समय के समझौते को मानेंगे, जिसमें ईरान और ओमान इस अहम समुद्री रास्ते को मिलकर नियंत्रित करें। इस पर ट्रंप ने कहा कि यह समुद्री रास्ता सबके लिए खुला रहेगा। यह अंतरराष्ट्रीय पानी है। इस पर किसी का नियंत्रण नहीं होगा। हम इस पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। यह हमारी बातचीत का हिस्सा है।

ईरान को किसी भी तरह के प्रतिबंधों से राहत नहीं मिलेगी

कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते डोनाल्ड ट्रंप

जल्दबाजी में नहीं करेंगे समझौता

ट्रंप ने कहा कि वह मिडटर्म चुनावों के राजनीतिक दबाव की वजह से ईरान के साथ किसी समझौते में जल्दबाजी नहीं करेंगे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अभी चर्चा में चल रही शर्तों से संतुष्ट नहीं है और अगर उसकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वह फिर से सैन्य कार्रवाई कर सकता है। कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि ईरान को अपने उच्च स्तर पर समृद्ध यूरेनियम के भंडार को छोड़ने के बदले में किसी तरह की प्रतिबंधों से राहत नहीं मिलेगी।

कुवैत पर मिसाइल से हमला

कुवैत की सेना ने कहा है कि उनके एयर डिफेंस ने एक मिसाइल हमले का पता लगाया है। कुवैती सेना ने कहा कि एयर डिफेंस ने मिसाइल और ड्रोन्स को हवा में ही मार गिराया, जिससे तेज धमाका हुआ। कुवैत की सरकार ने सभी नागरिकों से सुरक्षा सलाह को मानने की अपील की।

लेबनान पर इजराइल हमले में 14 की मौत

इजराइल और हिजबुल्ला के बीच संघर्ष में इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कई शहरों पर भीषण हवाई हमले किए हैं। इनमें तायर, सिडोन और नबातिएह जैसे इलाके शामिल हैं। तायर के पास एक ड्रोन हमले में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सिडोन में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग पर हुए हमले में पांच लोगों की जान चली गई और कई घायल हुए। सिडोन में हुए हमले में विस्थापित परिवारों के रहने वाले मकानों को भी निशाना बनाया गया, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 2 मार्च से जारी इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या 27 मई तक बढ़कर 3,269 हो गई है, जबकि 9,840 लोग घायल हुए हैं।

ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर हमला

ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट शहर के पूर्वी इलाके में गुरुवार तड़के करीब 1:30 बजे तीन धमाकों की आवाज सुनी गई। यह शहर होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित है। एयर डिफेंस सिस्टम तुरंत सक्रिय कर दिए गए। अमेरिका ने दावा किया कि उसने यह हमला आत्मरक्षा में किया है। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने हमला करके पहले से ही नाजुक सीजफायर को चुनौती दी है।

'डोनाल्ड ट्रंप' नाम के भैंसे की कुर्बानी पर रोक

बांग्लादेश में सुनहरे बालों की वजह से 'डोनाल्ड ट्रंप' नाम से मशहूर भैंसे को बकरीद

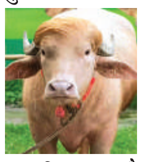

की कुर्बानी से बचा लिया गया है और ढाका के राष्ट्रीय चिड़ियाघर में भेज दिया है। यह 700 किलो का एक दुर्लभ एल्बिनो भैंसा है। इसके सिर पर हल्के रंग के बालों का गुच्छा है।

ऑस्ट्रेलिया की संसद में अल्बनीज बोले

पीएम मोदी की मेजबानी करना हमारे लिए बेहद सम्मान की बात

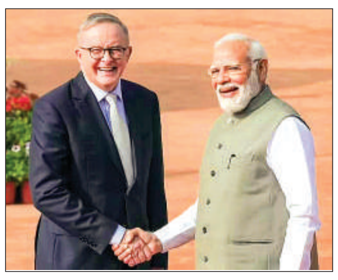
एंथनी अल्बनीज और पीएम मोदी फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने पीएम नरेंद्र मोदी के जल्द ऑस्ट्रेलिया दौरे को लेकर बड़ा बयान दिया है। कैनबरा में संसद को संबोधित करते हुए अल्बनीज ने कहा कि भारत, जो पहले ही दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है, इस दशक में वैश्विक अर्थव्यवस्था की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने भारत को ऑस्ट्रेलिया का बेहद महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों की जमकर तारीफ की। पीएम ने कहा मुझे जल्द ही पीएम मोदी की मेजबानी करने का अवसर मिलेगा, और यह मेरे लिए बेहद सम्मान की बात होगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में भारत के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अल्बनीज के संबोधन का वीडियो साझा किया।

भारत की विकास यात्रा से सबके लिए अवसर

पीएम अल्बनीज ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि सिर्फ एक देश की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया केवल प्रशांत महासागर का देश नहीं, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे दोनों देशों के रिश्ते और गहरे होते हैं। उन्होंने 2022 में हुए आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समझौते ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई मजबूती दी है। साथ ही शिक्षा, संस्कृति और क्रिकेट जैसे क्षेत्रों ने भी दोनों देशों को आपस में करीब लाने का काम किया है।

भारतीय समुदाय की रक्षा करेंगे

अल्बनीज ने ऑस्ट्रेलिया में बसे भारतीय समुदाय की भी खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि लगभग दस लाख भारतीय मूल के लोग न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि छोटे व्यापारों और समाज में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। हमारा देश आप सभी की वजह से बेहतर हुआ है। मेरी सरकार हमेशा आपके हितों की रक्षा करेगी और किसी भी तरह के विभाजनकारी प्रयासों का विरोध करेगी।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने संवाद में किया भारत का नेतृत्व

भारत-सिंगापुर रक्षा संवाद में तलाशे गए रणनीतिक संबंधों को मजबूती देने के रास्ते

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती चीन की दादागिरी के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और स्थायी सचिव

जोसेफ लियोंग ने को सिंगापुर में आयोजित किए गए 16वें भारत-सिंगापुर रक्षा नीति संवाद की सह अध्यक्षता की है। दोनों देशों के बीच जारी रक्षा समझौतों की समीक्षा की गई, रक्षा सहयोग, सैन्य गतिविधियों, उद्योग सहयोग, क्षमता निर्माण और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों पक्षों ने रणनीतिक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने और उद्योगों के बीच सहयोग को पारस्परिक हित के मुताबिक आगे बढ़ाने से जुड़े हुए उपायों की भी तलाश के लिए नए रास्ते भी तलाशे।

हिंद-प्रशांत को लेकर दोहराई प्रतिबद्धता

साइबर सुरक्षा, एआई, समुद्री सुरक्षा, नवाचार आधारित साझेदारी और उभरते हुए क्षेत्रों में सहयोग के महत्व पर बल दिया गया। दोनों देशों ने एक खुली, समावेशी और नियम आधारित सुरक्षा संरचना का समर्थन करने के साथ-साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यावहारिक और रचनात्मक रक्षा सहयोग को बढ़ाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

सीमा पार बहने वाली नदियों से जुड़े विशेषज्ञ तंत्र की जल्द बैठक बुलाने पर भारत ने दिया जोर

भारत-चीन सीमा मामलों की बैठक में उठे परिसीमन, सीमा प्रबंधन-सहयोग जैसे मुद्दे

पीएम मोदी, शी जिनपिंग फाइल फोटो

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कश्मीर के मुद्दे पर आपस में तीखी बयानबाजी करने के बाद भारत और चीन सीमा मामलों पर समन्वय और सहयोग स्थापित करने के लिए गठित किए गए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बीजिंग में 35 वीं बैठक हुई है। जिसमें दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से जुड़े इलाकों की स्थिति की समीक्षा की है।

साथ ही इन जगहों पर शांति और सौहार्द कायम करने को लेकर अब तक हुई प्रगति को लेकर भी संतोष जाहिर किया है। क्योंकि इसका सीधा संबंध धीरे-धीरे सामान्य हो रहे द्विपक्षीय संबंधों से जुड़ा हुआ है।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जारी किए गए एक बयान के जरिए बताया कि बीते 27 मई को हुई डब्ल्यूएमसीसी की इस बैठक में भारत का पूरा जोर दोनों देशों के बीच सीमा पार बहने वाली नदियों के विषय पर गठित किए गए विशेषज्ञ तंत्र की अगली बैठक जल्द से जल्द बुलाने पर रहा।

परिसीमन, सीमा प्रबंधन पर हुई चर्चा

बैठक में परिसीमन, सीमा प्रबंधन, सीमा पार सहयोग और अन्य जरूरी तंत्र के विकास जैसे कुछ अन्य मामलों पर भी दोनों पक्षों ने विचार-विमर्श किया है। कुल मिलाकर देखें तो यह चर्चा रचनात्मक होने के साथ ही भविष्योन्मुखी साबित हुई है। दोनों देशों के डब्ल्यूएमसीसी से जुड़े हुए अधिकारी भविष्य में भी कूटनीतिक और सैन्य आदान-प्रदान के लिए स्थापित तंत्र के जरिए लगातार एक दूसरे के संपर्क में बने रहेंगे। उनके बीच हुई वार्ता में भारत, चीन के विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) के बीच हुई 24 वीं वार्ता के परिणामों पर बनी सहमति को भी शामिल किया गया है।

पीयूष गोयल ने कनाडा कंपनियों को भारत में निवेश का दिया न्योता

एआई और दुर्लभ खनिज क्षेत्र में निवेश और सहयोग करेगा कनाडा, नवंबर में दिल्ली आएगा विशेष दल

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

एआई, दुर्लभ खनिज समेत कई क्षेत्रों में सहयोग-निवेश के लिए कनाडाई कंपनियां भारत में दस्तक देंगी। कनाडा इस वर्ष नवंबर में टीम कनाडा ट्रेड मिशन भारत भेजेगा। यह ऐलान कनाडाई व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ किया। गोयल स्वच्छ ऊर्जा व एआई क्षेत्र में भारत के साथ साझेदारी के लिए कनाडाई निवेशकों के साथ बैठक की। उन्होंने कनाडा के कॉर्पोरेट प्रमुखों संग द्विपक्षीय कार्ययोजना भी तैयार की।

कनाडाई वाणिज्य मंत्री मनिंदर सिद्धू और पीयूष गोयल

सीईपीए पर वार्ता जारी

भारत और कनाडा ने प्रस्तावित 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' (सीईपीए) पर जारी वार्ता में जल्दी सहमति बन सकने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है जबकि संवेदनशील क्षेत्रों को फिलहाल अलग रखा जाएगा। गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने बातचीत को व्यावहारिक बनाए रखने पर सहमति जताई है।

रूस में अपने समकक्ष एनएसए सर्गेई शोइगु के साथ हुई भारत के एनएसए की मुलाकात

बताएं दुनिया के सभी जिम्मेदार देश कि वो आतंकवाद के मामले में कहां खड़े हैं

रूस से डोभाल की पाकिस्तान को दो टूक आतंकवाद को लेकर नहीं चलेंगे दोहरे मापदंड

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन और पश्चिम-एशिया क्षेत्र में जारी युद्ध के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल रूस की यात्रा पर हैं। जिसमें उन्होंने मॉस्को की धरती से पाकिस्तान को आतंकवाद के मामले पर जमकर फटकार लगाते हुए कहा है कि इस मामले को लेकर किसी प्रकार के दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। ऐसे रवैये के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती है। अब समय आ गया है कि दुनिया के तमाम जिम्मेदार देश अपना रुख स्पष्ट करें कि वो आखिरकार आतंकवाद को लेकर किसके साथ खड़े हैं। क्या वो आतंकवाद के प्रायोजकों के समर्थक हैं।

अजीत डोभाल

एनएसए ने की रक्षा, सुरक्षा संबंधों पर चर्चा

बैठक से इतर भारत और रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक भी हुई। जिसमें रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और आर्थिक संबंधों के मामले को शामिल किया गया। दोनों ने सितंबर महीने में भारत की मेजबानी में होने वाली ब्रिक्स के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक को लेकर भी अपने विचार आपस में साझा किए हैं।

यूएन में सुधारों की मांग उठाई

डोभाल ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाएं वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर कहीं से भी प्रासंगिक नजर नहीं आती हैं। इनकी स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध यानी 1945 के कालखंड में की गई थी। ऐसे में अब इनमें बड़े और जरूरी बदलाव किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने इसी क्रम में वैश्विक दक्षिण, लैटिन अमेरिका और अफ्रीकी देशों की भागीदारी को भी बढ़ाए जाने पर जोर दिया।

होर्मुज से बनी रहे आवाजाही

डोभाल ने पश्चिम एशिया संकट के मामले को लेकर होर्मुज और लाल सागर के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दोनों अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग दुनियाभर के व्यापार का मुख्य केंद्र हैं। ऐसे में दोनों जगहों से समुद्री नौवहन की सुरक्षित आवाजाही और निर्बाध ढंग से व्यापार होना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि दोनों मार्गों से ही विश्व में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और अन्य जरूरी वस्तुओं, सेवाओं की आपूर्ति होती है। जिसे देखते हुए दोनों जगहों से सुरक्षित समुद्री आवाजाही होनी चाहिए।

भारतीय कपल से यूएस में की गई बदसलूकी

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक भारतीय दंपति के साथ कथित नस्लभेदी बदसलूकी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो एवाईटोन फोर्थ नाम के यूजर ने शेयर किया। जो भारतीय दंपति से उनकी नागरिकता और भारत को लेकर सवाल पूछता नजर आ रहा है। जवाब मिलने के बाद वह उन्हें अमेरिका छोड़कर जाने को कहता है। वह कहता है कि हम तुम्हें यहां नहीं चाहते। तुम्हें अपने देश वापस जाना होगा।

---

30 मई से 3 जून तक भारत में रहेंगे

अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत कल आएंगे म्यांमार के राष्ट्रपति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

म्यांमार के राष्ट्रपति जनरल मिन आंग ह्लाइंग शनिवार से भारत की पांच दिवसीय (30 मई से 3 जून तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसके लिए उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष तौर पर आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नई दिल्ली में उनकी 1 जून को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के बीच मौजूद ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को भविष्य में और अधिक मजबूती प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

राष्ट्रपति ह्लाइंग व्यापार मंच के एक कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे। वे 30 मई को बोध गया और 2 जून को मुंबई भी जाएंगे। जिसका उद्देश्य भारत की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले शहर में व्यापारिक, उद्योग संबंधी चर्चाएं होंगी और बोध गया में जरूरी स्थलों का दौरा किया जाएगा।

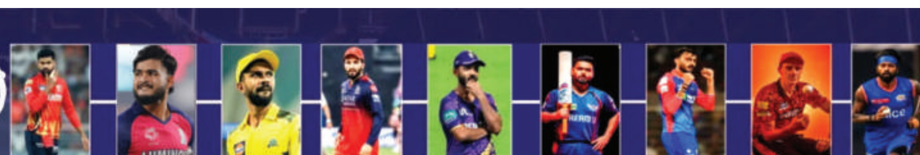

ऑरेंज कैप	पर्पल कैप
वैभव सूर्यवंशी	भुवनेश्वर कुमार
652 रन	26 विकेट
राजस्थान	बेंगलुरु

सचिन ने वैभव को बताया चमत्कार तो सूर्यवंशी के जवाब ने जीत लिया दिल

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

आईपीएल में 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स को सिर्फ मैच ही नहीं जिताया, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत को उनका मुरीद बना दिया।

सचिन तेंदुलकर ने उनकी बल्लेबाजी को 'चमत्कार' बताया। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उन्हें भविष्य का 'स्टार' कहा, जबकि युवराज सिंह ने नया निकनेम देते हुए उन्हें 'बॉस बेबी' बुलाया। वहीं मोहम्मद कैफ ने वैभव सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट का 'वंडर बॉय' करार दिया। खास बात यह रही कि वैभव सूर्यवंशी ने भी इन दिग्गजों की तारीफों का बेहद विनम्र और दिल जीत लेने वाले अंदाज में जवाब दिया। वैभव सूर्यवंशी के जवाबों ने सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत लिया।

वैभव का बैट स्विंग जबरदस्त : सचिन

सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'वैभव सूर्यवंशी का बैट स्विंग जबरदस्त रहा है। इससे भी ज्यादा कमाल की बात यह है कि वह लेग स्टम्प की ओर आती गेंदों पर कितनी खूबसूरती से अपना फ्रंट फुट हटाकर जगह बनाते हैं। इसी सहूलियत की वजह से वह उस तरह से खेल पाते हैं जैसा वह खेलते हैं। यह पारी किसी चमत्कार से कम नहीं थी!''

यह किसी सपने जैसा : वैभव

सचिन तेंदुलकर की पोस्ट का जवाब देते हुए वैभव सूर्यवंशी ने लिखा, 'धन्यवाद सर। मेरे लिए इसका बहुत बड़ा मतलब है। आपने भी लगभग इसी उम्र में खेलना शुरू किया था और अब मेरी तरह 15 साल का एक लड़का आपका आशीर्वाद पा रहा है। यह किसी सपने जैसा लग रहा है।'

तुमने सबकी सांसें ही रोक दीं : सूर्यकुमार

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने लिखा, 'हिम्मत बनाए रखो बच्चे। क्या शानदार पारी खेली है। तुमने सबकी सांसें ही रोक दीं थीं। एक बड़ा सितारा तैयार हो रहा है।

सूर्या को जवाब देते हुए वैभव सूर्यवंशी ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद कप्तान। आपके जैसे टी20 के बादशाह से ये सुनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मिस्टर 360, मैं भी आपसे वे कमाल के शॉट्स सीखना चाहूंगा।'

बॉस बेबी' ने तोड़ा 'यूनिवर्स बॉस' का रिकॉर्ड : युवराज

युवराज सिंह ने लिखा, 'बॉस बेबी' ने 'यूनिवर्स बॉस' का रिकॉर्ड तोड़ दिया! अविश्वसनीय, यह बच्चा कमाल का है, इसे खेलते देखना बहुत अच्छा लगता है। युवराज की पोस्ट पर वैभव

सूर्यवंशी ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद युवी अंकल। आपसे 'बॉस बेबी' का खिताब मिलना मेरे लिए अब तक की सबसे बड़ी तारीफ है। मुझे अब भी इस बात का अफसोस है कि मैं तीन रन से अपने शतक से चूक गया, लेकिन इस बात की बहुत खुशी है कि हम मैच जीत गए!'

खबर संक्षेप

फ्रेंच ओपन : महिला युगल से हटीं वीनस और हैली

पेरिस। सात बार की मेजर एकल विजेता वीनस विलियम्स और हैली बैप्टिस्ट की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के महिला युगल से हटने का फैसला किया। उन्होंने गुरुवार को हटने का फैसला किया और आयोजकों ने इसका कोई कारण नहीं बताया। लेकिन बैप्टिस्ट को बुधवार को वांग जियायू के खिलाफ अपने दूसरे दौर के एकल के दौरान बाएं पैर पर अजीब तरह से गिरने के बाद रिटायर होना पड़ा था। अब ड्रॉ में अमेरिकी जोड़ी की जगह यूडिस चोंग और वेरोनिका रेजवेक ने ली। वीनस अगले महीने 46 साल की हो जाएंगी। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के एकल में वाइल्ड-कार्ड से प्रवेश किया था। वह पहले दौर में हार गईं और ऑस्ट्रेलियन ओपन एकल मुख्य ड्रॉ में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज महिला बन गईं थीं। वीनस 2002 में अपनी छोटी बहन सेरेना से फ्रेंच ओपन एकल फाइनल हार गईं।

यूनिटी कप: सेमीफाइनल में जमैका से हारी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम लंदन में यूनिटी कप के सेमीफाइनल में जमैका से 0-2 से हारकर बाहर हो गई। जमैका के लिए कर्टनी क्लार्क ने आठवें और काहेम डिक्सॉन ने 78वें मिनट में गोल दागे। अब तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में भारत का सामना जिम्बाब्वे से होगा, जिसे दूसरे सेमीफाइनल में नाइजीरिया ने हराया। वहीं फाइनल में पिछले साल की तरह नाइजीरिया की टक्कर जमैका से होगी। भारत के लिए नोफाल पीएन और रिकी शाबोंग ने सीनियर टीम में पदार्पण किया। भारतीय टीम का ब्रिटेन में यह पहला मैच था। फीफा रैंकिंग में 71वें स्थान पर काबिज जमैका ने आक्रामक शुरुआत करके आठवें ही मिनट में बढ़त बना ली। डिक्सॉन 17वें मिनट में बढत दुगुनी करने के करीब पहुंचे लेकिन गुरप्रीत संधू ने गोल नहीं होने दिया।

काबुनी के सुपर कोच बने एबी डी विलियर्स

नई दिल्ली। क्रिकेट ट्रेनिंग को नई पहचान देने वाला एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने गुरुवार को पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान और ग्लोबल स्टार एबी डी विलियर्स को सुपर कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। विलियर्स का जुड़ना काबुनी के उस मिशन में एक और बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य हर स्तर के खिलाड़ियों तक वर्ल्ड -क्लास क्रिकेट कोचिंग पहुंचाना है। वे पहले से ही काबुनी सुपर कोच सौरव गांगुली और शेन वाटसन के साथ जुड़े हुए हैं। यह सहयोग काबुनी की तकनीक और एबी डिविलियर्स के गहरे क्रिकेट अनुभव को एक साथ लाता है, जिससे उभरते क्रिकेटरों को डेटा आधारित जानकारी और वास्तविक खेल अनुभव का मजबूत संयोजन मिलेगा। भारत में 12 से 16 वर्ष के युवा खिलाड़ियों को जून में शुरू होने वाले एक नए राष्ट्रीय टूर्नामेंट के जरिए एबी डी विलियर्स की टीम के लिए खेलने का मौका जीतने का अवसर मिलेगा।

क्वालीफायर-2 : आज शाम 7.30 बजे से गिल और सूर्यवंशी का आमना-सामना

'वंडर किड' को रोकने की चुनौती, जीटी के टॉप ऑर्डर को दिखना होगा दमखम

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती 'वंडर किड' वैभव सूर्यवंशी के बल्ले पर अंकुश लगाने की होगी जबकि उनके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को भी आक्रामक खेल दिखाना होगा। दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में मोहम्मद सिराज ने शॉर्ट गेंद पर सूर्यवंशी को आउट किया था लेकिन इससे पहले उनकी गेंद पर शानदार छक्का पड़ा था। तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को भी सूर्यवंशी ने नहीं बख्शा। पंद्रह बरस के इस बल्लेबाज ने एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंद में 97 रन बनाए। बल्लेबाजों की मददगार इस पिच पर सूर्यवंशी एक बार फिर हर गेंद को पीटना चाहेंगे और गेंदबाज के रसूख की वह परवाह नहीं करते। इसलिए जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की गेंदों पर उन्होंने छक्के लगाए हैं।

आरआर को करना होगा फिनिशिंग पर काम

कुछ मैचों में सूर्यवंशी शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे हैं और गुजरात के गेंदबाज इसी पर फोकस करना चाहेंगे। रॉयल्स की सफलता की कुंजी सूर्यवंशी और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर साबित हुए हैं। सूर्यवंशी के शानदार फॉर्म के आगे यशस्वी जायसवाल छिप से गए हैं। ध्रुव जुरेल ने तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की है। कप्तान रियान पराग ने कहा था कि रॉयल्स को बुधवार को 260 रन बनाने चाहिए थे लेकिन डैथ ओवरों में विकेट लगातार गिरते गए । उन्हें अपनी फिनिशिंग पर काम करना होगा।

सुदर्शन के प्रदर्शन में निरंतरता

दूसरी ओर गुजरात के पास एक और आईपीएल फाइनल में पहुंचने का मौका है, जिसे पिछली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने हराया था। गुजरात की टीम बल्लेबाजी में शीर्ष तीन शुभमन गिल, साइ सुदर्शन और जोस बटलर पर निर्भर है। अगर ये नहीं चले तो बड़ा स्कोर बनना मुश्किल है। अगर रॉयल्स ने 250 से अधिक रन बना लिए तो गिल और सुदर्शन पर दबाव आ जाएगा। सुदर्शन के प्रदर्शन में निरंतरता है लेकिन वह पहली गेंद से पीट नहीं सकता।

गुजरात की असली ताकत गेंदबाजी

गेंदबाजी गुजरात की ताकत है लेकिन धर्मशाला में आरसीबी के खिलाफ डैथ ओवरों में उसके गेंदबाज नहीं चले थे जब आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार पारी खेली थी। गुजरात को अपनी फील्डिंग में भी काफी सुधार करना होगा। पिछले मैच में राहुल तेवतिया का फॉर्म भी उसके लिए अच्छा संकेत है। भीषण गर्मी के बावजूद सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखने के लिए हजारों की संख्या में क्रिकेटप्रेमियों के स्टेडियम में आने की उम्मीद है।

आरआर के खिलाफ जीटी का रिकॉर्ड शानदार

आरआर के खिलाफ जीटी का रिकॉर्ड शानदार रहा है। आरआर और जीटी के बीच आईपीएल में अब तक कुल 10 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 7 मुकाबलों में जीत जीटी के हाथ लगी है, जबकि राजस्थान रॉयल्स सिर्फ 3 मैच ही जीत सकी है। गुजरात टाइटंस अपने इस दमदार रिकॉर्ड को दूसरे क्वालीफायर में भी बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

मैच का समय : शाम 7.30 से

नॉर्वे चेस

प्रज्ञानानंदा ने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी कॉर्लसन को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| मुंबई

ओस्लो। आर प्रज्ञानानंदा ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को नॉर्वे शतरंज के तीसरे दौर के रोमांचक मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक ले लिए जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश का खराब फॉर्म जारी रहा। गुकेश को अलीरजा फिरोजा ने आर्मागेडोन (सडन डैथ टाइब्रेकर) पर हराया चूंकि बाजी ड्रॉ रही थी। इस साल टूर्नामेंट में कार्लसन चिर परिचित फॉर्म में नहीं दिख रहे थे लेकिन 7 बार के चैंपियन को उसके देश में हराना विश्व शतरंज की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक रोमानिया में शानदार प्रदर्शन करके आए प्रज्ञानानंदा ने उस लय को कायम रखा। इस जीत के बाद उनके 4.5 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। फिरोजा 7.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। गुकेश के 3.5 अंक है और वह छह खिलाड़ियों के ओपन वर्ग में चौथे स्थान पर हैं। कार्लसन 1.5 अंक लेकर छठे स्थान पर है।

यह सिक्के की उछाल जैसा : प्रज्ञानानंदा

प्रज्ञानानंदा ने जीत के बाद कहा,'इस जीत में जश्न मनाने जैसा कुछ नहीं है। यह सिक्के की उछाल जैसा है, जिसमें मैं भी जीत सकता था और मैग्नस भी। मुझे इस प्रदर्शन पर बहुत गर्व नहीं है लेकिन खुश हूं कि पहले हाफ में अच्छा खेला लेकिन टाइम कंट्रोल में बाजी किसी भी तरफ जा सकती थी।'

प्रज्ञानानंदा ने 2024 में हराया था कार्लसन को

प्रज्ञानानंदा ने 2024 में इसी टूर्नामेंट में क्लासिकल प्रारुप में पहली बार कार्लसन को हराया था। फिरोजा रोमानिया में लगी चोट के कारण व्हीलचेयर पर आयोजन स्थल से गए और मून बूट पहनकर आए थे। उन्हें दर्द हो रहा था लेकिन उससे पार पाते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। गुकेश का खराब फॉर्म चिंता का सबब है क्योंकि उन्हें इस साल के आखिर में जावोखिर सिंडारोव के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबला खेलना है।

महिला टी20 विश्व कप

अंपायर, मैच रेफरी का ऐलान चार भारतीयों को मिली जगह

एजेंसी ▶▶| दुबई

इंग्लैंड एवं वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप में अंपायरिंग करने के लिए आईसीसी ने 18 सदस्यीय महिला अधिकारियों की सूची जारी की है, जिसमें मैच रैफरी जीएस लक्ष्मी सहित चार भारतीय अंपायर शामिल हैं।

यह लगातार तीसरा चरण होगा, जिसमें अधिकारियों के पैनल में सभी महिलाएं शामिल हैं। कैन्डेस ला बोर्ड, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शथीरा जाकिर जेसी पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। अंपायरों की सूची में दो अन्य भारतीय वृंदा राठी और जननी एन हैं।

क्लेयर पोलोसाक छठी बार करेंगी अंपायरिंग

विश्व कप में 33 मैच के दौरान 14 अंपायर और 4 मैच रैफरी काम करेंगे, जिनमें 2024 चरण के दल के 9 सदस्य भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं, जो इस टूर्नामेंट में छठी बार हिस्सा लेंगी और पहले 22 मैच में अंपायरिंग कर चुकी हैं। जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन ने अब तक 19-19 मैच में अंपायरिंग की है और दोनों इंग्लैंड और वेल्स में अपने पांचवें टी20 विश्व कप का रिकॉर्ड बनाएंगी। तीन मैच रैफरी शांड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा 2024 चरण का भी हिस्सा थीं। चौथे रैफरी के रूप में न्यूजीलैंड की टुडी एंडरसन को शामिल किया गया है।

मैच अधिकारियों की सूची

अंपायर: लॉरेन एजेनबाग, किम कॉटन, अन्ना हैरिस, शथीरा जाकिर जेसी, केरिन क्लास्टे, कैन्डेस ला बोर्ड, जननी एन, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सुजैन रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, जैकलीन विलियम्स, गायत्री वेणुगोपालन , मैच रेफरी: टुडी एंडरसन, शांड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा विनेश और डब्ल्यूएफआई का मामला

ट्रायल में हिस्सा लेने को लेकर मचा बवाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ शुक्रवार को महासंघ की याचिका पर सुनवाई करेगी। 22 मई को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने विनेश को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देते हुए कहा था कि डब्ल्यूएफआई की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनके जैसी दिग्गज खिलाड़ी के नाम पर विचार नहीं किया गया। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की महासंघ की ओर से वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी । इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय ओलंपिक संघ का एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद होगा।

सिंगापुर ओपन : क्वार्टर फाइनल में सिंधू और लक्ष्य, प्रणय हारे

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय कई गलतियों की वजह से बाहर हो गए।

सिंधू ने 37 मिनट के भीतर जापान की रिको गुंजी को 21-9, 21-12 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया की आन से यंग से होगा। सिंधू कभी भी ओलंपिक चैंपियन को हरा नहीं सकी हैं और आठ बार

पराजित हो चुकी हैं। पिछली हार पिछले साल चाइना ओपन में मिली थी।

अब लक्ष्य का सामना कोकी वातानाबे से

लक्ष्य ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है क्योंकि दूसरे वरीय कुनलावुत विदितसर्ण ने महज दो अंक के बाद पीठ की समस्या के कारण रिटायर होने का फैसला किया। अब 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। पुरुष युगल में चौथी वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में चीनी ताइपै के ली झि हुइ और यांग पो सुआन को एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना मलेशिया के खाइ शिंग कांग और आरोन ताइ से होगा।

फ्रेंच ओपन : नहीं खेलूंगा फ्रांसीसी खिलाड़ी के खिलाफ : नोवाक

क्ले कोर्ट में दर्शकों ने हूटिंग के बाद बजाई ताली, गुस्से में दिखे जोकोविच

एजेंसी ▶▶| पेरिस

सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन में दर्शकों के बर्ताव से काफी नाखुश हैं। जोकोविच ने कहा कि उम्मीद है कि टूर्नामेंट में उन्हें अब फ्रांस के किसी भी खिलाड़ी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जोकोविच वैलेंटिन रॉयर के खिलाफ हुए मैच में दर्शकों की ओर से की गई लगातार हूटिंग से गुस्से में नजर आए। जोकोविच ने दूसरे राउंड में रॉयर पर चार सेट में 6-3, 6-2, 6-7(9), 6-3 से जीत हासिल करके अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तरफ कदम बढ़ाया। टूर्नामेंट के लगातार दूसरे मुकाबले में जोकोविच का सामना फ्रांस के खिलाड़ी से

हुआ। पहले राउंड में जोकोविच ने जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड को हराया था। मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब जोकोविच ने भीड़ की हूटिंग के बाद ताली बजाई और अंपायर ने शांत रहने को कहा। अंपायर ने कहा, 'लेडीज एंड जेंटलमैन, कृपा दोनों खिलाड़ियों की इज्जत करें। जोकोविच ने तुरंत कहा, उनमें कोई इज्जत नहीं है। सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं बाकी टूर्नामेंट में किसी और फ्रेंच खिलाड़ी के साथ नहीं खेलूंगा।

शुरुआती दो सेट में जोकोविच का ज़बरदस्त खेल

शुरुआती दो सेट में जोकोविच का ज़बरदस्त खेल देखने को मिला। तीन बार के रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) विजेता रॉयर के पैटर्न को समझ रहे थे और कई लेजर-फोकस्ड शॉट मार रहे थे। हालांकि, रॉयर पीछे हटने को तैयार नहीं थे और उन्हें लगातार अच्छे खेल का इनाम तीसरे सेट में मिला। उन्होंने तीसरे सेट में अपना हुक्ड फोरहैंड मारकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया।

रॉयर अपने प्रदर्शन के लिए श्रेय के हकदार : जोकोविच

जोकोविच ने कहा, मुझे राहत मिली है। जाहिर है कि जब आप मैच जीतते हैं तो अलग महसूस होता है। मुश्किल हालात में यह दोनों खिलाड़ियों के लिए बहुत जरूरी जीत है। बहुत गर्मी थी, और मुझे लगता है कि रॉयर इस मुकाबले के अपने प्रदर्शन के लिए बहुत श्रेय के हकदार हैं। यह नॉर्मल है कि इस तरह के हालात और माहौल में कोर्ट पर चीजें मुश्किल हो जाती हैं। मुझे उम्मीद है कि टूर्नामेंट के आखिर तक मुझे किसी और फ्रेंच खिलाड़ी से दोबारा नहीं खेलना पड़ेगा।

सदानीरा समागम 2026 के दूसरे दिन 'जल संरक्षण और भारतीय ज्ञान परंपरा' पर देशभर से आए वक्ताओं ने रखे विचार

मंच पर बिजली की कड़क, बादलों की गूंज और वर्षा की बौछार के बीच पानी नामा की प्रस्तुति

इसरो हैदराबाद से आए वैज्ञानिक डॉ. प्रकाश चौहान बोले- ग्लेशियर इसी गति से पिघलते रहे तो दुनिया गंभीर जल संकट का करेगी सामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हमारे वेदों और पुराणों में नदियों को जीवन का आधार माना गया है तथा भारतीय संस्कृति में उनकी पूजा की परंपरा रही है.... 'जल संरक्षण और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर यह बात कही इसरो हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. प्रकाश चौहान ने, जो भारत भवन में आयोजित सदानीरा महोत्सव के दूसरे दिन प्रमुख वक्ता के रूप में बोल रहे थे। ग्लेशियर पर बात करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले 50 वर्षों तक ग्लेशियर इसी गति से पिघलते रहे तो दुनिया गंभीर जल संकट का सामना करेगी।

कार्यक्रम में अपनी बात कहते प्रमुख वक्ता।

कार्यक्रम के दौरान दी गई पानी नामा की सांगीतिक प्रस्तुति

पानी को कभी प्रेम, कभी स्मृति, कभी संवेदना और कभी जीवन दर्शन के रूप में उकेरा गया....

रहीम के दोहों और वर्षा गीतों से सजा मंच

कार्यक्रम के दौरान पानी रे पानी तेरा रंग कैसा, रिमझिम गिरे सावन, आया सावन झूम के, ओ नदिया चले रे धारा, मोहे पनघट पे नंदलाल, दिल है छोटा सा और अल्लाह मेघ दे पानी दे जैसे

लोकप्रिय गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संवादों में यह संदेश दिया गया कि जल केवल प्रकृति का तत्व नहीं, बल्कि मानव जीवन की चेतना और संस्कृति का आधार है। प्रस्तुति में रहीम का प्रसिद्ध दोहा-रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून भी उद्धृत किया गया, जिसने जल संरक्षण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया।

पानी पर प्रस्तुति...

पानी पर सांगीतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

कभी प्रेम, कभी स्मृति, कभी संवेदना से सजा पानी नामा

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पानी नामा की संगीतमय प्रस्तुति रही, जिसमें बारिश, नदी, सावन, पनघट और प्रेम को जीवन के विभिन्न रंगों से जोड़ते हुए मंचित किया गया। मंच पर बिजली की कड़क, बादलों की गूंज और वर्षा की ध्वनि के बीच एंकर ने जल को जीवन का प्रतीक बताते हुए कहा कि जिंदगी-नामा नहीं, बल्कि पानी-नामा है। प्रस्तुति में पानी को कभी प्रेम, कभी स्मृति, कभी संवेदना और कभी जीवन दर्शन के रूप में उकेरा गया।

भारत में प्राचीन परंपराएं आज भी जीवंत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित त्रिनिदाद और टोबैगो के हाई कमिश्नर चंद्र दत्त सिंह ने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि की सराहना करते हुए कहा कि भारत विश्व का ऐसा देश है जहां आधुनिकता और विकास के साथ-साथ प्राचीन परंपराएं आज भी जीवंत हैं।

पानी पर आधारित गीतों की दी प्रस्तुतियां

भारत में अपने देश और गांव जैसा लगा

नेपाल दूतावास के प्रथम सचिव दीपक पोरखिरे ने भारत-नेपाल संबंधों को सांस्कृतिक रूप से अत्यंत गहरा बताते हुए कहा कि भारत आकर उन्हें अपने ही देश और गांव जैसा अपनापन महसूस हुआ।

आकर्षक सार श्रृंगार ने दर्शकों का मन मोह लिया।

वरिष्ठ साहित्यकार सुदर्शन कुमार सोनी का व्यंग्य सीबीएसई पाठ्यक्रम में शामिल

दिनकर, प्रेमचंद, नेताजी और लियो टॉलस्टॉय के साथ मिला सुदर्शन को स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के वरिष्ठ साहित्यकार सुदर्शन सोनी ने साहित्य जगत में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी चर्चित व्यंग्य रचना 'परोपकार में सेंध' को अब सीबीएसई आठवीं कक्षा की हिंदी पुस्तक 'न्यू माइल स्टोन्स' में शामिल किया गया है, जो एनसीईआरटी आधारित पाठ्यक्रम के अंतर्गत एस. चंद्र एंड कंपनी द्वारा प्रकाशित की गई है।

विशेष बात यह है कि इस व्यंग्य रचना को रामधारी सिंह दिनकर, मुंशी प्रेमचंद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और लियो टॉलस्टॉय जैसे दिग्गज साहित्यकारों की रचनाओं के साथ स्थान मिला है।

व्यंग्य रचना 'परोपकार में सेंध' को सीबीएसई की 8वीं पुस्तक में किया शामिल

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है 'अगले जनम मोहे कुत्ता कीजो'

सुदर्शन कुमार सोनी अपनी व्यंग्यात्मक लेखन शैली के लिए खास पहचान रखते हैं। वर्ष 2018 में प्रकाशित उनकी चर्चित पुस्तक अगले जनम मोहे कुत्ता कीजो को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी स्थान मिला था।

सप्रे संग्रहालय-इंदिरा गांधी कला केंद्र का आयोजन

हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी राष्ट्रीय महोत्सव दिल्ली में 30-31 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने पर 30-31 मई को दिल्ली में राष्ट्रीय द्विशताब्दी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली एवं माधवराव सप्रे स्मृति संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल के संयुक्त आयोजन में 'स्मारक डाक टिकट एवं प्रथम दिवस आवरण' का लोकार्पण होगा। 'हिंदी पत्रकारिताः 200 साल की महागाथा' स्मारक ग्रंथ का विमोचन किया जाएगा। हिंदी पत्रकारिता की दो शताब्दी की गौरवशाली यात्रा के अग्रगण्य समाचारपत्रों और पत्रिकाओं तथा युग निर्माता संपादकों के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

महोत्सव के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया स्मारक डाक टिकट तथा प्रथम दिवस आवरण का लोकार्पण करेंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव स्मारक ग्रंथ का विमोचन करेंगे। शुभारंभ राष्ट्रीय कला केन्द्र के जनपथ बिल्डिंग सभागार में 30 मई को अपरान्ह 4 बजे होगा। 31 मई को पहला सत्र सुबह 10.30 बजे से होगा। इस दिन प्रो. कृपाशंकर चौबे, डॉ. धनंजय चोपड़ा, प्रो. वर्तिका नंदा, प्रो. हरवंश, प्रो. उषारानी राव, क्षमा शर्मा, दिलीप मंडल, खुशबू जैन आदि विद्वानों के वक्तव्य होंगे।

आंचलिक विज्ञान केंद्र में 'कोड एंड क्रिएट' कार्यशाला आयोजित

विद्यार्थियों ने सीखे आईइनो और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के गुर

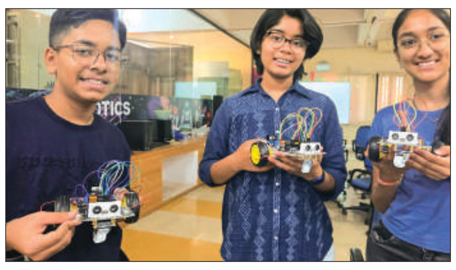

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आंचलिक विज्ञान केन्द्र में अवकाश रचनात्मक विज्ञान कार्यशाला 2026 के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय 'कोड एंड क्रिएट- आर्डुइनो इनोवेशन लैब' का उत्साहपूर्ण समापन हुआ। तीन दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों ने आर्डुइनो आधारित इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर, प्रोग्रामिंग और स्मार्ट तकनीक की व्यावहारिक जानकारी हासिल की।

कार्यशाला के दौरान सेंसर प्रोग्रामिंग की जानकारी हासिल करते छात्र।

मल्टी-कलर एलईडी नियंत्रण व सर्किट डिजाइन को सीखा

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने मल्टी-कलर एलईडी नियंत्रण, सर्किट डिजाइन, सेंसर तकनीक और ट्रैफिक लाइट मॉडल जैसे प्रोजेक्ट्स तैयार किए। विद्यार्थियों ने कोडिंग और इंटरैक्टिव तकनीकी गतिविधियों के माध्यम से तार्किक सोच, रचनात्मकता और समस्या समाधान क्षमता का विकास किया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930